ಶುಭ್ ಲಾಭ್ खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 15 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-196

पेंसिलवेनिया में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति पर चली गोलियां

डोनाल्ड ट्रंप पर कातिलाना हमला

गोली कान में लगी, खतरे से बाहर

पेंसिलवेनिया, 14 जुलाई (एजेंसियां)। स्नाइपर राइफल से चलाई गई गोली से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जख्मी हुए, लेकिन उनकी जान बच गई। गोली उनका कान छेदती हुई पार निकल गई। सुरक्षाबलों ने फौरन पर ट्रंप को सुरक्षा घेरे में ले लिया और चुनावी सभा से निकाल कर उन्हें फौरन अस्पताल पहुंचाया। गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक हमलावर भी शामिल है। अमेरिका सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिल्मो ने कहा, ट्रंप सुरक्षित हैं। ट्रंप पर हुए हमले की पूरे विश्व में निंदा हो रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप का हालचाल लिया और इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। पीएम मोदी ने कहा, राजनीति में हिंसा का सहारा कायर और डरे हुए लोग करते हैं। मैं अपने मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बहुत चिंतित हूं। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। ट्रंप पर हुए इस जानलेवा हमले की अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने निंदा की है।

पेंसिलवेनिया के बटलर में राष्ट्रपति चुनाव की प्रचार सभा में पूर्व राष्ट्रपति और रिप-ब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने मंच पर आकर जैसे ही अपना भाषण शुरू किया, तभी एक गोली उनके दाहिने कान को चीरती हुई निकल गई। घटना का वीडियो भी दुनियाभर में वायरल हो रहा है जिसमें देखा

एक अमेरिकी नागरिक की मौत, 20 साल का हमलावर भी ढेर

पूर्व राष्ट्रपति रीगन पर हमले के 43 साल बाद हुआ दूसरा हमला

जा सकता है कि कान में गोली लगने से ट्रंप लहूलुहान हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही गोली चलने की आवाज आती है, डोनाल्ड ट्रंप अपना दाहिना कान पकड़ लेते हैं। फिर बहता हुआ खून देख कर अपना हाथ नीचे लाते हैं और वे फौरन पोडियम के पीछे अपने घुटनों के बल बैठ जाते हैं। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें कवर कर लिया। वीडियो में ट्रंप का कान और चेहरे का दाहिना हिस्सा खून से सना दिख रहा है। जख्मी होने के बावजूद ट्रंप अपना मनोबल बनाए रखते हैं और उस दशा में भी अपनी मुट्ठी लहराकर अमेरिकी जनता का आह्वान करते दिखते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अस्पताल से एक बयान जारी कर कहा, मुझे गोली लगी जो मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में जा लगी। मुझे तुरंत पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैंने गोलियां चलने की आवाजें भी सुनीं।

मैंने महसूस किया कि गोली कान को चीरती हुई निकल गई। बहुत ज्यादा खून बह रहा था, इसलिए मुझे तब एहसास हुआ कि क्या हो रहा था। यह विश्वास करने लायक नहीं है कि हमारे देश में भी इस तरह की घटना हो सकती है।

अमेरिकी मीडिया द्वारा कहा गया है कि ट्रंप पर हमला करने वाला मारा जा चुका है। साथ ही एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया है कि शूटर छत पर बैठा था। वहीं से उसने स्नाइपर एआर राइफल से ट्रंप पर गोलियां चलाईं। अमेरिका में किसी राष्ट्रपति रह चुके व्यक्ति पर 43 साल बाद दोबारा हमला किया गया है। ▶10 पर

थामस मैथ्यु क्रुक्स ने चलाई डोनाल्ड ट्रंप पर गोलियां

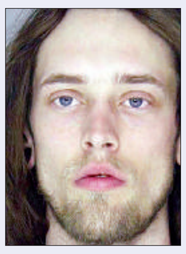

पेंसिलवेनिया, 14 जुलाई (एजेंसियां)। थॉमस मैथ्यु क्रुक्स। उम्र 20 साल। क्रुक्स ने ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। क्रुक्स मौके पर ही मारा गया, इसीलिए हमले की असली कहानी उजागर होने से रह गई। बटलर में जिस स्थान पर ट्रंप की रैली हो रही थी, हमलावर वहां से करीब 120 मीटर दूर स्थित एक मैनुफैक्चरिंग कंपनी की छत पर खड़ा था। वहीं से उसने स्नाइपर राइफल एआर-15 सेमी-ऑटोमेटिक राइफल के जरिए ट्रंप पर निशाना लगाया। सेमी ऑटोमैटिक राइफल से उसने एक के बाद एक करीब 10 गोलियां चलाईं। ट्रंप के कान में गोली नहीं लगती और वे पोडियम के नीचे नहीं बैठ जाते, तो अगली गोली ट्रंप का काम तमाम कर सकती थी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि संदिग्ध हमलावर ने एक विनिर्माण संयंत्र एजीआर इंटरनेशनल से ▶10 पर

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दी जानकारी

निर्यात क्षेत्र में भारत ने लगाई ऊंची छलांग

वैश्विक चुनौतियों के बीच पांच फीसदी का इजाफा
भारत में लगातार बढ़ रहा है प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने अप्रैल-मई में निर्यात क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। भारत के निर्यात में इस अवधि में पांच फीसदी का इजाफा हुआ है। इसे लेकर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-मई के बाद जून में निर्यात के आंकड़े सकारात्मक रहे हैं। सबसे ज्यादा सर्विस सेक्टर में इजाफा हुआ है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी के बीच भारत का निर्यात सकारात्मक रहा। इसमें सर्विस सेक्टर एक्सपोर्ट में अधिक वृद्धि हुई है।

गोयल ने कहा कि मई के बाद भी जून का आंकड़ा बेहद अच्छा है। कुल मिलाकर पहली तिमाही में एक्सपोर्ट बेहतर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय 15 जुलाई को जून महीने के निर्यात का आधिकारिक डाटा जारी करेगा। उन्होंने बताया कि मई में भारत का बिजनेस एक्सपोर्ट 9.1 फीसदी बढ़ा और 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई में आउटबाउंड शिपमेंट 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डॉलर रहा।

उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया मिशन और 4जी और 5जी के चलते सर्विस सेक्टर में निर्यात को बढ़ावा मिला है। इससे साफ है कि वैश्विक चुनौती के बाद इस वर्ष भारत माल और सेवा क्षेत्र में निर्यात के 800 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पार कर लेगा। 2023-24 में भारत का निर्यात 778.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

एफडीआई को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंदी के हालात में सुधार होगा तो इसमें भी बढ़ोतरी होगी। वैसे लगातार भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और अन्य विकसित देशों में ब्याज दरें ज्यादा हैं, ऐसे में यहां निवेश करना फायदे का सौदा होगा।

उद्योग और आंतरिक संवर्धन विभाग के आंकड़ों के अनुसार भारत में एफडीआई में 2023-24 में 3.49 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यह 44.42 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। मगर जनवरी-मार्च 2024 में एफडीआई 33.4 फीसदी बढ़कर 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह 2023 में 9.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। जून में भारत ने 26,565 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त किया। ▶10 पर

बसपा नेता की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

के. आर्मस्ट्रॉन्ग

चेन्नई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या में शामिल एक आरोपी कल देर शाम चेन्नई में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने कहा कि हत्यारोपी तिरुवेंगदम हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के लिए घटनास्थल पर ले जाया गया लेकिन उसने बरामद बंदूक से पुलिस अधिकारियों पर गोली चलानी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह मारा गया।

एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा, आरोपी ने सरेंडर कर दिया था। मगर फिर भी वह आज मुठभेड़ में मारा गया। उसकी हत्या क्यों कर दी गई? इससे आर्मस्ट्रॉन्ग मर्डर केस में संदेह पैदा होता है। आर्मस्ट्रॉन्ग का परिवार भी संदेह उठा रहा है। बसपा नेता आर्मस्ट्रॉन्ग की बीते दिनों उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वे पेरंबूर में बन रहे अपने घर की ओर जा रहे थे। हमले में उनके साथ चार अन्य लोग भी घायल हो गए थे।

अकाल तख्त ने फिर शुरू किया खालिस्तानी राग

स्वर्ण मंदिर में तीन आतंकियों की फोटो लगाने की मांग

ज्ञानी रघबीर सिंह

अमृतसर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (एसजीपीसी) से मांग की है कि खालिस्तानी आतंकियों हरदीप सिंह निज्जर, परमजीत सिंह पंजवार और गजिंदर सिंह की तस्वीरें स्वर्ण मंदिर परिसर स्थित सेन्ट्रल सिख म्यूजियम में लगाई जाएं।

जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने एसजीपीसी और दल खालसा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह मांग रखी। यह आयोजन गुरुद्वारा शहीद गंज बाबा गुरबक्श सिंह में हुआ था। इस सभा में गजिंदर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। गजिंदर सिंह के नेतृत्व में खालिस्तानी आतंकियों ने 1981 में इंडियन एयरलाइन्स के विमान का अपहरण किया था। हाईजैक करने के बाद प्लेन को पाकिस्तान के लाहौर ले जाया गया था। खालिस्तानी आतंकी जनरैल सिंह भिंडरांवाले की रिहाई के लिए इनलोगों ने विमान का अपहरण किया था। अब अकाल तख्त ने इन तीनों खालिस्तानी आतंकियों को बलिदानी बताया है। पंजवार खालिस्तानी कमांडो फ़ोर्स (केसीएफ) का मुखिया था, जिसकी लाहौर में 6 मई 2023 को हत्या कर दी गई। भारत सरकार द्वारा आतंकी घोषित हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा स्थित ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हत्या कर दी गई थी। गजिंदर सिंह को लेकर ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि उन्होंने सिख सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया, सरकारों के सामने झुके नहीं। उन्होंने उसे तख्त द्वारा सम्मान में तमगा देने की भी बात कही। 1995 में पाकिस्तान की जेल से निकलने के बाद से वो भटकता रहा था। SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी भी इस समारोह में मौजूद थे।

छात्र संघ दफ्तर में तोड़फोड़ भगवान राम की मूर्ति तोड़ी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के कार्यालय पर कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई से डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया, यश नांदल, रौनक खत्री, सिद्धार्थ शेयोरन सहित लगभग 40 एनएसयूआई गुंडों ने 14 जुलाई की सुबह हमला करके डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा का कार्यालय, विजिटर रूम डूसू सचिव अपराजिता तथा डूसू सह-सचिव सचिन बैसला का कार्यालय तोड़ दिया। इस दौरान डूसू अध्यक्ष के कार्यालय में रखी प्रभु श्रीराम की मूर्ति भी तोड़ डाली गई। डूसू कार्यालय के विजिटर कक्ष में छात्रों के ठंडे पानी के लिए रखा गया वाटर डिस्पेंसर तथा प्रिंटर आदि भी तोड़ दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शी गार्ड ने बताया कि तोड़फोड़ के पहले उपस्थित गुंडों ने डूसू कार्यालय परिसर में पीछे की तरफ स्थित एनएसयूआई से डूसू उपाध्यक्ष के कमरे में बैठकर शराब पी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के इतिहास में इस तरह की घिनौनी हरकत पहले भी एनएसयूआई के गुंडों द्वारा की जाती रही है। एनएसयूआई, दिल्ली विश्वविद्यालय के बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा जिस प्रकार की गुंडागर्दी, नशे का खुला खेल तथा अपराधियों को संरक्षण में लेकर हिंसा करती रही है, उसका अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पहले भी विरोध किया था और आगे भी मजबूती से करेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तथा अभाविप से दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ में डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा, सचिव अपराजिता तथा सह-सचिव सचिन बैसला , दिल्ली विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस घटना की कड़ी निंदा की है तथा दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन व दिल्ली पुलिस से मांग की है कि घटना में शामिल आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करें। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि अखिल भारतीय ▶10 पर

लोकसभा में गौरव गोगोई बने कांग्रेस के उपनेता

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लोकसभा में पार्टी का उपनेता नियुक्त किया गया है। आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। सांसद मनिकम टैगोर और डॉ. एमडी जावेद को सचेतक नियुक्त किया गया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय की जानकारी दी है। कांग्रेस महासचिव ने बताया कि पार्टी के इस निर्णय के बारे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के लिए उपनेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतकों की नियुक्ति के बारे में सूचित किया है। इससे पहले, पार्टी ने राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में नामित किया था। जिन्हें बाद में इस पद पर नियुक्त किया गया। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निर्देशन में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के अन्य दल लोकसभा में लोगों के मुद्दों को पूरी ऊर्जा के साथ उठाएंगे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 24^0
न्यूनतम : 20^0

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खुला जगन्नाथ मंदिर का खजाना

सरकार का निशाना, मंदिर का खजाना

मदरसों, मजारों का खजाना खंगालने की हिम्मत किसी में नहीं

खजाने के अकूत धन का क्या करेगी सरकार, पता नहीं

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आज पुरातन श्री जगन्नाथ मंदिर का खजाना खोला गया। जगन्नाथ मंदिर का खजाना खोलने को लेकर पूरे देश में यह सवाल उठ रहे है कि मंदिरों का खजाना खंगालने के लिए शासन, प्रशासन और अदालतें तमाम सक्रियतावादी रवैया दिखाती हैं, लेकिन मदरसों, मजारों का खजाना खंगालने की कभी हिम्मत नहीं करती। खजाना खोलने के बाद उस अकूत धन का क्या किया जाएगा, इसे सरकार ने स्पष्ट नहीं किया है। मंदिरों के खजाने में धन रखने के पीछे उद्देश्य था कि किसी आपातकाल और दुर्भिक्ष के समय मंदिरों के धन का इस्तेमाल व्यापक जन कल्याण के लिए किया जाएगा। लेकिन अब आशंका है कि मंदिर के इस पवित्र धन का इस्तेमाल सरकार और राजनीति के कल्याण में न हो जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पहली बार ओड़ीशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया। 46 वर्ष पहले भी इसे खोलने की कोशिश की गई थी। जगन्नाथ मंदिर के खजाने को रहस्यमय माना जाता है। किसी को पता ही नहीं है कि इसके भीतर क्या है। इसे 1985 में खजाने का प्रथम कक्ष खोला गया था। तब इसमें जो-जो चीजें पाई गई थीं, उसकी सूची बनाई गई थी। उस समय खजाना खोलने वाली टीम भीतरा-कक्ष में नहीं घुस पाई थी। तब माना गया था कि कई खतरनाक सांप इसकी रक्षा करते हैं।

उसके बाद से अब तक कुछ नहीं पता लगाया जा सका कि इसमें कितना धन है, इसकी कीमत कितनी है। कहा जाता है कि इसकी चाबियां खो गई हैं। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सवाल उठाया था। राज्य में भाजपा की पहली बार जीत हुई है, वर्षों से यहां बीजद की सरकार थी। ओड़ीशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि सारे आभूषणों का ऑडिट किया जाएगा। मौजूदा मंदिर 12वीं सदी में बनाया गया था। कई राजाओं, भक्तों और व्यापारियों द्वारा दान में दिए गए कीमती धातु यहां रखे गए हैं।

श्री जगन्नाथ टेम्पल एडमिनिस्ट्रेशन (एसजीटीए) के मुखिया के नेतृत्व में टीम इस काम पर लगाई गई है। इसमें भारतीय पुरातत्व विभाग (एए-सआई) के अधिकारी भी होंगे। एएसआई विभाग इस मंदिर के रखरखाव का दायित्व संभालता है। ▶10 पर

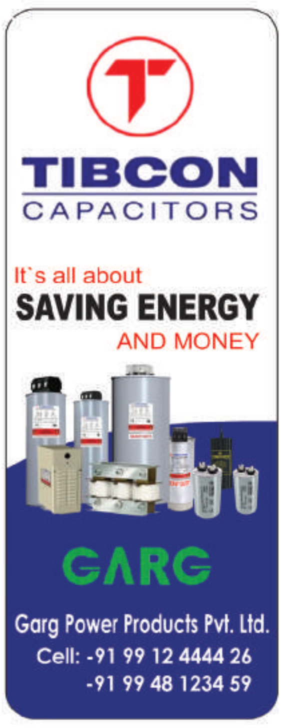

हर्ष मांडोत एवं उनकी टीम के शपथ ग्रहण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर के नव मनोनीत संयोजक हर्ष मांडोत एवं उनकी नव मनोनीत टीम के शपथ ग्रहण का आयोजन साध्वी सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में विजयनगर स्थित मीठा जीवन में सम्पन्न हुआ।

विजय स्वर संगम की टीम द्वारा मंगलाचरण किया गया। अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। परिषद अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

तेयुप हनुमंतनगर एवं यशवंतपुर टीम ने भी साध्वी के सानिध्य में पद की गोपनियता की शपथ ली। तत्पश्चात कमलेश चोपड़ा ने किशोरमंडल संयोजक हर्ष मांडोत को शपथ दिलायी। इसके पश्चात हर्ष मांडोत ने सेवा संस्कार संगठन के सह संयोजक के रूप में दर्शन बाबेल, रिशित छाजेड़, चेतन गांधी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर साध्वी ने मंगल आशीर्वचन देते हुए नव मनोनीत टीम को शुभकामनाएं संप्रेषित की एवं फरमाया की नई टीम को विनय के साथ सबको साथ ले कर चलना है। हमें पूरी युवा शक्ति को परिषद में जोड़कर नये नये कार्यों को सम्पादित करना है। आध्यात्मिकता की तरफ युवा शक्ति को ले जाना है और चातुर्मास में युवकों को ज्यादा से ज्यादा धर्म लाभ लेने की प्रेरणा दी। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने नई टीम को शुभमंगलकामना सम्प्रेषित करते हुए विजयनगर के किशोरों को नयी ऊँचाइयाँ प्रदान करने के साथ नई टीम के प्रति मंगलकामना प्रेषित की।

शपथ समारोह के आयोजन में अभातेयुप परिवार, तेयुप विजयनगर के पूर्व अध्यक्ष, तेरापंथ युवक परिषद प्रबंध मंडल में उपाध्यक्ष प्रथम विकास बाँठिया, मंत्री संजय भटेवरा, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा एवं संगठन मंत्री पंकज कोचर, क्षेत्रीय तेयुप परिषद पदाधिकारी, तेरापंथी सभा, महिला मंडल, ज्ञानशाला, तेयुप विजयनगर के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। संचालन तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने किया।

एकल के रंग भारत के संग का आयोजन 21 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर, महिला चैप्टर एवं एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में वनवासी समाज के प्रतिभाशाली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम एकल के रंग – भारत के संग का आयोजन 21 जुलाई को आरवी डेंटल कॉलेज ऑडिटोरियम, जेपी नगर में शाम 4 बजे से किया जा जायेगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारे वनवासी समाज के प्रशिक्षित प्रतिनिधि कथाकारों के दल ने अमेरिका सहित विश्व के अन्य देशों में भगवान श्री राम, श्री कृष्ण तथा राष्ट्रभक्ति व लोक गीतों पर आधारित नृत्य-नाटिकाओं द्वारा 60 से अधिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति दी। तीन महीने के अल्प प्रवास में भारत के रंग एकल के संग के नाम से अनुष्ठित कार्यक्रमों के लिए इन कथाकारों ने अमेरिका में औसतन 316 किलोमीटर की दूरी प्रतिदिन तय की। इनकी प्रस्तुतियों को अमेरिका में बहुत लोगों ने देखा और मुक्तकण्ठ से सराहना की। स्वदेश वापसी के पश्चात इस दल के सदस्य भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों में अपनी विशिष्ट प्रस्तुतियों की कड़ी में आगामी 21 जुलाई को बेंगलूरु में पधार रहे हैं। भारत के रंग एकल के संग कार्यक्रम की मनभावन प्रस्तुति दर्शकों को निश्चित ही ईश्वर और राष्ट्र के प्रति श्रद्धा के लिए प्रेरित करेगी। इसकी तैयारी को लेकर एक बैठक वनबंधु परिषद के बेंगलूरु कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें प्रोग्राम टीम कन्वेनर विमल सरावगी, रेखा अग्रवाल, साउथ जोन अध्यक्ष, रमेश अग्रवाल, चैप्टर अध्यक्ष हाथीमल बैद, सचिन पांडिया, सुरेश पारीक, महिला चैप्टर के संरक्षक सीता गोयल, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, उपाध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल और एफटीएस युवा से प्रितेश बुरड़, पवन राजलीवाल एवं श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन की सचिव पूजा पांडिया एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

धर्म सुनने के लिए मन की सफाई जरूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि खींचन ने कहा कि धर्म सुनने के लिए मन की सफाई जरूरी हैं। हमारे आस पास कषायों के ढेर हैं और ऐसे वातावरण में धर्म आचरण में नही उतर सकता हैं। आज दूसरों को उपदेश और दूसरों को सुधारने की होड़ लगी हुई हैं। धर्म तो आत्मा का विषय है और स्वयं के उद्धार का मार्ग है। विनय मुनि ने कहा कि आज हम शहरी वातावरण के अभ्यस्त हो गए हैं। परंतु वह समय भी आएगा जब शहरी जीवन से हम उब जाएंगे। यहां हवा पानी भोजन सब अशुद्ध हो गए हैं। प्रवचन के अंत में अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा को बताया कि आज ही विनय मुनि जी कि माता पापा बाई का 16वां स्मृति दिवस है। पापा बाई ने धीरज कंवर जी एवं विनय मुनि जी को जिन शासन को समर्पित किया था। विनय मुनि जी का सोमवार का प्रवचन कृष्णराज पुरम में होगा। चतुर्मास गणेश बाग में होगा।

साध्वी अरिहंतप्रभा का मंगल चातुर्मासिक प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के विनयवान शिष्यरत्न विश्व प्रसिद्ध गिरीविहार संस्था मार्गदर्शक सत्वशाली प्रवचनकार, गुरु कृपा-पात्र ग च छ ा ि ध प ि त विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, प्रवर्तक मुनिराज बोधिप्रभविजयजी, मुनिराज निर्मोहप्रभविजयजी एवं महाराष्ट्र दिपिका साध्वी यशप्रभाश्रीजी की सुशिष्या वर्धमान तपोनिधी साध्वी श्री अरिहंतप्रभाश्रीजी का मंगल चातुर्मास प्रवेश बड़े ठाट बाँट एवं ढोल नगाड़ों के साथ हुआ। सामैया में श्री आदिनाथ सेवा मंडल, अर्हम् ग्रुप, श्री ऋषभ संस्कार वाटिका के छात्र व टीचर्स के अलावा अर्हम् कन्या महिला ग्रुप, श्री लब्धिसूरि जैन पाठशाला के छात्र, सरगम मंडल, श्राविका मंडल, भंडारी स्कूल के छात्र व टीचर्स के साथ अनेक महिला मंडल मौजूद थे।

सत्र शुरू होने से पहले सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों से की बातचीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सरकार की विकास गतिविधियों पर सटीक और विश्वसनीय जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने गृह कार्यालय कृष्णा में मुख्य शासन सचिव रजनीश गोयल के अलावा विभिन्न विभागों के उप मुख्य सचिवों, सचिवों, आयुक्तों एवं निदेशकों के साथ महत्वपूर्ण मंत्रणा की। इस सत्र में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सीएम ने कहा विपक्षी दल कुछ विवाद खड़ा कर आलोचना कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अतीत और वर्तमान के किसी भी मामले की व्यापक जानकारी संबंधित मंत्री को तुरंत उपलब्ध हो। यह सुझाव दिया गया है कि अतीत में हुई सभी चर्चाओं और आदेशों को खुले तौर पर और पारदर्शी रूप से मंत्री के ध्यान में लाया जाना चाहिए। सत्र में राज्य की वित्तीय स्थिति, गारंटी योजनाएं, कार्यक्रमों की प्रगति, बजट घोषित योजनाओं के कार्यान्वयन आदेश सहित हर मुद्दे को मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि गलत जानकारी देकर सदन में शर्मिंदगी का माहौल पैदा किया गया तो संबंधित विभाग के प्रमुख जिम्मेदार होंगे। सुझाव दिया गया कि पेयजल समस्या और दूषित पानी समेत गंभीर समस्याओं को लेकर तत्काल कदम उठाए जाएं।

विघ्न हरता होता है भक्तामर जप : साध्वी उदितयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदूषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल गांधी नगर बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में भक्तामर स्त्रोत्र जप का आध्यात्मिक अनुष्ठान सजोड़े नेहरू नगर महाविदेह मिलन अपार्टमेंट में कराया गया।

जिसका शुभारंभ करते हुए साध्वी उदितयशा जी ने भक्तांबर जप के महत्व और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साध्वी भव्य यशाजी एवं साध्वी शिक्षा प्रभाजी ने भक्तामर स्त्रोत रचियता आचार्य मांगतुंग पर भावपूर्ण गीतिका के द्वारा सभी साधकों को तम्मुत्ति तन्मय बना दिया। साध्वी भव्य यशाजी ने साधकों को नमस्कार महामंत्र से सुदृढ़ कवच बनाने की विधि बताई।

साध्वी संगीतप्रभाजी ने भक्तामर स्त्रोत जप का अनुष्ठान पूरे ही तन्मयता से करवाया। साध्वी उदितयशाजी ने शास्त्रों तथा गुरु गम्य ज्ञान के आधार पर मंत्र विधि के कई रहस्य प्रकट किये। उन्होंने रोचक तरीके से बताया कि किस तरह 8 स्वर मिलकर के एक मंत्र की रचना होती हैं। नेहरू नगर श्रावक समाज की ओर से जसवंतराज गादिया ने साध्वी वृन्द के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, रजत बैद, मनीष भंसाली, राकेश चौरड़िया, प्रतीक जोगड़, संस्कारक विक्रम दूगड़ एवं महिला मंडल कार्यक्रम संयोजक नीता गादिया एवं 25 संजोड़ों सहित कुल 110 के लगभग साधकों की उपस्थिती रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विश्व चेतना कल्चरल ट्रस्ट द्वारा हंपी नगर स्थित ग्रंथालय में आयोजित राज्य स्तरीय नृत्य स्पर्धा कार्यक्रम में बाल प्रतिभाओं का मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने उत्साह वर्धन किया।*

केएसआरटीसी कुशल, पर्यावरण अनुकूल अंतर-शहरी यात्रा के लिए 300 इलेक्ट्रिक बसें चलाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थायी सार्वजनिक परिवहन के उद्देश्य से एक प्रमुख कदम उठाते हुए, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने पूरे राज्य में 300 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना की घोषणा की है। केएसआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, यह पहल, पट्टे की व्यवस्था का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अंतर-शहरी परिवहन प्रणाली की दक्षता और पर्यावरण अनुकूलता को बढ़ाना है। केएसआरटीसी ने इन बसों के लिए एक निविदा जारी की है, जो 12 साल की अवधि में सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत संचालित होंगी। 300 इलेक्ट्रिक बसों में से 205 12-मीटर गैर-वातानुकूलित अंतर-शहरी मॉडल होंगी, जिनमें बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त, 75 डीलक्स अंतर-शहरी बसें, जो एयर कंडीशनिंग और रिक्लाइनिंग सीटों से सुसज्जित होंगी, शुरू की जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि शेष 20 गैर-वातानुकूलित शहरी बसें होंगी, जिनमें बैठने की व्यवस्था होगी। केएसआरटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन बसों का उपयोग बेंगलूरु और मेंगलूरु तथा मैसूरु जैसे अन्य शहरों से अंतर-शहर मार्गों पर किया जाएगा। जनवरी 2023 में, केएसआरटीसी ने इवी पावर प्लस के नाम से ब्रांडेड इंटरसिटी एसी इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा लॉन्च किया। जीसीसी मॉडल के तहत शामिल की गई ये 50 ई-बसें वर्तमान में बेंगलूरु से मैसूरु, मदिकेरी, विराजपेट, शिवमोग्गा, दावणगेरे और चिकमगलूरु सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए रूट पर सेवा दे रही हैं। फेम 2 पहल के तहत, केएसआरटीसी एक निजी ऑपरेटर के साथ सहयोग करता है जो एक दशक तक बस संचालन का प्रबंधन करता है। केएसआरटीसी परिचालन लागत के लिए निजी ऑपरेटर को 55 प्रति किलोमीटर की दर से मुआवजा देता है। इवी पावर प्लस की तरह, इन 300 इलेक्ट्रिक बसों को भी लीज मॉडल के तहत शामिल किया जाएगा जिसमें केएसआरटीसी कंडक्टर उपलब्ध कराएगा जबकि एक निजी फर्म ड्राइवरों की भर्ती, बस संचालन, रखरखाव और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना को संभालेगी। फर्म को भुगतान प्रति किलोमीटर की दर से किया जाएगा। केएसआरटीसी द्वारा निर्धारित परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार प्रत्येक बस को प्रतिदिन 250 किलोमीटर की दूरी तय करनी चाहिए और एक बार चार्ज करने पर कम से कम 180 किलोमीटर की दूरी तय करनी चाहिए। अधिकारी ने कहा हमारे द्वारा उठाए गए इस रणनीतिक कदम से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आने और इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल करके कर्नाटक में हरित यात्रा विकल्पों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हाल ही में, केएसआरटीसी ने अपने बेड़े में नई ऐरावत क्लब क्लास और ऐरावत स्लीपर बसें जोड़ने के लिए एक निविदा जारी की थी, जिसका उद्देश्य लंबी दूरी के यात्रियों के आराम को बढ़ाना है। यह कदम ऐरावत लाइनअप में लगभग पांच साल तक कोई नई बस नहीं जोड़े जाने के बाद उठाया गया है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी की प्रतिक्रिया में तेजी लाएं बैंक

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने सभी बैंकों को ऑनलाइन मनी धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस विभाग को लेनदेन डेटा तुरंत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि जांच में तेजी लाई जा सके और अपराधियों को तुरंत पकड़ा जा सके।

अग्रवाल ने आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत बैंक अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई, जिसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों के दौरान लेनदेन के विवरण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसमें कभी-कभी देरी हो जाती है। उन्होंने बैंक अधिकारियों से इस मुद्दे को प्राथमिकता देने का आग्रह किया, धोखाधड़ी करने वालों के खातों को ब्लॉक करने में समय पर सूचना की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अग्रवाल ने कहा ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में, पुलिस के लिए धोखाधड़ी करने वालों के खातों को तेजी से ब्लॉक करना अनिवार्य है।

वाल्मीकि निगम की अवैधता के आरोपी विधायक बसनगौड़ा दद्दल फरार

ईडी ने तलाश की तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अवैध धन हस्तांतरण घोटाले में आरोपी विधायक बसन गौड़ा दद्दल के बारे में कहा जाता है कि वे पश्चिम बंगाल या हैदराबाद भाग गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फरार दद्दल का पता लगाने के लिए जाल बिछा दिया है। निगम के धन के अवैध हस्तांतरण के मामले में बसनगौड़ा दद्दल शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश हुए। एसआईटी अधिकारियों ने सोमवार को दोबारा पूछताछ के लिए आने का निर्देश दिया था। फिर वह गायब हो गए।

ईडी के अधिकारियों ने उनके विधानसभा क्षेत्र और बेंगलूरु के येलहंका में उनके आवास और कार्यालय की तलाशी ली, लेकिन वह नहीं मिले। ऐसा संदेह है कि वह हैदराबाद गए और वहां से वह पश्चिम बंगाल चए गए। ईडी उन्हें गिरफ्तार करने के लिए इसी रास्ते पर चल रही है। मंगलवार और बुधवार को ईडी के अधिकारियों ने दद्दल के यलहंका और रायचूर स्थित आवास पर छापेमारी की और कई महत्व-पूर्ण दस्तावेज जब्त किये। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रुपये के घोटाले के सिलसिले में शनिवार को एक विशेष अदालत ने पूर्व राज्य मंत्री बी. नागेंद्र को 18 जुलाई तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया था। जब उन्हें विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट के समक्ष पेश किया गया, तो नागेंद्र ने कहा कि उन्हें कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, जिसके बाद न्यायाधीश ने ईडी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूछताछ के दौरान उन्हें 30 मिनट का आराम दें और हर दिन उनकी मेडिकल जांच करें। ईडी के अधिकारियों ने 40 घंटे की छापेमारी के बाद शुक्रवार को नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मामला केवल नागेंद्र की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहेगा क्योंकि इसमें बड़े लोग शामिल हैं और उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। शुक्रवार को ईडी द्वारा पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बी. नागेंद्र को हिरासत में लेना अनावश्यक था क्योंकि एसआईटी पहले से ही मामले की जांच कर रही है। सीबीआई भी मामले की जांच कर रही है। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने घोटाले के सिलसिले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, बोर्ड के अधिकारी, बिचौलिए और नागेंद्र तथा केएमवीएसटीडीसी के चेयरमैन और कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दल के सहयोगी शामिल हैं। बोर्ड के एक वरिष्ठ कर्मचारी चंद्रशेखरन द्वारा यह कदम उठाए जाने के बाद कथित अनियमितताएं सामने आईं। मौत के नोट में चंद्रशेखरन ने एक मंत्री की भूमिका और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए बड़ी धनराशि के अवैध हस्तांतरण का उल्लेख किया है।

सरकार ने सामान्य स्थानांतरण से पहले

68 प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा एवं सा-क्षरता विभाग ने 68 सरकारी प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों को विभिन्न विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर भेजा और हाल ही में इस आशय का आदेश जारी किया। यह तब हुआ है जब प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के वार्षिक सामान्य स्थानांतरण के लिए काउंसलिंग 19 जुलाई से शुरू होने वाली है। काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने से पहले इतने सारे शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति ने कई शिक्षकों की नाराजगी को जन्म दिया है। विपक्षी भाजपा और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के एमएलसी ने आगामी विधानमंडल सत्र में इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया है। प्रतिनियुक्ति पर तैनात किए गए 68 शिक्षकों में से 48 महिलाएं हैं। प्रतिनियुक्ति के लाभार्थियों में से कई को शिवमोग्गा जिले में तैनात किया गया है, जो प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा का गृह जिला है। यह अवैध नहीं हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से अनैतिक है। इस साल सामान्य तबादलों के दौरान तबादला होने की उम्मीद कर रहे एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक ने कहा यह कर्नाटक राज्य सिविल सेवा (शिक्षकों के तबादले का विनियमन) अधिनियम, 2007 की भावना को प्रभावी रूप से खत्म कर देता है। इससे पहले, गंभीर बीमारियों जैसे दुर्लभ मामलों में शिक्षकों के लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और सार्वजनिक निर्देश के उप निदेशक स्तर पर प्रतिनियुक्ति की जाती थी। मुख्यमंत्री के विवेक के अनुसार कुछ तबादले या प्रतिनियुक्ति भी की जाती थी। हालांकि, यह पहली बार है जब विभाग के प्रधान सचिव के कार्यालय द्वारा 68 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। हालांकि, राज्य सरकार के सूत्रों ने प्रतिनियुक्ति का बचाव करते हुए तर्क दिया कि केवल गंभीर समस्याओं वाले शिक्षकों को मानवीय आधार पर प्रतिनियुक्त किया गया है। हालांकि, कई शिक्षकों का तर्क है कि सामान्य स्थानांतरण दिशानिर्देशों में भी यही विचार शामिल हैं और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से ऐसा किया जा सकता था। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जेडी(एस) एमएलसी एसएल भोजे गौड़ा ने कहा कि वह आगामी सत्र के दौरान परिषद में इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा भले ही शिक्षक को अभी प्रतिनियुक्त किया गया हो, लेकिन काउंसलिंग के दौरान पद को रिक्त दिखाया जाना चाहिए। यदि उस पद के लिए कोई अन्य शिक्षक चुना जाता है, तो प्रतिनियुक्त शिक्षक को अपने मूल स्थान पर वापस जाना चाहिए। हालांकि, हम नहीं जानते कि शिक्षकों के स्थानांतरण काउंसलिंग के लिए कुछ ही दिन शेष होने पर यह प्रतिनियुक्ति किस आधार पर की गई।

तुकाराम के मन में समाज के प्रति सम्मान है तो तुरंत अपने पद से दें इस्तीफा : बंगारू हनुमंतु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु ने रविवार को कहा कि अगर सांसद ई. तुकाराम के मन में समाज के प्रति सम्मान और चिंता है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर तुकाराम ने इस्तीफा नहीं दिया, तो एसटी मोर्चा और समाज की ओर से लगातार संघर्ष किया जाएगा।

वाल्मीकि निगम के घोटाले से निकाली गई लगभग 30 से 40 करोड़ की धनराशि का उपयोग बेल्लारी लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आयी। उन्होंने यह भी आलोचना की कि अवैध रूप से वाल्मीकि निगम के पैसे का गबन किया गया और इसका इस्तेमाल चुनाव के लिए किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ई. तुकाराम ने घरों में पैसे बांटे और चुनाव पर 50 से 60 करोड़ रुपये खर्च किये।

मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों को जिताने के लिए संबंधित जिलों के मंत्रियों को टास्क दिया था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मंत्री नागेंद्र ने उस कार्य के तहत निगम के पैसे का उपयोग चुनाव में किया था। उन्होंने घो-षणा की कि एसटी मोर्चा इस अवैधता को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत करेगा। निगम के अध्यक्ष बसवराज दद्दल झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। अब उन्होंने एसआईटी के सामने सरेंडर कर दिया है।

हालांकि सिद्धरामैया, डीके शिवकुमार ने दद्दल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। उन्होंने इस्तीफा इसलिए स्वीकार नहीं किया क्योंकि इससे पार्टी को शर्मिंदगी होती। उन्होंने उन्हें भ्रष्ट बताते हुए आलोचना करते हुए कहा कि दद्दल के परिवार ने करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति खरीदी है। उन्होंने मांग की कि दद्दल को न सिर्फ इस्तीफा देना चाहिए, बल्कि मुख्यमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए।

आज से विधानमंडल सत्र होगा शुरू, भाषण के लिए मंच तैयार

कई ज्वलंत मुद्दों पर होगी चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र सोमवार से 26 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। कावेरी नदी जल बंटवारा संकट, गारंटी योजना के कार्यान्वयन में देरी, वाल्मीकि विकास निगम का अवैध धन हस्तांतरण, मुडा घोटाला और कई अन्य ज्वलंत मुद्दे दोनों सदनों में गूंजेंगे।

यह सत्र सत्तारूढ़ कांग्रेस और प्रतिद्वंद्वी दलों भाजपा और जेडीएस के बीच वाकयुद्ध का मंच होगा। भाजपा पहले से ही अवैध धन हस्तांतरण और वाल्मीकि विकास निगम और मुडा घोटाले का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि विकास को प्राथमिकता नहीं दी गई है। संभावना है कि विधानसभा और विधान परिषद के सत्र में मुख्य रूप से बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा जारी करने में देरी, पिछले साल के सूखे का मुआवजा देने में देरी, डेंगू की बीमारी का बढ़ना, दूध में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे उठाये जायेंगे। विपक्ष के हथियारों का मुकाबला करने के लिए सत्ता पक्ष भी जवाबी कदम उठाने को तैयार है। भाजपा का लक्ष्य सत्तारूढ़ काल की खामियों और त्रुटियों को सामने लाकर विपक्ष को शर्मिंदा करना है। सत्र के पहले दिन उन गणमान्य व्यक्तियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की जाएगी जिनका हाल ही में निधन हो गया। इसके बाद आधिकारिक गतिविधियां शुरू होंगी। संभावना है कि मंगलवार से सत्र में विस्तृत चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव में गठबंधन करने वाली भाजपा और जेडीएस ने सत्र में भी साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। मुडा घोटाला, वाल्मीकि कॉरपोरेशन घोटाला, ट्रांसफर रैकेट, अनुसूचित जाति-जनजाति फंड की हेराफेरी, किसान आत्महत्या मामले आदि कई मुद्दों को सदन में प्राथमिकता से उठाने की तैयारी है। विपक्ष सूखे की समस्या, अनियमित बारिश, डेंगू से मौत, कानून व्यवस्था, दूध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि देने में देरी समेत दर्जनों मुद्दे उठाकर सरकार को चुनौती देने की तैयारी में है। ऐसे में इस मानसून सत्र में कई अहम मुद्दों पर रोशनी पड़ने की उम्मीद है। 9 दिवसीय विधायी सत्र प्रशासन और प्रत्येक पक्ष के बीच बातचीत का एक मंच होगा।

बारिश का कहर, तटीय और पहाड़ी इलाकों में रेड अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय, मालेनाडु, उत्तर कन्नड़, उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में वरुण का कहर जारी है और इन पांच जिलों में रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला, कुमुता, कड़ता, गेरुसोप्पे, होन्नावारा में भारी बारिश जारी है और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

उडुपी जिले के करकला और कोडागु जिले के बागमंडल में शनिवार को एक ही दिन में 13 सेमी बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी और तटीय इलाकों की सभी सड़कों पर पानी भर गया है, खेतों और फसलों को नुकसान हुआ है। झीलें और नाले उफान पर हैं, निचले इलाकों में पानी घुस गया है और कई जगहों पर लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है।

कावेरी बेसिन में बारिश के कारण, काबिनी, हेमावती, हरंगी, कृष्णराजसागर जलाशयों में प्रवाह की मात्रा अधिकतर अधिक है। अट्टा शिमोगा और मालेनाडु क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण तुंगा और भद्रा जलाशयों में पानी के प्रवाह की मात्रा भी बढ़ गई है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर बेलगावी जिले में अगले तीन दिनों के लिए एलो अलर्ट घोषित किया गया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान की पृष्ठभूमि में शनिवार को धारवाड़ जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट और यादगिर, हावेरी, विजयपुरा, रायचूर, बागलकोट जिलों में येलो अलर्ट की घोषणा की गई है।

शनिवार को बेल्लारी, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, विजयनगर जिलों के लिए येलो अलर्ट की घोषणा की गई है। उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में पहले से ही लगातार बारिश हो रही है और आगे भी बारिश की संभावना है।

सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन ने नदी बेसिन के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। तट के किनारे मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। अगले 48 घंटों तक बेंगलूरु शहर और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होगी।

फाइनेंस कंपनी को लूटने के प्रयास में तीन गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बाजपे पुलिस ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और आरोपियों से 15 लाख रुपये का कीमती सामान जब्त किया है। इन लोगों ने कथित तौर पर बुर्का पहना था, एक फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली महिला पर तेजाब डाला और सोने के गहने लूटने का प्रयास किया। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान बाजपे शांतिगुड्डे निवासी प्रीतेश उर्फ प्रीतू (31), सूरतकल कोडिकेरे निवासी धनराज उर्फ धनु (30) और बाला कुंभलकेरे निवासी कुसुमाकर उर्फ अन्नू (37) के रूप में हुई है। तीनों ने 4 जुलाई की शाम को बाजपे शहर के बीचों-बीच स्थित बाजपे फाइनेंस के कार्यालय में बुर्का पहनकर प्रवेश किया और सोने के गहने लूटने का प्रयास किया। इसके बाद बाजपे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। प्रीतेश के खिलाफ सूरतकल पुलिस स्टेशन में दो और बाजपे पुलिस स्टेशन में एक चोरी का मामला दर्ज है। धनराज पर करकला ग्रामीण पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास के दो और मूडबिद्री पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज है, जबकि कुसुमाकर पर सूरतकल पुलिस स्टेशन में चोरी के दो और बाजपे पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज है। पुलिस ने एक इनोवा कार, एक स्विफ्ट कार और एक स्कूटर जब्त किया है, जिनकी कीमत 15 लाख है।

वाल्मीकि निगम के पैसे से चुने गये सांसद को पद से अयोग्य घोषित किया जाए: पी. राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि भाजपा की मांग है कि वाल्मीकि निगम के पैसे से सांसद चुने गये ई. तुकाराम को सांसद पद से अयोग्य घोषित किया जाए। पार्टी के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में रविवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में चुनाव आयोग के समक्ष याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि अवैध धन से चुने गये इन सांसदों का संसद के अंदर संविधान की प्रति लेकर शपथ लेना नैतिक नहीं है। तुकाराम एक क्षण के लिए भी संसद के अंदर बैठने का नैतिक मूल्य खो चुके हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके पास यह योग्यता नहीं है और वह इसे मीडिया के जरिए लोगों के सामने लाएंगे। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले में शामिल नागेंद्र को ईडी ने गिरफ्तार किया गया है, जो अवैधता में शामिल है। अनुसूचित जाति के विकास के लिए आवंटित राशि का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने रिमांड याचिका में बताया कि चुनाव में भी 20 करोड़ 19 लाख रुपये का दुरुपयोग किया गया। लोकसभा चुनाव के लिए नागेंद्र द्वारा एसटी निगम के पैसे का उपयोग करने का क्या कारण है? कांग्रेस प्रत्याशी रहे तुकाराम नागेंद्र के रिश्तेदार भी नहीं हैं। नागेंद्र के भाई, परिवार और बच्चों ने चुनाव नहीं लड़ा। हालांकि, पी. राजीव ने सवाल किया कि क्या नागेंद्र ने केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सहमति और मिलीभगत के बिना लोकसभा चुनाव के लिए 20.19 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया था। उन्होंने मांग की कि चुनाव में हुई गड़बड़ी की और गहराई से जांच करायी जाए। उन्होंने चुनाव में गरीबों के पैसे का इस्तेमाल कर जो भी सांसद चुना गया, उसका चुनाव रद्द करने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने सत्र पूर्व बैठक की

मंत्रियों और अधिकारियों को तैयार होकर आने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को सोमवार से शुरू होने वाले नौ दिवसीय विधानसभा सत्र के लिए तैयार होकर आने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र से पहले प्रमुख अधिकारियों के साथ सत्र पूर्व बैठक की, जिसमें उन्होंने विभागीय मुद्दों को संबोधित करने और व्यक्तिगत रूप से सत्र में भाग लेने के लिए मंत्रियों के अच्छी तरह से तैयार होने के महत्व पर जोर दिया। कृष्णा गृह कार्यालय में बैठक के दौरान, सिद्धरामैया ने विभाग के सचिवों से संभावित चर्चा विषयों पर विवरण एकत्र किए और उन्हें प्रासंगिक सहायक डेटा संकलित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी सचिवों और विभागाध्यक्षों को सत्र में बिना चूके भाग लेना चाहिए और चर्चा के दौरान जवाब देने में मंत्रियों की सहायता करनी चाहिए।

महर्षि वाल्मिकी कॉपरेशन घोटाले के बाद कर्नाटक वक्फ बोर्ड में भी धांधली का खुलासा

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में इन दिनों महर्षि वाल्मिकी कॉपरेशन में हुआ 187 करोड़ रुपये का कथित घोटाला सुर्खियों में बना हुआ है। इस बीच राज्य के वक्फ बोर्ड में भी कथित धांधली के आरोप लगे हैं। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत बोर्ड के पूर्व सीईओ के खिलाफ दर्ज हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हैं।

कर्नाटक वक्फ बोर्ड के मौजूदा सीईओ मीर अहमद अब्बास ने पूर्व सीईओ जुल्फीकारुल्ला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए चार करोड़ रुपये के फंड की धांधली का आरोप लगाया है। शिकायत पर पूर्व सीईओ पर बोर्ड को आठ करोड़ रुपये का नुकसान करने का आरोप लगाया गया है। बंगलूरू के ग्राउंड पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में कहा गया है कि राज्य सरकार ने गुलबर्गा दरगाह से जुड़ी वक्फ बोर्ड की जमीन ली थी, इसके एवज में 2.29 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

साथ ही वक्फ बोर्ड को इसके बदले में कर्नाटक सरकार के धार्मिक न्यास विभाग से 1.79 करोड़ रुपये भी मिले थे। इस तरह इंडियन बैंक की बेन्सन टाउन शाखा में चार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जमा की गई। 26 नवंबर 2016 को ये रकम विजया बैंक में तत्कालीन सीईओ जुल्फीकारुल्ला के बैंक खाते में ट्रांसफर की गई।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि तत्कालीन सीईओ ने इस रकम की जानकारी वक्फ बोर्ड को नहीं दी थी, जिससे इस रकम पर लगने वाले ब्याज और निवेश की रकम सहित वक्फ बोर्ड को कुल आठ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि इस मामले में आरोपी पूर्व सीईओ से जवाब मांगा गया था, लेकिन पूर्व सीईओ इस बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जिसके बाद वक्फ बोर्ड ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया।

बीजेपी के मंत्री बोले-

पुल गिरने के मामले में नहीं बचेंगे दोषी, उनसे वसूली जाएगी पाई-पाई

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में पुल गिरने के मामलों पर विपक्षी दलों के पलटवार को लेकर राज्य सरकार में मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता का एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को खुद देख रही है और मामले को गंभीरता से ले रही है। जो पुल गिरे हैं, वे पुराने पुल थे। फिर भी अगर कोई भी इंजीनियर और ठेकेदार दोषी पाया गया तो उनपर कार्रवाई की जाएगी और रकम की वसूली की जाएगी।

अलग-अलग जिलों में पुल गिरने के मामलों पर विपक्षी दलों के हमले को लेकर बिहार सरकार में मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में दोषी कोई भी हो चाहे इंजीनियर या फिर ठेकेदार किसी की नहीं छोड़ा जाएगा। पंचायत राज विभाग के मंत्री और बीजेपी नेता केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार में अब तक जो भी पुल गिरे हैं, उनमें ज्यादातर पुल पुराने हैं और कई दशक पुराने हैं। उन्होंने कहा कि कुछ निर्माणाधीन पुल गिरे हैं। बिहार की सरकार इस मामले में बेहद गंभीर है और मामले में जांच करवा रही है। जांच के बाद जो भी दोषी होगा, उसको बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही इस ला-परवाही में जो भी ठेकेदार दोषी होगा, उससे खर्च की वसूली कर भरपाई करवाई जाएगी। सरकार लापरवाही मामले में किसी को भी छोड़ने नहीं जा रही है।

बेगूसराय में नदी में स्नान करते वक्त चार छात्राएं डूबीं, तीन लड़कियां बचाई गईं, एक की मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में बलान नदी में स्नान करने के दौरान चार छात्राएं डूब गईं। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने तीन छात्राओं को किसी तरह पानी से बाहर निकाल कर बचा लिया गया। जबकि एक छात्रा की नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। छात्रा की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के खिदिरचक बलान नदी की है। मृत छात्रा की पहचान खिदिरचक गांव निवासी रंजीत पासवान की बेटी लक्ष्मी कुमारी के रूप में की गई है।परिजनों ने बताया कि घर से चार छात्राएं बलान नदी में स्नान करने के लिए गई थीं। स्नान करने के दौरान चारों छात्राएं गहरे पानी में चली गईं, जिससे चारों डूबने लगीं। एक छात्रा पहले किसी तरह तैरकर बाहर निकली और चिल्लाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि सभी छात्राएं डूब रही हैं। आनन-फानन में लोगों ने बलान नदी में कूदकर डूब रही तीन छात्राओं को किसी तरह पानी से निकालकर उनकी जान बचाई। जबकि एक छात्रा लक्ष्मी कुमारी को नहीं बचाया जा सका, जिससे बलान नदी में डूबकर उसकी मौत हो गई। हालांकि काफी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने लक्ष्मी के शव को बलान नदी के पानी से बरामद कर लिया।

वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि अधिक बारिश होने के कारण बलान नदी में ज्यादा पानी हो गया है, जिसके कारण से यह हादसा हुआ है। लोगों ने यह भी बताया कि यह बलान नदी खतरनाक है। इस जगह कई लोगों की इससे पहले भी डूबने से मौत हो चुकी है। फिलहाल इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तेघड़ा थाना पुलिस को दी। मौके पर तेघड़ा थाना पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। उसके बाद आगे की कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार जान गंवाने वाली छात्रा कक्षा छह में पढ़ाई करती थी।

बसपा अध्यक्ष आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

चेन्नई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या मामले में नया पहलू सामने आया है। हत्या में शामिल एक आरोपी कल देर शाम चेन्नई में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि तिरुवेंगदम को आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद करने के लिए घटनास्थल पर ले जाया गया था। तभी उसने बरामद बंदूक से पुलिस अधिकारियों पर गोली चलानी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

सूत्रों का कहना है, पुलिस की जवाबी गोलीबारी में आरोपी घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा, 'आरोपी ने सरेंडर कर दिया था। मगर फिर भी वह आज मुठभेड़ में मारा गया। उसकी हत्या क्यों कर दी गई? इससे आर्मस्ट्रॉन्ग मर्डर केस में संदेह पैदा होता है। आर्मस्ट्रॉन्ग का परिवार भी संदेह उठा रहा है।'

इस हत्या की वारदात के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर ने बताया था कि बसपा नेता आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार शाम सवा सात बजे उस समय हत्या कर दी गई, जब वह यहां पेरंबूर में बन रहे अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान इस हमले में उनके साथ मौजूद चार लोग भी घायल हो गए। पुलिस कमिश्नर ने कहा था कि आर्मस्ट्रॉन्ग को उनके समर्थकों ने स्थानीय अस्पताल पहुंचाया था और बाद में वहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस को संदेह है कि पिछले साल गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की हत्या से यह मामला जुड़ा हो

सकता है। हो सकता है कि सुरेश की हत्या का बदला लेने के लिए आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या की गई हो। उत्तरी चेन्नई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) असरा गर्ग ने बताया था, 'हम पूछताछ कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि पूर्व में की गई हत्या के कारण यह हत्या की गई है। हमने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने सात खून से सने हथियार, एक जोमैटो टी-शर्ट, एक जोमैटो बैग और तीन बाइक जब्त की हैं, जिनका अपराध करने में इस्तेमाल किया गया था।'

एसीपी गर्ग ने कहा था, 'चेन्नई पुलिस द्वारा गठित विशेष टीमों ने तीन और संदिग्धों को पकड़ा है। अब तक की जांच से पता चलता है कि अगस्त 2023 में आर्कोट सुरेश की एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। सुरेश के परिवार और सहयोगियों का मानना है कि यह आर्मस्ट्रॉन्ग के निर्देश पर या उनके द्वारा रची साजिश के तहत किया गया था। आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या आर्कोट सुरेश के सहयोगियों ने की थी। इस पूरे मामले में सुरेश का भाई भी शामिल था, जिन्हें हमने गिरफ्तार कर लिया है। चेन्नई पुलिस ने मामले की व्यापक जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया है।'

इससे पहले शनिवार को ग्रेटर चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर ने बसपा नेता की हत्या के मामले में किसी भी राजनीतिक पहलू से इनकार किया था।

इस हत्या की वारदात के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर ने बताया था कि बसपा नेता आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार शाम सवा सात बजे उस समय हत्या कर दी गई, जब वह यहां पेरंबूर में बन रहे अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान इस हमले में उनके साथ मौजूद चार लोग भी घायल हो गए। पुलिस कमिश्नर ने कहा था कि आर्मस्ट्रॉन्ग को उनके समर्थकों ने स्थानीय अस्पताल पहुंचाया था और बाद में वहां उनकी मौत हो गई।

वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असली अपराधी नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से पीड़िता को न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया था।

पूर्णिया में जमीन विवाद को लेकर जघन्य अपराध

बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर की बुजुंग मां की हत्या

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में जमीन को लेकर बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर मां की हत्या कर दी। आरोपी ने लोहे के हथौड़े से मां के सिर पर हमला किया, जिससे बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मां को बचाने गए छोटे बेटे और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पूर्णिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद से आरोपी बेटा घर छोड़कर फरार है।

इधर, घटना की सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। उसके बाद आरोपी की धर-पकड़ में जुट गई। यह घटना धमदाहा थाना क्षेत्र के इटहरी गांव की है।

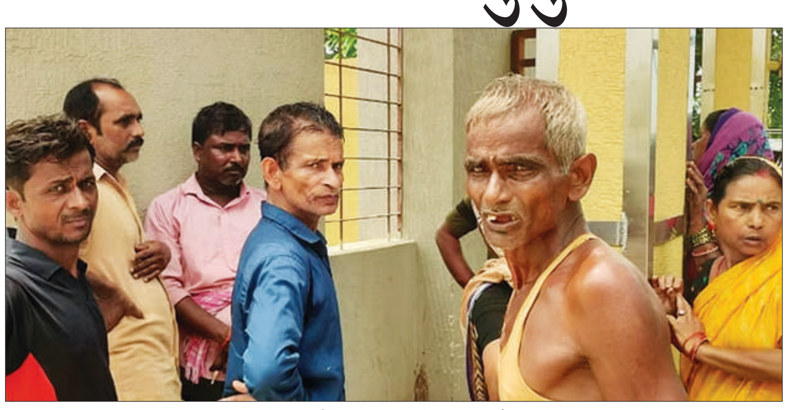

मृतका की पहचान इटहरी गांव निवासी परमानंद भगत की पत्नी ललिता देवी (70) के रूप में की गई। वहीं, घायलों की पहचान छोटे बेटे आलोक भगत और उसकी पत्नी मधु देवी के तौर पर की गई है।

मृतका के पति परमानंद भगत ने बताया कि गांव में ही उन्होंने दो बेटों के लिए दो मंजिला मकान बना रखा है। इसे उन्होंने दोनों बेटों में बराबर बांट दिया है। गांव की ढाई एकड़ जमीन उन्होंने अपने पास रखी है। इसका बंटवारा नहीं किया। इसी जमीन को लेकर अकसर घर का बड़ा बेटा कृष्ण जायसवाल और उसकी पत्नी उनसे झगड़ते हैं। एक महीने पहले भी इसी को लेकर घर में झगड़ा हुआ था। उसके बाद बड़ा बेटा और बहू कुछ दिनों के लिए सस-ुराल चले गए थे। कुछ दिन रहकर दोनों वापस लौट आए।

उन्होंने बताया कि आज सुबह मैं चाय पीने घर से गांव में निकला था। घर लौटने पर लोगों की भीड़ देखी। अंदर जाने पर पत्नी की खून से लथपथ लाश दिखी। सिर पर हथौड़े से हमले के निशान थे। कुछ ही दूरी पर छोटा बेटा और बहू दोनों जमीन पर खून से सने पड़े थे। दोनों ने धीमी आवाज में बताया कि बड़े भाई कृष्ण जायसवाल और उसकी पत्नी ने मां को हथौड़े से मार डाला। दोनों बचाने गए तो उनपर भी हथौड़े से हमला कर दिया।

बागमती का जलस्तर बढ़ने पर कई पंचायतों का संपर्क टूटा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में रविवार को हुई बारिश और नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बरसात से एक बार फिर बागमती नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है।

बागमती का जलस्तर बढ़ने से निचले हिस्से में बाढ़ का असर देखा जा रहा है। इसकी वजह से कटरा प्रखंड में बकुची में पीपा पुल पर वाहनों का परिचालन बंद हो गया है। लोग जान जोखिम में लेकर अभी भी आवाजाही कर रहे हैं।

स्थानीय किसानों, मजदूरों और व्यवसायियों में बाढ़ को लेकर दहशत की स्थिति बनी हुई है। यही नहीं बल्कि कटरा के बकुची डिग्री कालेज में भी पानी घुस गया है। इसके साथ ही स्कूल में भी पानी घुस जाने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है।

नालंदा में नारियल गोदाम में लगी भीषण आग, करीब 45 लाख की संपत्ति का नुकसान

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के साठोपुर मोहल्ला स्थित विकास ट्रेडर्स नामक नारियल और मूंगफली के गोदाम में शनिवार की रात अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे के कारण गोदाम में रखा करीब 45 लाख रुपये मूल्य का सूखा नारियल, मूंगफली और बादाम जलकर राख हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि दूर से ही इसका विकराल रूप दिख रहा था।

पीड़ित विकास ट्रेडर्स के संचालक विकास कुमार ने बताया कि शनिवार की देर शाम वह गोदाम बंद कर घर चले गए थे। रात के करीब 12 बजे के आसपास स्थानीय लोगों ने गोदाम से आग की लपटें और धुंआ निकलता हुआ देखा।

आग लगने की सूचना उन्हें स्थानीय लोगों से पता चली। फिर आनन-फानन में वह अपने भाई शशिभूषण कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गोदाम पर पहुंचे। फिर अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी गई।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों द्वारा करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोदाम में लगी आग पर काबू पाया गया।

हालांकि तब तक गोदाम में रखा नारियल और मूंगफली जलकर राख हो चुका था। पीड़ित आशंका व्यक्त कर रहें हैं कि शॉर्ट सर्किट की वजह से गोदाम में आग लगी है, जिसके कारण करीब 45 लाख रुपये का नुकसान हो गया है।

वहीं, इस मामले में दीपनगर थानाध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी गई। फिलहाल पीड़ित क्षति के आंकलन में जुटे हुए हैं। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात बताई जा रही है।

नेशनल हाइवे पर दो गाड़ियों की टक्कर में पांच की मौत, 10 घायल

किशनगंज (एजेंसियां)।

किशनगंज में दर्दनाक सड़क हादसे में आधा दर्जन लोगो की मौत हो गई। घटना जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र की है, जहां राष्ट्रीय उच्च पथ 327 ई पर पेटभरी चौक के समीप तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और डंपर में टक्कर हो गया। इस घटना में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

स्थानीय लोगो के मुताबिक हादसे में चार महिलाओं के साथ-साथ एक मासूम और स्कॉर्पियो चालक की मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पांच लोगो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक मासूम की मौत किशनगंज चत्रळ्व् मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हो गई है। वही पांच मासूम बुरी तरह घायल है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस का कहना है कि मृतक अररिया जिले के जोकिहाट के रहने वाले हैं, जो सिलीगुड़ी की तरफ जा रहे थे।

हादसा के बाद घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और स्कॉर्पियो में फंसे चालक को किसी तरह से बाहर निकाला गया।

घटना के संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अहमद हुसैन ने बताया कि मृतक सभी एक ही परिवार के थे और मासूमों के सर से परिजनों का साया उठ गया है।

घटना के बाद मौके पर एसडीप-ीओ मंगलेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी पहुंचे है और पुलिस के द्वारा अग्रतर कारवाई की जा रही है।

मृतकों की पहचान जोकीहाट थाना क्षेत्र के महादेवा निवासी शाहबुद्दीन के पुत्र स्कॉर्पियो चालक मो.इरशाद (30), अरतिया निवासी अबसर के पुत्र मो. अफ्फान (4), निवासी बागमारा निवासी मो खुर्शेद की पत्नी गुलशन आरा (27), थपकोल निवासी मुजाहिद की पत्नी गुड़िया बेगम (13) और बागमारा निवासी आयान (8 वर्ष) के रूप में की गई है।

रेडियो एक्टिव उपकरण की बरामदगी का मामला

करोड़ों में उपकरण बेचने की हो रही थी डील

देहरादून, 14 जुलाई (एजेंसियां)। देहरादून के राजपुर क्षेत्र में एक फ्लैट में मिले रेडियो एक्टिव उपकरण की जांच के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों पर धाराएं बढ़ा दी हैं। इसके साथ ही पुलिस ने मामले में दो अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामले में पूर्व इनकम टैक्स अधिकारी श्वेताभ सुमन पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है, जो अभी फरार है। आरोपी इन डिवाइस को ऊंचे दामों में बेचकर करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाना चाहते थे। यहां आरोपी आगरा के एक आरोपी से इन डिवाइस का सौदा कर रहे थे।

▪ पांच आरोपियों पर लगी गंभीर धाराएं, दो और पकड़े गए

▪ आयकर विभाग का पूर्व अधिकारी फरार, तलाशी जारी

बृहस्पतिवार को राजपुर क्षेत्र में आयकर विभाग के एक पूर्व अधिकारी के आवास पर रेडियो एक्टिव मेटेरियल उपकरण की खरीद-फरोख्त की डील चल रही थी। सूचना पर पुलिस ने फ्लैट से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस पर निर्माता का नाम बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटॉप टेक्नोलॉजी गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी, बीएआरसी/बीआरआईटी, वाशी कांप्लेक्स सेक्टर 20 वाशी नवी मुंबई लिखा हुआ मिला। यहां मौके पर नरोरा एटॉमिक पावर स्टेशन की टीम और एसडीआरएफ ने भी पहुंचकर जांच की थी। इन डिवाइस को जांच के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर भेजा गया। जहां शनिवार को जांच रिपोर्ट आई। इसमें खुलासा हुआ कि डिवाइस में बिना किसी मापदंड के कैमिकल का उपयोग किया गया है। इसे देखते हुए पुलिस ने आरोपियों पर धाराएं बढ़ा दी हैं।

पुलिस पूछताछ में आरोपी तबरेज आलम ने बताया कि उन्होंने 11 माह पहले सहारनपुर निवासी राशिद उर्फ समीर से रेडियो एक्टिव मेटिरियल डिवाइस पांच लाख रुपये में खरीदा था। ये डिवाइस काफी महंगी है, लेकिन राशिद को पैसों की जरूरत होने के कारण उसने वह सस्ते में बेच दिया था। इसे खरीदने के बाद तबरेज ने उसे अपने फार्म में छिपाकर रख दिया और इसे बेचने की तलाश में लग गया। इसी दौरान दिल्ली में लव मल्होत्रा नाम के व्यक्ति ने उसकी पहचान आगरा निवासी सुमित पाठक से कराई। सुमित डिवाइस खरीदने के लिए तैयार हो गया। इसके बाद उसने तबरेज को इसका सौदा करने के लिए दून में अपने किराए के मकान में बुलाया।

मकान को सुमित ने पूर्व इनकम टैक्स अधिकारी श्वेताभ सुमन से किराये पर लिया था। सुमित ने मकान मालिक श्वेताभ सुमन को इस सौदे के बारे में बताया तो श्वेताभ ने सुमित पाठक को भरोसा दिलाया कि वह काफी प्रभावशाली हैं। उसके घर पुलिस नहीं आ सकती। इसके बाद आरोपी तबरेज अपनी गाड़ी से डिवाइस को लेकर दून आ गया। तबरेज ने इस दौरान अपने और सुमित के परिचित सरवर हुसैन को सौदा करने के लिए बुलाया। सरवर अपने साथ जैद अली और अभिषेक जैन को लेकर दून आ गया। डिवाइस के इस सौदे में इन सभी का हिस्सा होना था। पांच लाख में खरीदे इस डिवाइस को करोड़ों का मुनाफा कमाने की बात थी। पुलिस ने गिरफ्तार किए पांचों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में मौके से सुमित पाठक निवासी बी-8 विजय नगर आगरा, तबरेज आलम निवासी थाना बेहट सहारनपुर, सरवर हुसैन निवासी थाना रनोला नई दिल्ली, जैद अली निवासी थाना जहांगीराबाद भोपाल, अभिषेक जैन थाना करोल भोपाल को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है।

नरेंद्र मोदी हमारे नेता हैं विजनरी लीडर हैं : शिवराज सिंह चौहान

रांची,14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं कोई मंत्री या नेता के रूप में नहीं आया हूं मैं भी आपका कार्यकर्ता हूं, हम यहां परिवार के भाव से बैठे हैं और भाजपा पार्टी नहीं पार्टी से आगे बढ़ाकर एक परिवार है।

झारखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी एवम केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने आज यहां खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मान एवम विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब से मिलकर मेरी अंतरात्मा गदगद, मैं प्रसन्न हूं कि आप जैसे कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने आया हूं। वैसे मैं मंत्री नहीं हूं मैं तो मामा हूं बहनों का भैया हूं। मध्यप्रदेश में हर बहन यह मानती है कि यह मेरा भाई है,और भाई भी सौतेला नहीं सगा भाई।

एक रिश्ता आत्मीयता का एक बंधन स्नेह का, प्रेम का और आज उसी बंधन में आपको बांधने भी आया हूं मामा का मतलब क्या होता है। मामा में हैं दो मां। जो अपने भांजे भांजियों से दो-दो मां के जितना प्यार की वो मामा।

कार्यकर्ता बहनों और भाइयों आइए आज सबसे पहले हम बधाई दें अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को। 64 साल में पहली बार हुआ है। जब कोई राजनेता तीसरी बार लगातार बहुमत प्राप्त कर के प्रधानमंत्री बना हो। 1962 के बाद ये घटना नहीं हुई थी। यह ऐतिहासिक सफलता है। ये काम बड़ी सफलता नहीं है। और इसे सारी दुनिया चमत्कृत है। अभी मोदी जी अलग-अलग देशों में गए। चाहे रूस हो या ऑस्ट्रिया हो केवल मोदी-मोदी की गूंज थी। केवल भारत-भारत की गूंज थी।कांग्रेस को ऐसा लग रहा है कि 99 सीटें प्राप्त कर उनने बड़ा तीर मार लिया हो। राहुल जी को चिंदी मिल गई तो बजाज बन गए। श्री चौहान ने कहा कि हमारी 243 और एनडीए के साथ 293 और जब अध्यक्ष के चुनाव की बारी आई तो पूरा इंडिया ब्लॉक कांग्रेस और उनके साथी मैदान छोड़कर भाग गए। उनको पता था कि बहुत बुरा हारेंगे। क्योंकि लोकसभा में संसद में भारी बहुमत नरेंद्र मोदी को प्राप्त हुआ है। लेकिन एक बात और नरेंद्र मोदी हमारे नेता हैं विजनरी लीडर हैं। एक वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं। लेकिन एक बार ताली बजा दो हमारे बूथ अध्यक्षों के लिए भी।

सर्वोच्च न्यायालय के गुजारा भत्ता फैसले का मुस्लिम महिलाओं ने किया स्वागत

प्रयागराज,14 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के तलाक के बाद 'शौहर से गुजारा भत्ता' पाने के अधिकार के निर्णय का मुस्लिम महिलाओं ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला करार दिया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अधिवक्ता और नामचीन सामाजिक कार्यकर्ता नाजिया नफीस ने 10 जुलाई के उच्चतम न्यायालय का तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को उनके शौहर से गुजारा भत्ता का अधिकार देने के फैसले का स्वागत करते हुए राहत और मानवीय संवेदनाओं वाला बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले से मुस्लिम महिलाओं को उनका वाजिब अधिकार मिलेगा वहीं दूसरी तरफ उनकी इज्जत कमतर आंकने वाले मुस्लिम पुरूषों में एक डर का माहौल बनेगा कि तलाक के बाद महिला न्यायालय का सहारा लेकर उससे भरण-पोषण ले लेगी। इसके अलावा एक फीसदी परिवार टूटने की आशंका में भी कमी आ सकती है।

अधिवक्ता ने रविवार को बातचीत में कहा कि न्यायालय का यह फैसला सराहनीय है लेकिन यह फैसला और पहले आना चाहिए था। उनका कहना है तलाकशुदा महिलाओं की जिम्मेदारी से मां-बाप और भाई-भाभी सभी बचना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में यह फैसला उनके लिए अंधेरे में उजाले की एक किरण बनी है। तलाकशुदा पत्नी का शौहर उसे आसानी से गुजारा भत्ता नहीं देगा जब तक वह दोबारा न्यायालय का सहारा नहीं लेती है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि तलाकशुदा महिलाओं को इतना सम्बल तो मिला है कि अगर वह अदालत का दरवाजा खटखटाएगी तो गुजारा भत्ता शौहर को देना पड़ेगा। उनका कहना है कि महिला और पुरुष दोनों को सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय का स्वागत करना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि इस्लाम में महिलाओं को ऊंचा मुकाम हासिल है। महिलाओं की रजामंदी को महत्ता दी गयी है। निकाह में भी महिला की रजामंदी को तरजीह दी गयी है। पहले महिला का निकाह पढ़ाया जाता है उसके बाद ही पुरुष का निकाह होता है। मौलवी द्वारा महिला का निकाह पढ़ने के बाद तीन बार कबूल बोलने पर ही वह सफल माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस्लाम में तीन तलाक को कभी मान्यता दी ही नहीं गयी। लोग धर्म को अपने हिसाब से परिभाषित कर इस्तेमाल करते हैं। न्यायालय द्वारा तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया गया। न्यायालय के फैसले के बाद केन्द्र सरकार ने 19 सितंबर 2018 कानून बनाते हुए एक साथ 'तलाक-तलाक-तलाक' बोलकर निकाह खत्म करने को अपराध की श्रेणी में लाया। इस अपराध के लिए अधिकतम तीन साल कैद की सजा का प्रावधान बनाया।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के बयान पर उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को समाज में उसका सम्मान मिलने लगे, पुरुष उनको उनका सम्मान और अधिकार दे तो उन्हें कोर्ट- कचहरी जाने की जरूरत क्या है। वह तो मजबूरी में ही अदालत का सहारा लेती है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के इस महत्वपूर्ण फैसले का ऐसी महिलाएं जो खुद रिश्ते में रहना पसंद नहीं करती हैं दुरुपयोग कर पुरुषों को ब्लैकमेल कर सकती हैं।

मुस्लिम बोर्ड गुजारा भत्ते पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का करेगा विरोध

नयी दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को अपने अध्यक्ष को तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अनिवार्य भरण-पोषण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को वापस लेने के उपाय शुरू करने के लिए अधिकृत किया।

बोर्ड ने नयी दिल्ली में राष्ट्रपति हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में अपनी बैठक में निर्णय लिया कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर शीर्ष अदालत का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ था।

एआईएमपीएलबी ने पवित्र कुरान के अनुसार निकाह की निरंतरता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि तलाक के बाद पुरुषों को पूर्व पत्नियों को बनाए रखने के लिए मजबूर करना अव्यावहारिक है। बैठक की कार्रवाई का संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर्रहीम मुजादीदी ने किया और इसमें देश भर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बोर्ड ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ है। बोर्ड ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को चुनौती देने का संकल्प लिया और अपनी कानूनी समिति को एक याचिका दायर करने का निर्देश दिया।

बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे बहु-धार्मिक देश में, धार्मिक संस्थाओं को अपने स्वयं के कानूनों का पालन करने का अधिकार है, जैसे मुसलमानों के लिए शरिया एप्लिकेशन अधिनियम-1937।

बोर्ड ने राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा अतिक्रमण को उजागर करते हुए वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा तथा उचित प्रबंधन की मांग की। बोर्ड ने इसे हाल के चुनाव परिणामों से जोड़ते हुए मुसलमानों और निचली जाति के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की विफलता पर चिंता व्यक्त की। इसने चेतावनी दी कि कानून के शासन की निरंतर उपेक्षा से अराजकता फैल सकती है और भारत की प्रतिष्ठा खराब हो सकती है।

बोर्ड ने ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह से संबंधित नए विवादों पर विचार करने के लिए निचली अदालतों की आलोचना की। इसने सुप्रीम कोर्ट से 'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को बरकरार रखने और विरासत मस्जिदों की रक्षा करने का आग्रह किया, साथ ही उन्हें ध्वस्त करने या बदलने के किसी भी प्रयास के प्रति आगाह भी किया।

जयशंकर व सांगियाम्पोंगसा ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की इच्छा दोहराई

नयी दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड के विदेश मंत्री मारिस सांगियाम्पोंगसा ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने अपने प्रधानमंत्रियों के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत-थाईलैंड में द्विपक्षीय संबंधों की इच्छा दोहराई है।

श्री सांगियाम्पोंगसा भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं। विदेश मंत्री ने 12 जुलाई को श्री सांगियाम्पोंगसा के साथ द्विपक्षीय बैठक की और उनके सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने राजनीतिक आदान-प्रदान, रक्षा और सुरक्षा संबंधों, व्यापार और निवेश के अवसरों, संपर्क, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क को कवर करने वाले साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की।

दोनों मंत्रियों ने आपसी हितों के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग के लिए प्रतिबद्धता दोहराई।दोनों मंत्रियों ने प्रधानमंत्रियों के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत-थाईलैंड साझेदारी को और मजबूत बनाने की पारस्परिक इच्छा की पुष्टि की।

बयान में कहा गया है कि थाईलैंड आसियान में भारत का एक प्रमुख साझेदार है। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति जो 2024 में अपने 10वें वर्ष को चिह्नित करती है, थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति के साथ अभिसरण पाती है। बयान में कहा गया है कि श्री जयशंकर और श्री सांगियाम्पोंगसा के बीच बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने में योगदान दिया है।

श्री सांगियाम्पोंगसा ने नयी दिल्ली में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) दूसरे विदेश मंत्रियों के रिट्रीट में भी भाग लिया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस देंगे रुचि के अनुसार काम करने की क्षमता : अमित शाह

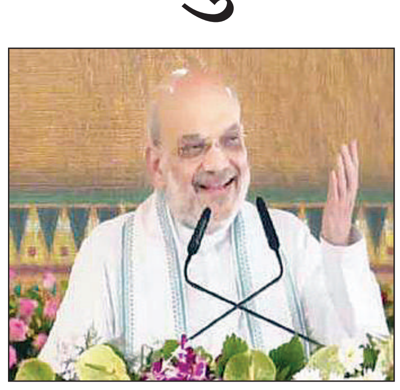

इंदौर,14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर की सभी शक्तियों को बाहर निकाल कर विकसित करना है और प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में अपनी रुचि के अनुसार काम करने की क्षमता देंगे।

श्री शाह ने यहां एक समारोह के माध्यम से राज्य के सभी 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।समारोह को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि आज एक ही दिन में एक ही नगर इंदौर में 11 लाख वृक्ष लगाने का रिकार्ड बनाया गया है। जो विद्यार्थी इस अभियान से छूट गए हैं, वो अपने घर के पास ही एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल करें।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भर में 55 कॉलेजों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस के तौर पर विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सब के लिए एक लक्ष्य रखा है कि 2047 में हमारा लक्ष्य हर क्षेत्र में विश्व भर में प्रथम रहना है। ऐसा भारत शिक्षा की नींव मजबूत किए बिना नहीं बनाया जा सकता।

नई शिक्षा नीति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि ये नीति न केवल भारत के विद्यार्थियों को विश्व भर के विद्यार्थियों से प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों को हमारी प्राचीनतम संस्कृति और भाषाओं के साथ भी जोड़ेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति को जमीन पर उतारा।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उनके उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए वे (श्री शाह स्वयं) एक कार्यक्रम में आए थे और उस दौरान प्रदेश वो पहला राज्य बना, जिसने इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई मातृभाषा में कराना शुरु किया। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस के बारे में श्री शाह ने कहा कि ये सिर्फ नाम बदलने का अभियान नहीं है। इसके 'क्राइटेरिया' तय हैं और राज्य के सभी 55 कॉलेज इसका दर्जा प्राप्त करने योग्य हैं। इन कॉलेजों में 'कंपार्टमेंटल एजुकेशन' नहीं होगा। गृह मंत्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर की सभी शक्तियों को बाहर निकाल कर विकसित करना है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस विभिन्न विषयों में अपनी रुचि के अनुसार काम करने की क्षमता देंगे। इनमें छात्र रोजगार से जुड़े बहुत से डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स कर सकेंगे।उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एक बार नई शिक्षा नीति को जरूर पढ़ें, ये उनका भविष्य संवारने के लिए है। ये 'सिलेबस ऑफ एकेडमिक्स' के साथ 'सिलेबस ऑफ लाइफ' भी सिखाइएगी। 'आउट ऑफ द बॉक्स' सोचने के लिए इसमें बहुत से उपक्रम हैं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी इंटरनेट और 'एआई' की पीढ़ी है, इसलिए नई शिक्षा नीति में प्रैक्टिकल ज्ञान के प्रावधान भी तय किए गए हैं।

पेड़ लगाना आसान, उसे बड़ा करना कठिन, बेटे की तरह करें देखभाल : शाह

इंदौर,14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज देश भर में इन दिनों चल रहे 'एक पेड़, मां के नाम' अभियान के बीच देशवासियों से भावुक अपील करते हुए, कहा कि पेड़ लगाना आसान है, उसे बड़ा करना कठिन है, पेड़ लगा कर आप उसकी बेटे की तरह चिंता करें, वो बड़ा होकर मां की तरह आपकी देखरेख करेगा।

इंदौर में आज एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाए गए। श्री शाह इसी वृहद अभियान में हिस्सा ले रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, राज्य सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर का आह्वान किया था कि ये अभियान चलाया जाए। शुरुआत में किसी को नहीं पता था कि ये नारा ना रहकर जन आंदोलन बन जाएगा। हर व्यक्ति पौधारोपण करते हुए अपनी मां के साथ धरती मां भी को प्रणाम कर रहा है।हालांकि उन्होंने कहा कि वृक्ष बोना आसान है, पर उसे बड़ा करना बहुत कठिन कार्य है। पौधे रोपने वाले लोग बेटे की तरह उसकी चिंता करें, वो बड़ा होकर मां की तरह आपकी चिंता करेगा।उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता, स्वाद, सुशासन, सहयोग और सहभागिता के लिए जाना जाता है। आज से इंदौर इस अभियान के नाम पर भी देश भर में जाना जाएगा। श्री शाह ने कार्यक्रम का विवरण देते हुए कहा कि मंत्री श्री विजयवर्गीय ने हर समाज को इस अभियान से जोड़ा है। ये केवल शासन का कार्यक्रम नहीं है। शासन किसी जनआंदोलन को सफल नहीं कर सकता, उसमें सभी की भूमिका होती है। इस अभियान से पूरे इंदौर, हर जाति और समाज को जोड़ा गया है।

आपदा पीड़ितों के लिए संकटमोचक बने योगी, बचाई गई हजारों की जान

बाढ़ के मद्देनजर 24 जिले अतिसंवेदनशील और 16 जिले संवेदनशील घोषित

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बाढ़ को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पहले से की गई तैयारियों ने जनता को बड़े नुकसान से बचा लिया हे। प्रदेश में मानसून से पहले अतिसंवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में की गई तैयारियां का नतीजा है कि हजारों लोगों की जान बचाने में सरकार को सफलता मिली है। पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 12 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का ही असर रहा कि अफसर भी ग्राउंड जीरो पर दिखाई दिए, वहीं मुख्यमंत्री खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होते रहे। एक तरफ जहां उन्होंने हवाई सर्वे के माध्यम से बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का मुआयना किया तो वहीं नाव से भी प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ने बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत सामग्री किट वितरित की और आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना भी दी। आपदा के दौरान अपनों को खोने वालों के परिजनों को सीएम ने सहायता धनराशि का चेक प्रदान किया। श्रावस्ती के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में 11 लोगों का रेस्क्यू करने वाले 7 लोगों को सीएम ने प्रशस्ति पत्र सौंपा व एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की।

योगी सरकार ने प्रदेश में मानसून के दस्तक देने से पहले ही बाढ़ की तैयारियां शुरू कर दी थीं। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ की दृष्टि से अतिसंवेदनशील 24 और संवेदनशील 16 जिलों में आपदा की स्थिति बनने से पहले ही सारी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई थीं। इसको लेकर सीएम योगी ने जून के दूसरे सप्ताह से ही अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू कर दिया था। इस दौरान सीएम ने राहत कार्यों से जुड़े अधिकारियों को शासन स्तर से लेकर फील्ड में तैनात अधिकारियों को पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग कर राहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सीएम ने राहत कार्यों के दौरान छोटी-छोटी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनीटरिंग करते रहे। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थितियां सामान्य हैं और लोगों को हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर राहत कार्यों को अंजाम दिया। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। इसी के तहत श्रावस्ती में नेपाल में अचानक पानी छोड़े जाने से खेत में काम कर रहे 11 श्रमिकों को देर रात रेस्क्यू ऑपरेशन चला करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित बचाया गया। इसी तरह पीलीभीत में टापू पर फंसे 7 लोगों को एयरफोर्स से समन्वय बनाकर एयरलिफ्ट कर सुरक्षित बचाया गया। इसके अलावा कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 76 लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया। राहत आयुक्त ने बताया कि पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 11962 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। इसके साथ ही 21,239 से अधिक मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 804 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं, जिसमें कुल 1,365 लोग रह रहे हैं। वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 1178 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, जिसके जरिये लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है। इन क्षेत्रों में 914 नाव चलाई जा रही हैं। यही नहीं, आपदा से प्रभावित लोगों को 23,93,41 से अधिक लंच पैकेट और 7,345 से अधिक खाद्यान्न सामग्री की किट भी वितरित की गयी है।

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों के लिए 12 एनडीआरएफ, 9 एसडीआरएफ, 23 पीएसी और 1 एसएसबी को तैनात किया गया है। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी एयरफोर्स एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी से निरंतर समन्वय बना हुआ है। पीलीभीत में 7,433 व्यक्तियों को नाव द्वारा तथा 170 मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। वहीं श्रावस्ती में 213 मवेशियों और 2280 व्यक्तियों का रेस्क्यू किया गया। बाढ़ शरणालयों में रहने वाले प्रत्येक शरणार्थी के लिए पके हुए स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम गठित की गई है। साथ ही पेयजल, औषधियों और ओआरएस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। शरणार्थियों के विश्राम के लिए बिस्तरों की भी व्यवस्था की गई है।

शरणालयों में रात्रि के लिए समुचित प्रकाश व्यवस्था भी की गई है। यहां आने वाले शिशुओं के लिए दूध व पुष्टाहार की भी व्यवस्था की गई है। वहीं महिलाओं के लिये स्वच्छता संबंधी डिग्निटी किट की व्यवस्था की गई है। उनकी प्राइवेसी को भी सुनिश्चित किया गया है। प्रत्येक शरणालय में शरणार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वर्षा व बाढ़ के कारण विषैले जंतुओं की सक्रियता के दृष्टिगत ब्लॉक स्तर पर एंटी वेनम, औषधियों व इंजेक्शनों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पाले जा रहे पशुओं को ऊंचे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है और उनके लिये चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

जौनपुर की बेटी का हिमाचल से अपहरण, बरेली के युवक दिलाई मुक्ति

बरेली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लव जेहाद का शिकार हुई जौनपुर की लड़की बरेली में विहिप कार्यकर्ताओं की मदद से सुरक्षित पुलिस तक पहुंच गई। जिहादी अमन इदरीश ने खुद को हिन्दू बताकर उसे जाल में फंसा लिया था और हिमाचल से बरेली लाकर उसका कन्वर्जन करा दिया था। नाजरीन बनाकर उसे बरेली के मुस्लिम बहुल गांव में बंधक बनाकर रखा गया था, लेकिन पाकर वह नरक से भाग निकली और हिन्दू संगठनों के पास पहुंच गई। पुलिस ने अपहरण, कनवर्जन, रेप के मामले में अमन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि षडयंत्र में शामिल उसके कट्टरपंथी अब्बा इदरीश की तलाश में दबिशें जारी हैं।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित लड़की यूपी में जौनपुर जिले में थाना सरपतहा क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। उसने पुलिस को बताया कि वह भाई के साथ सिरमौर, हिमाचल प्रदेश की एक कंपनी में भाई के साथ काम करती थी। वहीं उसकी मुलाकात अमन नामक युवक से हुई, जो बरेली में थाना बिथरी क्षेत्र के गांव उदयपुर जसरतपुर का निवासी है। अमन ने खुद को हिन्दू बताकर लड़की से मेल-जोल बढ़ाकर लव जेहाद के षडयंत्र का शिकार बना लिया। पीड़िता उसके मंसूबे नहीं भांप सकी और उसके बुने जाल में फंसती चली गई।

अमन ने 16 बरस की लड़की का सिरमौर से बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया और उसे बरेली में अपने मुस्लिम बहुल गांव में ले आया। पूरे षडयंत्र में अमन का पिता इदरीश भी शामिल था। यहां पहुंचते ही इदरीश और अमन ने हिन्दू लड़की का कन्वर्जन करा दिया और शिवानी (परिवर्तित) से उसका नाम बदलकर नाजरीन रख दिया। किशोरी को तरह-तरह से धमकाया गया। कन्वर्जन के बाद अमन उसको जबरन पत्नी की तरह घर में रख रहा था और उसके साथ हैवानियत करता था। विरोध पर उसके साथ मारपीट की जाती थी।

शनिवार को किशोरी किसी तरह मौका पाकर अमन-इदरीश की कैद से भाग निकली। बदहवास हालत में जाते हुए उसे रास्ते में विहिप से जुड़े कपिल पटेल मिले तो उसने उन्हें अपनी आपबीती सुनाई। हिन्दू बेटी के साथ हुई घटना की जानकारी होते ही विहिप नेता हिमांशु पटेल कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतर आए। पीड़िता को सुरक्षित थाना बिथरी पहुंचा दिया गया।

मामला सामने आते ही पुलिस भी हरकत में आ गई और छापेमारी कर अमन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़ित किशोरी के परिवार को जानकारी दे दी है, जो जौनपुर से बरेली पहुंच रहे हैं। सीओ हाइवे नितिन कुमार ने मीडिया को बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। अमन पुलिस की हिरासत में है।

गैंगरेप और कन्वर्जन में देवबंद का डाक्टर अहबार हुसैन गिरफ्तार

देवबंद/ सहारनपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गहरा षडयंत्र रचकर पश्चिमी बंगाल की महिला को लव जेहाद के जाल में फंसाने वाला देवबंद का बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अहबार हुसैन कानून के हाथों से बच नहीं सका। पहचान छिपाकर निकाह करने, कन्वर्जन और गैंगरेप के मामले में पुलिस ने डॉ. अहबार को गिरफ्तार कर लिया है। सनसनीखेज घटना में नर्सिंक होम संचालक अहबार के दो साथी चिकित्सकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस के अनुसार, महिला की ओर से केस दर्ज कराए जाने के बाद देवबंद के नर्सिंग होम संचालक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अहबार हुसैन की सरगर्मी से तलाश की जा रही थी। सटीक सूचना पर उसे स्टेट हाइवे स्थित साईंधाम मंदिर के निकट से दबोच लिया गया। जिसके बाद अहबार हुसैन को जेल भेज दिया गया।

डॉक्टर अहबार ने कोलकाता के बालीगंज इलाके की रहने वाली महिला को खतरनाक षडयंत्र रचकर अपने बुने जाल में फंसा लिया था। डॉ. अहबार हुसैन देवबंद में नर्सिंग होम संचालित करता है और उसकी पहचान बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में है। पीड़िता के अनुसार, अरबार हुसैन उसके साथ 12 मई 2022 से लिव इन रिलेशनशिप था। उसने अपनी पहचान छिपाई थी, जिसकी वजह से पीड़िता उसके मंसूबे नहीं भांप सकी। डॉ. अहबार ने महिला और सात वर्षीय बेटी का जबरन कन्वर्जन करा दिया था। पहले से शादीशुदा होने की बात छिपाकर उसके साथ शादी भी कर ली थी। डॉ. हुसैन ने अपने साथी डॉ. शहजाद और डॉ. आरिफ के साथ मिलकर 21 जून 2023 को महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस में शिकायत करने पर उसे अंजाम भुगतने की धमकी दी। इसके बाद डॉ. अहबार हुसैन पीड़िता को डरा-धमकाकर कोलकाता छोड़ आया था। किसी तरह पुलिस के सामने पेश होकर अब पीड़िता ने आपबीती सुनाई और न्याय की गुहार लगाई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली थी और इसकी भनक लगते ही अभियुक्त अहबार हुसैन फरार हो गया था। कई दिन की भागदौड़ के बाद पुलिस ने आखिरकार डाक्टर अहबार हुसैन को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

2027 में फिर से प्रदेश में फहरेगा भाजपा का परचम : योगी

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में योगी ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में 10 सीटों पर होने जा रहे विधानसभा उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से सक्रिय होना होगा। लोकसभा और राज्यसभा सांसद के साथ ही विधायक एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन और पार्षद सभी लोग आज से ही 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। फिर प्रदेश में भाजपा का परचम लहराना है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर सुपर एक्टिव होना होगा और अफवाहों का तत्काल खंडन करना होगा। मुख्यमंत्री योगी डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने यूपी में 2014, 2017, 2019 और 2022 में बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए विपक्ष पर लगातार दबाव बनाए रखा था। 2014 और उसके बाद के चुनावों में जितना मत प्रतिशत भाजपा के पक्ष में था, 2024 में भी भाजपा उतना वोट पाने में सफल रही है, लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास ने हमारी अपेक्षाओं को चोट पहुंचाई है। जो विपक्ष पहले हार मान के बैठ गया था, वो आज फिर से उछल-कूद मचा रहा है। 'किसी भी स्थिति में बैकफुट पर आने की आवश्यकता नहीं' है। 2022 में विपक्ष चुनाव के बाद मारपीट पर उतारू हो गया था। तब हमारे सभी कार्यकर्ताओं को लगा कि वास्तव में हमारी सरकार का माफिया मुक्त यूपी का विहान इन्हीं गुंडों के लिए है। आज आपके सहयोग से हमें यूपी को माफिया मुक्त करने में सफलता मिली है। इसके अलावा अयोध्या में श्रीरामलला अपने मंदिर में विराजमान हुए तो 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को किसी भी स्थिति में बैकफुट पर आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपने कार्य किया है। जब आप विपक्ष में थे तब जनता के मुद्दों को लेकर लड़ते थे, जब सरकार में हैं तो यूपी में सुरक्षा का वातावरण देखने को मिल रहा है। कभी मोहर्रम में सड़कें सूनी हो जाती थीं। आज मोहर्रम हो रहा है ये पता भी नहीं चलता। ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे, सड़कों के तार हटाए जाते थे। आज कहा जाता है कि गरीब की झोपड़ी नहीं तोड़ेंगे, तार नहीं तोड़ेंगे। हमारा स्पष्ट तौर पर निर्देश है कि पर्व और त्योहार मनाना है तो नियमों के अंतर्गत मनाओ, वरना घर में बैठ जाओ। भाजपा ने पूरे देश में विधि और सुशासन की सरकार को चलाके दिखाया है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा ही संगठन का मंत्र दिया था। उस वक्त भी भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर जनता की सेवा कर रहे थे, मगर अन्य कोई राजनीतिक दल तब नहीं दिखा। हम जाति, मत, मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करते। 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन किसी की जाति, धर्म देखकर नहीं मिल रहा। कोरोना काल में भी भूख से मौत और आत्महत्या नहीं होने दिया गया। उस कालखंड में भी हमारे कार्यकर्ता अपनी जान की परवाह किये बगैर लगातार कार्य करते रहे। कोरोना के सामने दुनिया की बड़ी-बड़ी ताकतें नतमस्तक हो गई, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समाप्त करने का कार्य हम सबने मिलकर किया। मुख्यमंत्री योगी ने इन्सेफेलाइटिस का मामला सामने रखते हुए कहा कि जब जेपी नड्डा देश के स्वास्थ्य मंत्री बने थे तब मैं एक सांसद के नाते उनसे मिला था। इन्सेफेलाइटिस को हमारी सरकार ने प्राथमिकता पर रखा और 40 साल से ज्यादा समय से पूर्वांचल में आतंक मचाने वाली इस बीमारी को हमने जड़ से समाप्त कर दिया। आज गोरखपुर में एम्स शुरू हो गया है। यूपी में कभी इन्फ्रास्ट्रक्चर कल्पना थी, आज कहीं जाइए, फोरलेन कनेक्टिविटी मिलेगी। 'समाजवादियों ने राम, कृष्ण और शिव की परंपरा को लहुलुहान किया' मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने बुंदेलखंड को डकैत मुक्त बनाने का संकल्प लिया था जो कि पूरा हो चुका है।

प्रदेश माफिया मुक्त हो चुका है। उन्होंने डॉ लोहिया को याद करते हुए कहा कि लोहिया जी ने कहा था कि जबतक भारत में राम, कृष्ण और शिव की पूजा होगी भारत को कोई समाप्त नहीं कर सकता। मगर इन समाजवादियों ने राम, कृष्ण और शिव की परंपरा को लहुलुहान किया था। जब प्रयागराज में राजू पाल और उमेश पाल की हत्या होती है, तब क्या ये लोग पिछड़ी जाति के नहीं थे। कृष्णानंद राय के साथ रमेश पटेल और रमेश यादव भी मौत के घाट उतार दिये गये, क्या ये पिछड़ी जातियों के नहीं थे। आज माफिया के लिए फातिहा पढ़ने वाले फिर से चिल्ला-चिल्ला कर चुनौती देने की स्थिति में आ गये । कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर था। सपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उसका नाम बदल दिया। हमारी सरकार आने के बाद हमने फिर से बाबा साहब के नाम पर विश्वविद्यालय का नामकरण किया। समाजवादी पार्टी हमेशा से दलित चिंतकों और महापुरुषों का अपमान करती रही है। इन लोगों ने अनुसूचित जाति के आरक्षण में सेंध लगाने का कार्य किया। एससी के स्कॉलरशिप को रोकने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब के पंचतीर्थ बनाए गये। संविधान को सिर माथे रखकर नई संसद में स्थापित किया। भाजपा संविधान को सर्वोच्च सम्मान देने वाली पार्टी है। मगर अफवाह और भ्रम फैलाकर माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। दुनिया जानती है कि हमारा समाज बिखरा होगा तो आसानी से शिकार हो जाएगा, मगर एकजुट होगा तो बड़ी-बड़ी ताकतें भी इसके सामने धराशाई हो जाएंगी। जाति के नाम पर विभाजित और शक्ति को छिन्न-भिन्न करने का जो पाप इस चुनाव में हुआ है, हमें इससे सतर्क और सावधान होना होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना होगा। सोशल मीडिया का उपयोग करके षड्यंत्र के साथ विरोधी ताकतें और विदेशी लगे थे, जिसमें वो सफल हो गये। हम राष्ट्रवादी मिशन वाले लोग हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को ये देखना होगा कि सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है। हमें अफवाहों का तत्काल खंडन करना होगा। अनुसूचित जाति के महापुरुषों के बारे में भाजपा के विचारों को सबके सामने लाना होगा। 2019 में हमने इसी प्रदेश में सबसे बड़े गठबंधन को धराशाई किया था। 'एक-एक व्यक्ति को जुटना होगा' हमने नगर निकाय चुनाव में सभी 17 मेयर सीटें जीतीं, सर्वाधिक नगर निकायों की सीट हम जीते। सर्वाधिक चेयरमैन और पार्षद हमारे हैं।

आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में हमने जीत दर्ज की।10 विधानसभाओं के उपचुनाव में भी भाजपा का परचम लहराएगा। इसके लिए हमें अभी से जुट जाना है। यही हमारा संकल्प आज से होना चाहिए। जिले में मेयर से लेकर पार्षद तक हमारा है। एक-एक व्यक्ति को जुटना होगा, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन, महापौर, जिला पंचायत सदस्य, विधायक, एमएलसी, राज्यसभा सांसद और लोकसभा सांसद को मिलकर संकल्प को पूरा करना है। जिन लोगों को आज उछल कूद करने का अवसर मिला है, वो दोबारा उछल कूद नहीं कर पाएंगे। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सांसदों को उनके उज्जवल भविष्य और अच्छे कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। इससे पहले सुबह के सत्र में उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत किया और पौधरोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के शुभारंभ से पहले बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

संपादकीय

कोर्ट ने तय किए मुस्लिम महिलाओं के अधिकार

देश की शीर्ष अदालत ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई पहल की है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मुस्लिम महिलाएं भी सीपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इस सिद्धांत की व्याख्या की कि भरण-पोषण किसी तरह का दान नहीं बल्कि सभी विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। अब चाहे महिला किसी भी धर्म की क्यों न हो। दरअसल, अदालत का फैसला तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद की अपील के जवाब में आया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का फैसला दिया था, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा। अब्दुल समद ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि एक तलाकशुदा महिला केवल मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत ही भरण-पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने उसकी अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना था कि धारा 125 देश की सभी महिलाओं पर लागू एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला ऐतिहासिक शाह बानो प्रकरण की याद ताजा करता है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के भरण-पोषण के अधिकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह फैसला 1986 के उस अधिनियम के बावजूद था, जिसमें इस अधिकार को सीमित करने के प्रावधान किये गये थे। बहरहाल, अदालत का हालिया फैसला धारा 125 की स्थायी स्वीकार्यता को सिद्ध करता है। यह भारतीय न्यायतंत्र की खूबसूरती ही है कि अधिनियम के विकास और उसके बाद के न्यायिक उदाहरणों ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकारों का उत्तरोतर विस्तार ही किया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला महिलाओं को उनके न्यायोचित अधिकार दिलाने तथा संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। बहरहाल, अदालत ने इस फैसले के जरिये यह संदेश देने का प्रयास किया है कि जब हम 21वीं सदी में सर्वांगीण विकास व सभ्यता के समृद्ध होने का दावा करते हैं तो महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी हमारी सोच प्रगतिशील होनी चाहिए। उनके प्रति संकीर्ण मानसिकता के चलते ही महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया है। अदालत का नवीनतम निर्णय विकास क्रम के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि देश में किसी भी धर्म की महिला अपने अधिकारों से वंचित न रहे। साथ ही यह भी कि विवाह विच्छेदन के बाद भी महिला को भरण-पोषण के लिये आर्थिक सहायता पाने का अधिकार है। निस्संदेह, अदालत ने भारत में लैंगिक न्याय और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह फैसला न केवल संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखता है बल्कि मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को भी मजबूत करता है। साथ ही यह फैसला भविष्य के मामलों के लिये भी एक मिसाल स्थापित करता है। इस फैसले का मानवीय पक्ष यह भी है कि यदि तलाकशुदा महिला का आय का कोई नियमित जरिया नहीं है तो भरण-पोषण के लिये आर्थिक मदद न मिल पाने से उसके जीवन-यापन का संकट बड़ा हो जाता है। विडंबना यह है कि भारत में मायके पक्ष के सक्षम होने के बावजूद तलाकशुदा बेटी को साथ रखने को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता। जिससे तलाकशुदा बेटियों का जीवन-यापन दुष्कर हो जाता है। ऐसी महिलाओं के जीवन में यह फैसला एक नई रोशनी बनकर आया है। निस्संदेह, फैसला स्वागतयोग्य है और इसके दूरगामी गहरे निहितार्थ भी हैं। पिछली राजग सरकार के दौरान बने तीन तलाक कानून ने भी मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया था। यह फैसला देश की सोच में आए बदलाव का भी प्रतीक है। करीब चार दशक पहले शाह बानो केस में कोर्ट के ऐसे ही प्रगतिशील फैसले को तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने अपनी विधायी शक्ति से पलट दिया था। जिसके बाद देश में ध्रुवीकरण की राजनीति को बल मिला था। निस्संदेह, चार दशक बाद अब भारतीय समाज में लैंगिक समानता को लेकर सोच में व्यापक बदलाव आया है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मुस्लिम महिलाएं भी सीपीसी की धारा 125 के तहत भरण–पोषण की हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इस सिद्धांत की व्याख्या की कि भरण–पोषण किसी तरह का दान नहीं बल्कि सभी विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। अब चाहे महिला किसी भी धर्म की क्यों न हो। दरअसल, अदालत का फैसला तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद की अपील के जवाब में आया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का फैसला दिया था, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा। अब्दुल समद ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि एक तलाकशुदा महिला केवल मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत ही भरण–पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने उसकी अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना था कि धारा 125 देश की सभी महिलाओं पर लागू एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है।

दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है

योग स्वास्थ्य के लिए रामबाण

भूपिंदर सिंह

ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार–बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है।

आज जब प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है, जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्य में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे योग से पूर्ण

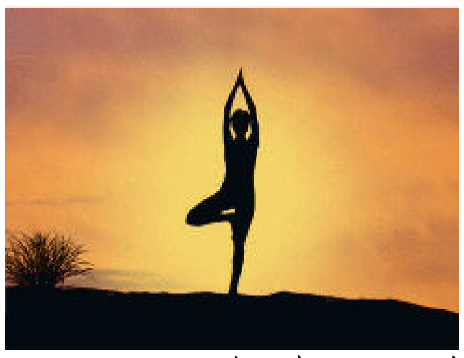

स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रियजनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि हो। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कर्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप। इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है, जिससे कर्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है। हजारों साल पहले भारतीय शोधकर्ताओं ने योग की क्रियाओं से होने वाले लाभों को समझ लिया था जो आज की चिकित्सा व खेल विज्ञान में योग का प्रयोग खूब हो रहा है। योग के नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है, तो मानव में शारीरिक व मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता है। आज आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में इनसान को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। आज जब मनुष्य के पास हर सुख-सुविधा आसानी से उपलब्ध है, मगर समय का अभाव सबके सामने है, ऐसे में फिटनेस को बनाए रखने की दिक्कत सबके सामने है। इस सब के लिए योग सबसे बढिया व सर्वसुलभ तरीका है, जो प्रतिदिन आधा घंटा देकर अच्छा स्वास्थ्य दे सकता है।

दृष्टि कोण

शिक्षा-रोजगार से वंचित अफगानी महिलाएं

इस समय अफ़ग़ान सिविल सेवा में जो बची-खुची महिलाएं हैं, उनकी मासिक सेलरी का अंदाज़ा लगा सकते हैं आप? केवल पांच हज़ार रुपये। भारतीय मुद्रा में कन्वर्ट कीजिये, तो यह केवल पांच हज़ार 883 रुपये बनेगा। इतने में उस महिला सिविल सेवा कर्मी को अपना घर-परिवार चलाना है। आप काम पर आइये, या घर बैठिये, मिलेगा बस पांच हज़ार। भारत में कामवाली बाई भी इससे कहीं ज्यादा कमा लेती है। अफ़ग़ानिस्तान में औरतों का जो हाल इस्लामिक अमीरात ने किया है, उस पर इसी मंगलवार को चिंताजनक रिपोर्ट आई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त, 2021 में 'सदाचार का प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए मंत्रालय' (एमपीवीपीवी) की स्थापना के बाद से तालिबान ने 'डर का माहौल' पैदा किया है। इस रिपोर्ट में 'मोरल पुलिस' के तौर-तरीकों पर भी सवाल किया गया है। आप वेस्टर्न हेयर स्टाइल नहीं रख सकते। 'एमपीवीपीवी' ने एक रूढ़िवादी ड्रेस कोड भी लागू किया है, जो इस्लामी पोशाक को 'एक दैवीय दायित्व' के रूप में संदर्भित करते हैं। तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए पुरुष एस्कॉर्ट अनिवार्य करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, कि वे 'उनके सम्मान और शुद्धता की रक्षा के लिए' हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की रिपोर्ट 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 तक अमीरात में मानवाधिकार की स्थिति और मंत्रालय की कारगुजारियों पर केंद्रित है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार देर रात कहा कि यूएनएएमए रिपोर्ट, अफगानिस्तान को पश्चिमी नज़रिये से आंकने की कोशिश कर रही है, जबकि यह एक इस्लामी समाज है। पुरुषों और महिलाओं के साथ शरिया कानून के अनुसार व्यवहार किया जाता है, यहां कोई उत्पीड़न नहीं होता है।' 'यूएनएएमए' ने 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 के बीच 1033 लोगों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें 828 महिलाएं व 205 पुरुष शामिल थे। इनका ज़ोर-ज़बरदस्ती का दस्तावेजीकरण किया, जहां अमीरात की मोरल पुलिस और एमपीवीपीवी ने निर्देशों के कार्यान्वयन के दौरान बल प्रयोग किया। अफ़सोस, अफ़ग़ानिस्तान का जो अकादमिक क्लास है, वो भय से अमीरात के पक्ष में भी बयान देता है। इनमें काबुल विश्वविद्यालय के व्याख्याता मोहम्मद ऐमल दोस्तयार का बयान उल्लेखनीय है। दोस्तयार कहते हैं 'दुर्भाग्य से, यूएनएएमए की हालिया रिपोर्ट वास्तविकताओं पर आधारित नहीं हैं; सदाचार मंत्रालय इन निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करता है।' सदाचार मंत्रालय के डिप्टी मोहम्मद फकीर मोहम्मदी ने कहा, कि हमने तो बल्कि 4,600 महिलाओं को विरासत प्रदान की है। इस्लामिक अमीरात महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन सारे लोग अमीरात के सितम के आगे सिजदा नहीं करते। धार्मिक विद्वान खलील-उर-रहमान सईद ने बयान दिया, 'दुर्भाग्य से, हमारे देश में महिलाएं अपने बुनियादी और मानवीय अधिकारों से वंचित हैं, जिसमें विरासत, शिक्षा, काम और जीवन साथी चुनने का हक़ भी शामिल है।' एक अन्य धार्मिक विद्वान हसीबुल्लाह हनफ़ी ने महिलाओं को विरासत, शिक्षा, शादी के अधिकार से इनकार, जबरन विवाह और महिलाओं और लड़कियों को शादी में मुआवजे के रूप में देने की प्रथा के बारे में चिंता व्यक्त की है। तालिबान ने इस समय इतनी गुंजाइश दी है कि जो लड़कियां छठी कक्षा पास करने के बाद स्कूल नहीं जा सकतीं, वो घर बैठे सिलाई-कढ़ाई और कालीन बुनाई, पैकेजिंग करें। उसके लिए कार्यशालाएं खोली गई हैं। अर्थ मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल रहमान हबीब कहते हैं, 'अब संबंधित मंत्रालयों ने आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं। न केवल काबुल बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों में भी, छात्राओं ने सिलाई, पेंटिंग, कालीन बुनाई और कढ़ाई जैसे व्यवसायों को सीखने की ओर रुख किया है, ताकि अपने परिवार को सपोर्ट कर सकें।' लेकिन, मुल्क की महिलाएं ऐसे हालात को कुबूल करने के पक्ष में नहीं दिखतीं। इसी हफ्ते अदबी लेखिकाओं ने काबुल में एक कविता गोष्ठी आयोजित की, और इस्लामिक अमीरात से छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों के स्कूलों को फिर से खोलने का आग्रह किया। विभिन्न प्रांतों से राजधानी में एकत्र हुईं इन कवयित्रियों और लेखिकाओं ने कहा कि लड़कियों को स्कूल जाने से रोकना इस्लामी कानून और मानवाधिकार मानदंडों का उल्लंघन है। एक प्रस्ताव में उन्होंने कहा कि लड़कियों के स्कूलों को बंद करने का कोई धार्मिक औचित्य नहीं है। कार्यक्रम के आयोजकों में से एक, ओगी ने सवाल किया, 'हमारा पाप क्या यही है कि हम पुरुष नहीं हैं?' अफ़ग़ानिस्तान में लड़कियों के स्कूल बंद हुए 292 दिन हो गए हैं। अब भी स्पष्ट नहीं है कि वे फिर से कब खुलेंगे, और भविष्य में लड़कियों के लिए क्या होगा। छात्राएं अपने अनिश्चित भविष्य को लेकर तनाव में रहती हैं। उनके लगभग छह महीने के लिए विश्वविद्यालयों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने इस्लामिक अमीरात से छात्राओं के लिए विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने का आह्वान किया। एक छात्रा खुजास्ता पूछती है, 'परीक्षाएं शुरू हो गई हैं और लड़कों को परीक्षा देने और अपने विश्वविद्यालयों में जाने की अनुमति है, लेकिन लड़कियों को अनुमति नहीं है। क्यों? कारण क्या है? तालिबान ने विगत दो वर्षों में 80 फतवे जारी किए हैं।

कुछ अलग

अब लौट आओ हिमाचल

बहुत हो गए चुनाव, बहुत हो गए बयान, अब राजनीतिक सरहदों से लौट आओ हिमाचल। प्रथम और द्वितीय उपचुनावों ने वक्त में कितने छेद किए, इसका अंदाजा न कोई इरादा पता चला, फिर भी हिमाचल को इंतजार अपने विकास, अपने भविष्य और भविष्य की चौखट पर होती रही सियासी बहस पर। धन्य है देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर के मतदाता जो पुनः लोकतंत्र के भरोसे करीब सत्तर फीसदी वोटिंग इस बार भी कर देते हैं। यह इसलिए नहीं कि उन्हें उपचुनावों ने कोई राहत दी। यह इसलिए भी नहीं कि चुनावी वादों ने राहत दी और इसलिए तो बिलकुल भी नहीं कि राजनीति ने कोई प्रशंसनीय कार्य किया या कोई ऐसी वचनबद्धता या प्रमाण सामने आ गया कि जनता का दिल लट्टू हो गया। जाहिर तौर पर बड़े ही स्वार्थी और बेदर्द होते हैं उपचुनाव और कुछ इसी रीत में हिमाचल में भी हो गए। कोई पार्टियों से टूट के आए, तो कोई सत्ता के वजूद से आए, लेकिन सभी की भाषा में कान पके होंगे-मर्यादा टूटी होगी, फिर भी मतदान सलामत रहा तो हम अपनी कोशिश, साधना और संकल्प पर संदेह नहीं कर सकते, लेकिन तलवारें सीने पर लिए चुनावी अनुगूंज बाकी है। हालात की खरौंचें बाकी हैं। अब मसला चुनाव के दौरान भाषण और भाष्य का नहीं, उन छापों का है जो बारूद की तरह सुलग रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने चुनावी फुर्सत में शुरू हुए नए दौर की कहानी सुनाते हुए पूछ लिया कि ये खनन में किसका मनन और ईडी के तकिए के नीचे हिमाचल का माफिया क्यों पकड़ में आ रहा है। जयराम का सवाल यूं तो बुझे हुए तीर की तरह सत्ता को चुभा होगा, लेकिन सत्ता की सफाई में अभी क्रांति देखनी बाकी है और यह कमान संभाले हिमाचल के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी उतर आए हैं मैदान पर। यानी एक नया कुरुक्षेत्र नादौन की छापामारी ने बना दिया जहां हिमाचल की हर तकसीम में सियासत सूंघी जा सकती है। नेगी के अनुसार यह रगड़ा है, रगड़ाई है, लेकिन सत्ता ने उपचुनावों में भी अपनी पताका की कसम खाई है। ऐसे में मिस्टर हिमाचल यानी मिस्टर ध्वाला ने भी देहरा उपचुनाव को परेशान कर दिया, जबकि बड़ी दूर से प्रत्याशी बने घूम रहे डा. राजेश शर्मा ने अपना आधार, अपना प्रचार और अपना ऐतबार कुर्बान कर डाला। उपचुनावों में कौन अपना, कौन पराया शायद यही सियासत का संताप रहा, लेकिन सत्ता से संतोष के लिए अब और अधिक मकबरे नहीं चाहिए। अब हिमाचल को चौपाल और रास्तों पर टियाले चाहिए जहां धूप और छांव में विश्रांति के साथ आगे बढने की ऊर्जा मिले। हिमाचल के कुछ महीने, बजट के बिछौने, सचिवालय कोने और विकास के दोने इन तमाम उपचुनावों के दौरान कबाब में हड्डियां खोजते रहे। हमने जो खोया, क्या राजनीति पा लेगी। क्या कोरी राजनीति से हिमाचल और हिमाचली समाज कुछ पा लेगा। अंबर से बरसात की बूंदें कम हो गईं, तो धान और मक्की की किस्मत में प्रदेश को नजर लग गई। कल यकीनन बारिश होगी और अगर पिछले साल की आबरू में इस साल की बाढ़ शरीक हो गई, तो जिंदगी के ये पन्ने शायद ही सत्ता और विपक्ष में बंटेंगे। बहुत हो गया यह मुकाबला, अब चैन से कुछ करके दिखाओ। हिमाचल ने दोनों पार्टियों से न्याय किया और सामर्थ्य को शक्ति प्रदान की। भाजपा के चार लोकसभा सांसदों से केंद्रीय बजट के हरे भरे पन्ने चाहिएं तो हिमाचल का राजतिलक धारण किए कांग्रेस से प्रदेश के चप्पे-चप्पे को कार्य चाहिए। देखें और हो सकता है आज की मंत्रिमंडलीय बैठक उपचुनावों में गुम हो गए अवसर का नई ताकत से इजहार करे। यूं तो ढगवार मिल्क प्लांट के 201 करोड़ रिलीज करके मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने प्राथमिकताओं में से एक को बिलोल दिया है, तो सेब सीजन के कार्टन के ढक्कन पर आश्वासन से बागबान का स्वागत किया है।

देश दुनिया से

चीन तो चीन ही है, स्थायी समाधान के लिए जरूरी है अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण

वर्ष 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद से ही पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। टकराव बढ़ने पर युद्ध भी हो सकता है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा गया, जिसमें कहा गया कि सभी देशों को एक–दूसरे के क्षेत्र की संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। उनका इशारा चीन की तरफ था, जिसने 1955 से भारत का पूरा अक्साई चिन क्षेत्र अपने कब्जे में ले रखा है। भारत और चीन के बीच हुए 2010 के समझौते में साफ लिखा है कि दोनों देश एक–दूसरे की संप्रभुता का आदर करेंगे, लेकिन चीन की करनी और कथनी में बहुत अंतर है। एस. जयशंकर ने भारत–चीन सीमा विवाद सुलझाने को अपनी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा है। भारत और चीन के बीच तनाव का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण नहीं होना है।

कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से कहा कि भारत और चीन के बीच में स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान सबसे पहले जरूरी है। वर्ष 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद से ही पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। टकराव बढ़ने पर युद्ध भी हो सकता है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा गया, जिसमें कहा गया कि सभी देशों को एक-दूसरे के क्षेत्र की संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। उनका इशारा चीन की तरफ था, जिसने 1955 से भारत का पूरा अक्साई चिन क्षेत्र अपने कब्जे में ले रखा है। भारत और चीन के बीच हुए 2010 के समझौते में साफ लिखा है कि दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता का आदर करेंगे, लेकिन चीन की करनी और कथनी में बहुत अंतर है। एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद सुलझाने को अपनी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा है। भारत और चीन के बीच तनाव का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण नहीं होना है। 1916 में सीमा निर्धारण के लिए ब्रिटिश भारत, तिब्बत और चीन के बीच एक बैठक शिमला में हुई थी। भारत और तिब्बत के बीच सीमा निर्धारण हो गया था, जिसे मैकमोहन रेखा का नाम दिया गया था। हालांकि चीन सीमा निर्धारण पर सहमत नहीं हुआ था, उसने भारत-तिब्बत सीमा को भी अब तक मान्यता नहीं दी है। इसी कारण लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक सीमा को चीन विवादित मानता है। चीन के साथ विवाद सुलझाने के लिए जयशंकर को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल परनाइक, जो सेना की उत्तरी कमान के जीओओ सीएनसी रह चुके हैं, के विचारों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने हाल ही में कहा था कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतों में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की जरूरत है। अन्यथा चीन बार-बार सीमा उल्लंघन करता रहेगा और गलवान जैसी झड़पें होती रहेंगी। चीन 1951 से ही भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर रहा है। 1951 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन ने एक सड़क जी-21 का निर्माण किया। इसका काफी हिस्सा लद्दाख के अक्साई चिन से होकर गुजरता है। इसकी सूचना भारत सरकार को 1954 में मिल गई थी, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके बाद भी 1954 में पं. जवाहरलाल नेहरू ने चीन के साथ पंचशील समझौता किया, जिसका नारा था हिंदी चीनी भाई-भाई। भारत सरकार इस समझौते का पालन करती रही, लेकिन चीन ने इसे कभी नहीं माना। 1962 में चीन ने अचानक भारत पर हमला कर दिया, जिसके कारण चीन की सेना अक्साई चिन से आगे भारतीय क्षेत्र में आ गई। चीनी घुसपैठ को देखते हुए 1958 में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल थिमैया ने पं. नेहरू से सेना की तैयारी के लिए संसाधनों की मांग की, जिसे उन्होंने पंचशील समझौते की आड़ में ठुकरा दिया। देश की रक्षा के प्रति नेहरू के इस रवैये को देखते हुए जनरल थिमैया ने इस्तीफा दे दिया था। फिर चीन ने 1967 में सिक्किम पर कब्जा करने के लिए नाथुला पर हमला कर दिया, लेकिन उस समय मेजर जनरल संगत सिंह ने अदम्य साहस से चीनियों को पीछे धकेल दिया। हालांकि इसके लिए उन्हें दिल्ली से सहमति नहीं मिली थी। वर्ष 1996 में सीमा पर शांति के लिए दोनों देशों के बीच समझौता हुआ कि सैनिक सीमाओं के बीच में नोमैंस लैंड पर बिना हथियारों के रहेंगे, लेकिन चीन ने इस समझौते की शर्तों को नकारते हुए गलवान में भारतीय सैनिकों पर कंटीले तार लगे हुए लाठी-डंडों से हमला किया। पड़ोसी के साथ शांति पूर्वक रहने के सिद्धांत को धता बताकर चीन ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों-मणिपुर, नगालैंड इत्यादि में आतंकवादी संगठनों को तैयार किया। हालांकि सेना ने उनका सफाया कर दिया। चीन की नजर अरुणाचल प्रदेश पर है। यदि चीन के साथ स्थायी शांति स्थापित करनी है, तो सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण करना होगा। संयुक्त राष्ट्र को भी सीमा निर्धारण की बातचीत में सम्मिलित किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण नहीं होने तक दक्षिण एशिया की इन दोनों शक्तियों के बीच में शांति स्थापित नहीं हो सकती।

आप का नजरिया

'आप' हाजिर हो

आम आदमी पार्टी (आप) पहली ऐसी राजनीतिक राष्ट्रीय पार्टी है, जिसे आपराधिक केस में 'आरोपित' बनाया गया है। अब 'आप' के खिलाफ भी अदालत में मुकदमा चलेगा। अदालत ने केजरीवाल और 'आप' दोनों को हाजिर होने का आदेश सुनाया है। यदि 'आप' अपराध में दंडित की गई, तो चुनाव आयोग पार्टी की मान्यता भी रद्द कर सकता है। पराकाष्ठा की यह स्थिति करीब 12 साल में ही आ गई। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अर्थात मुखिया केजरीवाल को भी 'आरोपित' बना दिया गया है। मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह जेल में हैं। उनकी कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन भी लंबे वक्त से जेल में हैं। संदर्भ दिल्ली में नई शराब नीति की आड़ में 100 करोड़ रुपए की घूस और घोटाले का है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत में दाखिल आरोप-पत्र में केजरीवाल को 'किंगपिन' करार दिया है। विडंबना है कि जिस पार्टी की स्थापना भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुई थी और जो आज तक 'कट्टर ईमानदारी' और शुचिता के दावे करती रही है, उस पार्टी का अस्तित्व भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण संकट में पड़ गया है। 'आप' के प्रवक्ता और नेता चुनावी बॉन्ड का प्रलाप करते हुए आरोप-पत्र को खारिज नहीं कर सकते। यह ईडी को साबित करना है कि केजरीवाल के खिलाफ चवन्नी भी बरामद नहीं हुई है, फिर भी वह जेल में हैं। साक्ष्य और मनी ट्रेल भी ईडी को ही पेश करने हैं। जांच एजेंसी अभी तक न्यायाधीशों के सामने कुछ साक्ष्य तो पेश कर रही होगी, जिनके आधार पर पदासीन मुख्यमंत्री भी जेल में हैं। अब ट्रॉयल अदालत में होगा और वह ही अंतिम निष्कर्ष देगी। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की अब कोई भूमिका नहीं है। केजरीवाल लगातार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात अदालत के सामने कह रहे हैं, लेकिन अभी तक अदालत के विवेक पर कोई असर नहीं पड़ा है। दरअसल बुनियादी आरोप 45 करोड़ रुपए की घूस का है, जो राशि हवाला के जरिए, गोवा चुनाव के दौरान, भेजी गई थी। बेशक केजरीवाल पक्ष कुछ भी दलीलें देता रहे, लेकिन बुनियादी लाभार्थी तो 'आप' और उसके मुखिया केजरीवाल हैं। हवाला कारोबारियों की कंपनियों के अलग-अलग नाम हैं, लेकिन उनका जुड़ाव केजरीवाल और 'आप' से था। आरोप-पत्र में चरनप्रीत सिंह के बैंक खाते का जिक्र किया गया है। हवाला का पैसा उस तक आया था और वह गोवा में 'आप' का कार्यकर्ता था। केजरीवाल के वकीलों को साबित करना है कि केजरीवाल और चरनप्रीत के कोई करीबी संबंध नहीं थे। वह पार्टी के आधार पर काम नहीं कर रहा था। गोवा में चुनाव प्रत्याशियों को नकदी पैसा बांटने में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। जिन चुनावी उम्मीदवारों को नकदी पैसा दिया गया, उनके नाम, बयान और ब्योरे भी ईडी ने आरोप-पत्र में दर्ज किए हैं। बैंकों के नोट और उनके सीरियल नंबरों का उल्लेख भी किया गया है। बहरहाल हम इन्हें खाली आरोप मान भी लें, तो अब अदालत को तय करना है कि कौन सच्चा है और कौन अपराधी है? चूंकि 'आप' को लाभान्वित माना गया है, लिहाजा उसे आरोपी नंबर 38 बनाया गया है, जबकि केजरीवाल आरोपी नंबर 37 हैं। सवाल है कि मनी लॉनड्रिंग वाले कानून के दायरे में क्या राजनीतिक पार्टी भी आती है? उस पर केस कैसे चलेगा? क्या पार्टी के प्रमुख प्रभारियों पर ही केस चलेगा? आरोप-पत्र के मुताबिक, पीएमएलए की धारा 70 के तहत 'आप' 45 करोड़ रुपए की आपराधिक आय की लाभार्थी है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

अपने ही देश के 33 लोगों को बंधक बनाकर खेतों पर करा रहे थे काम, पुलिस की गिरफ्त में आए दो भारतीय

पेरिस, 14 जुलई (एजेंसियां)।

इटली में खेतों में काम करने वाले मजदूरों को गुलाम बनाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मामले में यहां का प्रशासन सख्त होता जा रहा है। वेरोना प्रांत में अपने ही देश के 33 लोगों को बंधक बनाकर खेतों में काम कराने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

खून बहने से हुई थी मौत

बता दें, यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में भारतीय मजदूर सतनाम सिंह का मशीन से हाथ कट गया था। उसे अस्पताल में भर्ती करवाने के बजाए उसके मालिक के आदेश पर उसे उसके घर के बाहर सड़क पर फेंक दिया गया था। लगातार खून बहने की वजह से उसकी मौत हो गई थी।

43 लाख रुपये जब्त

बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी कृषि क्षेत्र की दो कंपनियों के मालिक हैं। इस कंपनी में कोई कर्मचारी नहीं हैं और कथित तौर पर कर चोरी करने वाले हैं। उनके पास से फाइनेंस पुलिस ने 475,000 यूरो यानी 43 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। गिरोह के दो कथित मास्टरों को गिरफ्तार किया गया। दासता और श्रम शोषण 5हित अपराधों के लिए जांच की जा रही है।

भारत ने की थी बातचीत

31 वर्षीय सिंह की मौत के बाद इटली में मजदूरों से कराई जा रही गुलामी का मुद्दा मीडिया के ध्यान में आया। भारतीय अधिकारी मुक्तेश परदेशी ने इटली की अधिकारी लुइगी मारिया से 26 जून को सतनाम सिंह की मौत पर बातचीत की थी। उन्होंने भारतीय मजदूर की मौत पर भारत की गहरी चिंता से उन्हें अवगत कराया था। वहीं, इटली की प्रधानमंत्री जॉयोर्जिया मेलोनी ने भी सतनाम सिंह की मौत पर गहरी चिंता जताई थी।

सतनाम सिंह की कैसे हुई मौत

गौरतलब है, इटली के रोम के पास लाजियो में सब्जी के खेत में काम करते समय मजदूरी करने वाले 31 साल के भारतीय अस्थाई कर्मचारी का हाथ भारी मशीनरी की चपेट में आ गया और उनका हाथ कट गया था।

न्यूज ब्रीफ

चीन को मंदी से उबारने पर होगा मंथन मसौदा तैयार, अमेरिका के प्रतिबंधों के कुछ ऐसे निपटेंगे शी जिनपिंग

बीजिंग । चीन को मंदी से उबारने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों के साथ चार दिवसीय आर्थिक समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पार्टी की ओर से तैयार किए गए नए मसौदे पर चर्चा की जाएगी। बताया जाता है कि चलने वाली बैठक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के 376 स्थायी और वैकल्पिक सदस्य भाग लेंगे। कोविड-19 लॉकडाउन के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था लगातार मंदी से गुजर रही है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर वाली अर्थव्यवस्था के मौजूदा हाल पर दुनियाभर की नजर है। इस स्थिति में सुधार के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता वाली उनकी सत्तारूढ़ पार्टी सीपीसी के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो ने 27 जून को आर्थिक समीक्षा बैठक में चर्चा के लिए नया ड्रॉफ्ट तैयार किया है। इस ड्रॉफ्ट में चीन को आगे बढ़ाने के लिए नई स्थितियों और समस्याओं का विश्लेषण किया गया। साथ ही सुधार लागू करने की योजना बनाई गई है। चीनी मीडिया के मुताबिक पोलित ब्यूरो ने माना है कि देश के उत्पादों की कम होती मांग, देश के बाहर का अनिश्चित वातावरण और चीन के उद्योगों की देश-विदेश में कठिन स्थिति से अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। हालांकि चीन ने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन और क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर से चीनी आयात पर लगाए गए भारी टैरिफ शुल्क और प्रतिबंधों से दिक्कतें आ रही हैं। ड्रॉफ्ट में इन प्रतिबंधों से निपटने के उपाय और चुनौतियों को भी शामिल किया है। ड्रॉफ्ट के मुताबिक कम्युनिस्ट पार्टी 2035 तक चीन में उच्च मानक वाली सामाजिक बाजार अर्थव्यवस्था का निर्माण करना चाहती है। मई में चीन की अर्थव्यवस्था की समीक्षा के बाद आईएमएफ ने चीन के अधिकारियों को इस बारे में चेताया भी था कि अगर आर्थिक सुधार नहीं किए गए तो 2029 तक चीन की अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी तक सिकुड़ सकती है और देश को मंदी का सामना करना पड़ सकता है।

दक्षिणी गाजा में इजराइली हमले में 90 लोगों की मौत, नेतन्याहू बोले- हमास का सैन्य कमांडर निशाने पर था

यरूशलम । दक्षिणी गाजा में इजराइली हमले में 90 लोग मारे गए और करीब 300 लोग घायल हो गए। हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, हमास के सैन्य कमांडर को निशाना बनाया गया था। अभी भी पूर्ण निश्चितता नहीं है कि मोहम्मद डेफ और दूसरे हमास कमांडर राफा सलामा मारे गए थे। हालांकि, हमास ने इजराइल के इस दावे को खारिज कर दिया किय डेफ हमले के दौरान क्षेत्र में था। हमास ने कहा कि ये झूठे दावे केवल भीषण नरसंहार के पैमाने को छिपाने के लिए हैं। यह हमला उस क्षेत्र में हुआ, जिसे इजराइल की सेना ने हजारों फलस्तीनियों के लिए सुरक्षित घोषित किया था। बता दें कि हमास के शीर्ष अधिकारी डेफ और याह्या सिनवार को इजराइल सात अक्तूबर को हुए हमले का मुख्य साजिशकर्ता मानता है। इस हमले में दक्षिणी इजराइल में लगभग 1200 लोग मारे गए थे। डेफ लंबे समय से इजराइल की सर्वाधिक वांछित सूची में शीर्ष पर है। सात अक्तूबर को हमास ने अल अक्सा प्लड ऑपरेशन की घोषणा करते हुए डेफ की एक वॉइस रिकॉर्डिंग जारी की थी। डेफ की जीत से इजराइल को बड़ी जीत मिलेगी।

अवैध शादी के मामले में पूर्व पीएम इमरान खान बरी, भ्रष्टाचार के मामले में जेल में ही रहना होगा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्वप्रधान मंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी को गैर-इस्लामिक विवाह मामले में बरी कर दिया है, लेकिन भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में इमरान खान को अभी जेल में ही रहना होगा। इस्लामाबाद जिला और सत्र अदालत ने इद्दत मामले में अपनी सजा के खिलाफ 71 साल के इमरान और 49 साल की बुशरा बीबी की दायर अपील को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, गैर-इस्लामिक शादी के मामले में बरी होने के लगभग एक घंटे बाद ही राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने उन्हें एक नए तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार कर लिया। इससे कुछ समय के लिए ही जेल से रिहा हुए इमरान खान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान पिछले साल अगस्त से जेल में हैं।

पृथ्वी पर गिरने वाले हैं 20 उपग्रह, रॉकेट के गलत कक्षा में जाने से हुआ ऐसा

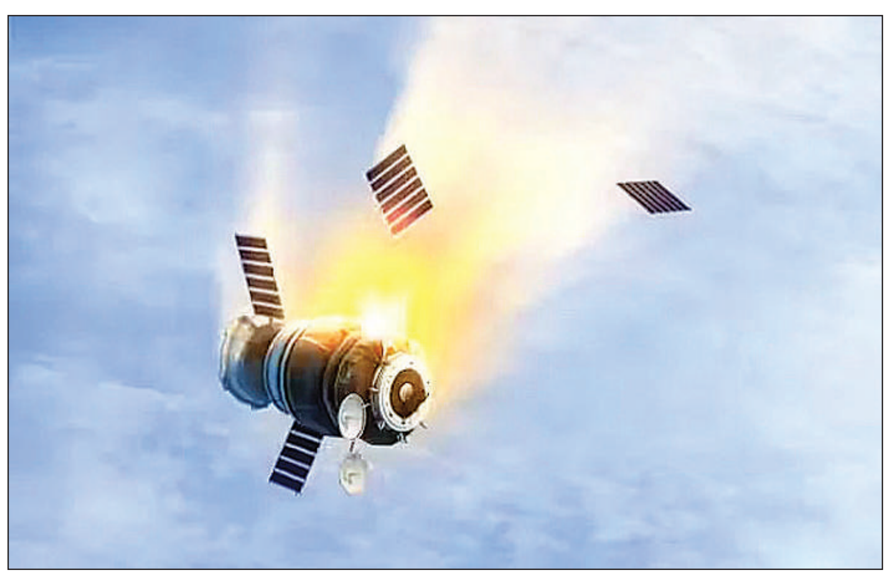

न्यूयॉर्क, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया से फाल्कन-9 रॉकेट से लॉन्च किए गए 20 उपग्रह अब वापस पृथ्वी पर गिरने वाले हैं। इस बीच, निजी कंपनी स्पेसएक्स को करारा झटका लगा है। मस्क की कंपनी ने ये जानकारी दी है।कंपनी ने कहा है कि रॉकेट लॉन्चिंग के समय तकनीकी समस्या आ गई। उस दौरान रॉकेट के दूसरे चरण का इंजन ठीक से काम नहीं कर पाया। उस दौरान इंजन से तरल ऑक्सीजन का रिसाव देखा गया। इसके चलते रॉकेट प्रथ्वी की बहुत नीचे कक्षा में स्थापित हो गए।

कंपनी ने यह भी बताया कि कक्षा के सबसे निचले बिंदु से रॉकेट को ऊपर उठाने के लिए उनकी टीम द्वारा कोशिशें की गईं, लेकिन वे उस बिंदु पर आ चुके थे जहां से उन्हें ऊपर ले जाना संभव नहीं था। स्पेसएक्स ने कहा कि उसकी टीम ने 10 उपग्रहों से संपर्क किया और उनके आयन थ्रस्टर्स का उपयोग करके कक्षा बढ़ाने की कोशिशें की। लेकिन वे पृथ्वी से केवल 135 किमी ऊपर ही थे।

हालांकि स्पेसएक्स ने यह भी आश्वासन दिया है कि उपग्रहों के पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने से कक्षा में मौजूद अन्य उपग्रहों या सार्वजनिक सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है।एलन मस्क ने भी स्पेसएक्स द्वारा किए गए पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हम आयन थ्रस्टर्स को वार्प 9 के समकक्ष चलाने के लिए सैटेलाइट सॉफ्टवेयर को अपडेट कर रहे हैं। यह शायद काम नहीं करेगा, लेकिन हम कोशिशें कर रहे हैं।

ओली सरकार का शपथ ग्रहण समारोह यूएमएल और एनसी गठबंधन तय कर रहे कैबिनेट मंत्रियों की सूची

काठमांडु, 14 जुलई (एजेंसियां)।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बनने वाले केपी शर्मा ओली व्यस्त नजर आए। दरअसल एक दिन बाद नेपाली कांग्रेस और सीपीएन यूएमएल गठबंधन के नए नेता के तौर पर वो प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इससे पहले केपी शर्मा ओली ने कैबिनेट में शामिल मंत्रियों के नामों पर गठबंधन के पार्टी नेताओं के साथ चर्चा की है। पीएम के साथ छोटा मंत्रिमंडल लेगा शपथ- सूत्र वहीं एनसी और यूएमएल के करीबी सूत्रों ने बताया, हालांकि, राष्ट्रपति नए प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों को शपथ दिला सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह शुरू होने से पहले एक छोटे मंत्रिमंडल की घोषणा होने की संभावना है। देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली, एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड संसद में विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे।

राष्ट्रपति ने दी थी समयसीमा इससे पहले ओली ने नेपाली कांग्रेस (एनसी) के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थन से अगला प्रधानमंत्री बनने का दावा पेश किया और संविधान के अनुच्छेद 76-2 के तहत सरकार बनाने के लिए प्रतिनिधि सभा (एचओआर) के 165 सदस्यों - उनकी पार्टी के 77 और एनसी के 88 - के हस्ताक्षर पेश किए। बता दें कि राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने राजनीतिक दलों से बहुमत साबित करने की समयसीमा के साथ नई सरकार बनाने का दावा पेश करने का आह्वान किया था। यूएमएल को मिलेगा पीएम और आठ मंत्री पद- सूत्र वहीं ओली के करीबी एक सूत्र ने बताया कि कुल 21 मंत्रालयों में से नेपाली कांग्रेस को नौ मंत्रालय और यूएमएल को आठ तथा प्रधानमंत्री का पद मिलेगा। सूत्र ने बताया, गृह, विदेश, वित्त और ऊर्जा जैसे प्रमुख पदों को एनसी और यूएमएल के बीच बांटा जाएगा। नेपाली कांग्रेस को गृह विभाग मिलने की संभावना है, जबकि वित्त यूएमएल को मिलेगा। आज मंत्रिमंडल के नामों को दिया गया अंतिम रूप इससे पहले दिन में सीपीएन-यूएमएल ने भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा करने और नए मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की।

जेल से भाग रहे कैदियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी, आठ लोगों की मौत

मोगादिशु , 14 जुलाई (एजेंसियां)।

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में सुरक्षाबलों और भागने का प्रयास कर रहे कैदियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इस घटना में पांच कैदियों और तीन सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य कैदी घायल बताए जा रहे हैं। कस्टोडियल कोर कमांड के प्रवक्ता अब्दिकानी मोहम्मद खलफ ने शनिवार को बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान तीन सैनिक भी घायल हुए हैं।

सेंट्रल जेल से भागने का प्रयास कर रहे हथियारों से लैस कैदी अल-शबाब आतंकवादी समूह के सदस्य थे। जेस से भागने के प्रयास के दौरान जेल अधिकारियों और कैदियों के बीच गोलीबारी हुई। जेल अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि कैदियों ने भागने के लिए हथियार और हथगोले कैसे हासिल किए।रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अल-शबाब सदस्यों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया है। फिलहाल स्थिति शांत है और सुरक्षा बलों ने सभी पांच कैदियों को मार गिराया है। हमने घटना की जांच शुरू कर दी है। अल-शबाब आतंकवादियों ने हमार सेंट्रल जेल पर हुए ताजा हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह मोगादिशु में जेल पर समूह के कैदियों द्वारा किया गया दूसरा घातक हमला है।

अमेरिकी मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनी एटी एंड टी का खुलासा, हैकरों ने सभी आठ करोड़ ग्राहकों का डाटा चुराया

न्यूयॉर्क , 14 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिकी मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनी एटी एंड टी ने खुलासा किया कि 2022 में शातिर हैकरों ने कंपनी के सभी 8 करोड़ मौजूदा व पूर्व ग्राहकों का डाटा चोरी कर लिया। हैकरों ने 1 मई, 2022 से 31 अक्तूबर, 2022 के बीच उसके सभी ग्राहकों के कॉल और टेक्स्ट के रिकॉर्ड एक्सेस कर लिए थे। हालांकि, कंपनी का दावा है कि जो डाटा लीक हुआ उसमें किसी का सामाजिक सुरक्षा नंबर, जन्म तिथि या अन्य व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी शामिल नहीं है। एटी एंड टी कंपनी ने बताया कि हैकर्स ने डाटा को थर्ड-पार्टी क्लाउड प्लेटफॉर्म के वर्कस्पेस से हासिल किया था। कंपनी के मुताबिक, उसे अप्रैल में इस अवैध गतिविधि का पता चला और अब इस मुद्दे पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम किया जा रहा है। इस मामले में अब तक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। इसके साथ ही दावा किया कि फिलहाल लीक हुआ यह डाटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। लीक हुईसूचनाएं डाटा पहुंच योग्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेताया कि भले ही डाटा में निजी पहचान योग्य जानकारी नहीं है, लेकिन जो सूचनाएं हैं, उनसे हैकर्स अधिक डाटा तक पहुंच बना सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी की आशंकाएं बनी रहती हैं। साइबर सुरक्षा कंपनी आर्कटिक वुल्फ के डैन शियाप्पा कहते हैं कि ऐसे हमले लोगों के निजी डाटा को साथ लाने में सक्षम बना देते हैं, जिसमें नाम, फोन नंबर, पते, वित्तीय व सामाजिक सुरक्षा विवरण शामिल हैं। पहले के डाटा ब्रीच से अलग कंपनी ने बताया कि यह डाटा ब्रीच इस वर्ष के शुरू में हुए डाटा ब्रीच से अलग है। इस साल की शुरुआत में हैकरों ने एटी एंड टी के लाखों मौजूदा और पूर्व ग्राहकों की निजी जानकारी चुराकर डाटा को डार्क वेब पर बेच डाला।

जो बाइडन ने जेलेंस्की को पुतिन बुलाया, यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले- कुछ गलतियों को भुला देना चाहिए

वॉशिंगटन/कीव, 14 जुलई (एजेंसियां)।

नाटो के कार्यक्रम का मामला जब नाटो के एक कार्यक्रम में बाइडन यूक्रेनी राष्ट्रपति को मिलवा रहे थे, तभी उन्होंने अनजाने में उन्हें पुतिन बोल दिया। अपनी गलती का अहसास होने पर उन्होंने तुरंत अपने आपको सही किया। पहले से ही उठ रहे सवाल गौरतलब है, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की मानसिक हालत को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी लगातार इस बात को साबित करने में लगी है कि वह एक दम स्वस्थ हैं। मगर, इस बीच फिर से नाम को लेकर गलती करने से उन पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस पूरे प्रकरण ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सुर्खियां बंटोरी हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति की सफाई रूसी राज्य मीडिया ने नाटो गठबंधन की आलोचना करने के लिए बाइडन को लेकर कटाक्ष किया। उसे यह दावा करते हुए कि इस अवसर को उन्हें एक तमाशे में बदल दिया। वहीं, जब इस बारे में जेलेंस्की से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक गलती थी। उन्होंने आगे कहा, मैं सोचता हूं कि यूक्रेन का अमेरिका ने काफी सहयोग किया है। हम कुछ गलती को भुला सकते हैं। यह है मामला दरअसल, अमेरिका में नाटो का सम्मेलन चल रहा है। इस सम्मेलन के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाटो और यूक्रेन के बीच एक समझौते का एलान किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, अब मैं चाहता हूं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति अपनी बात रखें, जिनमें जितना समर्पण है, उतनी ही हिम्मत है। बहनों और भाइयों, राष्ट्रपति पुतिन। बाइडन यह कहकर पलटे, लेकिन तभी उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ और वे वापस आकर बोले, ये राष्ट्रपति पुतिन को हराने वाले हैं, राष्ट्रपति जेलेंस्की। मैं पुतिन को हराने पर इतना ध्यान दे रहा हूं कि हमें उसे लेकर बहुत चिंतित हैं। इतना ही नहीं, बाइडन ने गलती से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम को भी लेकर गलती की। कमला हैरिस को बता गए ट्रंप एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाइडन अपनी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बता गए। दरअसल, जब बाइडन से पूछा गया कि अगर वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ते हैं तो क्या कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप को हरा सकती हैं इसके जवाब में बाइडन ने कहा कि मैं उपराष्ट्रपति ट्रंप को नहीं चुनता, अगर मुझे नहीं लगता कि वह राष्ट्रपति के काबिल नहीं हैं। बाइडन की इन ताजा गलतियों के बाद उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

खुद बाइडन की पार्टी डेमोक्रेट के नेता ही बाइडन की मुखालफत पर उतर गए हैं। हालांकि अभी खुलकर कोई नहीं बोल रहा है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी में भी इस बात की काफी चर्चा है कि बाइडन की जगह किसी और नेता को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। पहले भी बाइडन की जुबान कई मौकों पर फिसल चुकी है।

अमेरिका की चीन से दो टूक- दलाई लामा से करो बात, तिब्बत को संरक्षण देने वाले बिल पर बाइडन ने किया हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, 14 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका ने तिब्बत के मसले पर चीन को दोटूक संदेश दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत-चीन विवाद के समाधान को बढ़ावा देने वाले रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर किए। इसमें तिब्बत पर चीन के जारी कब्जे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर शुरू करने का आह्वान किया गया है। चीन ने इस इस एक्ट का विरोध किया था और इसे अस्थिरता पैदा करने वाला बताया था। इस एक्ट से संबंधित बिल पिछले साल फरवरी में प्रतिनिधि सभा में और मई में सीनेट में पारित किया गया था।

बाइडन ने जारी एक बयान में कहा, आज, मैंने एस. 138, तिब्बत-चीन विवाद समाधान को बढ़ावा देने वाले अधिनियम (अधिनियम) पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और उनकी विशिष्ट भाषायी, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए कांग्रेस की द्विदलीय प्रतिबद्धता को साझा करता हूं। मेरा प्रशासन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करता रहेगा, ताकि मतभेदों को दूर किया जा सके और तिब्बत पर बातचीत के जरिये समझौता किया जा सके।

क्या कहता रिजॉल्व तिब्बत एक्ट

रिजॉल्व तिब्बत एक्ट में कहा गया है कि तिब्बत विवाद का बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत के जरिये शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। इसमें तिब्बती लोगों के अलग धार्मिक, भाषाई और ऐतिहासिक पहचान को परिभाषित किया गया है। इसमें कहा गया है कि चीन की नीतियां तिब्बत के लोगों की अपनी जीवन शैली को संरक्षित करने की क्षमता को दबाने की कोशिश कर रही हैं। यह कानून चीन के इस दावे को खारिज करता है कि तिब्बत प्राचीन काल से उसका हिस्सा रहा है। इसमें चीन से तिब्बत के इतिहास के बारे में गलत और भ्रामक प्रचार बंद करने की मांग की गई है। यह कानून चीन के भ्रामक दावों से निपटने के लिए अमेरिका के विदेश विभाग को भी नए अधिकार देता है।

चीन ने अमेरिका को दी थी चेतावनी

जून में चीन ने इस विधेयक को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा था कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर न करें। चीन ने एक बार फिर इस अमेरिकी कानून पर कड़ा विरोध जताया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, यह कानून चीन के घरेलू मामलों में घोर हस्तक्षेप करता है। कोई भी व्यक्ति या कोई भी ताकत जो चीन को नियंत्रित करने या दबाने के लिए जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) को अस्थिर करने का प्रयास करेगी, सफल नहीं होगी। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा के लिए दृढ़ कदम उठाएगा।

कई चीनी अफसरों पर पाबंदी

इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने हाशिए पर मौजूद धार्मिक और जातीय समुदायों के दमन में शामिल होने के लिए कई चीनी अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगा दिया है। बाइडन ने कहा, मेरा प्रशासन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करता रहेगा, ताकि मतभेदों को दूर किया जा सके और तिब्बत पर बातचीत के जरिये समझौता किया जा सके। यह अधिनियम तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन के अन्य तिब्बती क्षेत्रों को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के हिस्से के रूप में मान्यता नहीं देता है।

भारत में तिब्बती धर्मगुरु को अलगाववादी मानता है चीन

तिब्बत के चौदहवें दलाई लामा 1959 में तिब्बत से भागकर भारत आ गए, जहां उन्होंने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में निर्वासित सरकार स्थापित की। 2002 से 2010 तक दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार के बीच नौ दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। चीन, भारत में रह रहे 89 वर्षीय तिब्बती आध्यात्मिक नेता को एक 'अलगाववादी' मानता है, जो तिब्बत को देश (चीन) के बाकी हिस्सों से अलग करने के लिए काम कर रहे हैं। जबकि चीन इस क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई और राजनीतिक दमन में जुटा हुआ है।

पेंपा सेरिंग ने जो बाइडन का जताया आभार

निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री सिक्योंग पेंपा सेरिंग ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि चीन-तिब्बत संघर्ष या विवाद को कैसे हल किया जाए, इसका कानून में उल्लेख किया गया है। यह कानून तिब्बती लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार की भी बात करता है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून में है। यह कानून चीन के प्रचार या चीन के इस दावे को स्वीकार नहीं करने की भी बात करता है कि तिब्बत प्राचीनकाल से चीन का हिस्सा रहा है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका मान्यता नहीं देता है।

पदक का रंग बदलने को बेताब होंगी लवलीना, अब तक सिर्फ कुछ ही भारतीय मुक्केबाजों ने ही जीते हैं पदक

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत के अन्य एथलीटों की तरह ही भारतीय मुक्केबाज भी पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह कमर कस चुके हैं। इस बार देश को निकहत जरीन और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन से पदक लाने की काफी उम्मीदें हैं। भारत की ओर से चार महिला और दो पुरुष मुक्केबाजों से पदक लाने की उम्मीदें हैं, लेकिन इनमे लवलीना और निकहत पर दारोमदार रहेगा।

अब तक सिर्फ तीन भारतीयों ने जीते हैं पदक

मुक्केबाजी ऐसी स्पर्धा है जिसमें पिछले चार ओलंपिक में से तीन में भारत पदक लाने में सफल रहा है। ओलंपिक मुक्केबाजी में पिछले दो पदक देश की बेटियों मैरीकॉम और लवलीना बोरगोहेन ने दिलाए हैं और इस बार लवलीना के साथ निकहत से बड़ी उम्मीदें लगी हैं। भारत की ओर से मुक्केबाजी में सबसे पहला पदक विजेंद्र कुमार ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में जीता था। उस वक्त विजेंद्र ने पुरुष 75 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था। 2012 लंदन ओलंपिक में महिला मुक्केबाजी को भी शामिल किया गया और दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम ने इतिहास रचते हुए पदक जीता। मैरीकॉम ने भी कांसा अपने नाम किया था। इसके बाद 2016 में देश को इस स्पर्धा में कोई पदक नहीं मिला, लेकिन टोक्यो ओलंपिक में लवलीना ने कमाल करते हुए मुक्केबाजी में तीसरा पदक देश को दिलाया। हालांकि, उन्हें भी कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा था।

निकहत के पास प्रभाव छोड़ने का अवसर

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन को तैयारियों के लिए अच्छा समय मिला है। निकहत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और उनके पास ओलंपिक पदक जीतकर खुद को ओलंपिक जैसे मंच पर साबित करने का अच्छा मौका रहेगा। पिछले ओलंपिक में 69 किग्रा में पदक दिलाने वाली लवलीना पेरिस में 75 किग्रा में उतरेंगी। इसी भारवर्ग में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप और एशियाड पदक जीते हैं। जैस्मीन और प्रीति के लिए भी मौका है। पुरुष वर्ग में अमित पंघाल के पास एशियाड विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक हैं। ओलंपिक पदक के लिए वह कोई कसर नहीं रखेंगे। निशांत देव भी अनुकूल ड्रॉ मिलने पर चौंका सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ मिली थी पहली जीत

1948 लंदन ओलंपिक में भारत के सात मुक्केबाज पहली बार रिंग में उतरे इनमें बिनाय बोस, जेनी रेमंड, मैक जोकिम, रॉबर्ट क्रेन्सटन, जॉन न्यूटाल, राबिन भट्टा और बाबू लाल शामिल थे। ओलंपिक में भारत के लिए सबसे पहला मुकाबला बाबू लाल ने बेंटमवेट में दिलाया था जब उन्होंने, पाकिस्तान के एलेन मोंटेरियो को हराया था। हालांकि अगले दौर में बाबू लाल हार गए थे।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ की हालत देख कपिल देव हुए भावुक बीसीसीआई और अन्य क्रिकेटर से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और कोच अंशुमान गायकवाड़ को लेकर पूर्व क्रिकेटर और महान

गेंदबाज कपिल देव परेशान हैं। उनकी परेशान का कारण अंशुमान गायकवाड़ की बीमारी है। अंशुमान ब्लड कैंसर से जझ रहे और चिकित्सा खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कपिल देव ने कहा कि जब हम यह जानने के लिए उनके पास पहुंचे कि गायकवाड़ के समकालीन उनकी मदद के लिए क्या कर रहे हैं तो यह देखकर बहुत दुख हुआ। कपिल ने कहा कि मैं दर्द में हूं क्योंकि मैं अंशुमान के साथ खेला हूं और उसे इस हालत में देखना मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। किसी को भी ऐसा नहीं करना चाहिए। मुझे पता है कि बोर्ड उसका ख्याल रखेगा। कपिल देव, मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, रवि शास्त्री और कीर्ति आज़ाद गायकवाड़ को उनके कठिन समय में समर्थन देने के लिए सक्रिय रूप से दोस्तों और कॉरपोरेट्स से संपर्क कर रहे हैं। कपिल ने कहा कि हम किसी को मजबूर नहीं कर रहे हैं। औंशू के लिए कोई भी मदद आपके दिल से आनी चाहिए। कुछ तेज गेंदबाजों के सामने खड़े होने पर उसने अपने चेहरे और छाती पर वार झेले हैं। अब समय आ गया है कि हम उसके लिए खड़े हों। मुझे यकीन है कि हमारे क्रिकेट प्रशंसक उन्हें निराश नहीं करेंगे। हमें उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। कपिल ने सुझाव दिया कि दुर्भाग्य से, हमारे पास कोई प्रणाली नहीं है। हमारे समय में बोर्ड के पास पैसा नहीं था लेकिन आज स्थिति अलग है। बीसीसीआई को अतीत के वरिष्ठ खिलाड़ियों का ख्याल रखना चाहिए। एक ट्रस्ट का गठन करने पर कपिल देव ने उम्मीद की कि प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों को इसमें योगदान देना चाहिए। अगर कोई ट्रस्ट बनता है तो वे अपना पैसा वहां लगा सकते हैं, लेकिन हमारे पास कोई सिस्टम नहीं है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई यह कर सकता है। वह पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों की देखभाल करते हैं।

शाहीन के बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने की संभावनाएं नहीं : गिलेस्पी

कराची । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने

वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में शायद ही खेलें। इसका कारण है कि वह पापा बनने वाले हैं और ऐसे समय में अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं। शाहीन और उनकी पत्नी अंशा अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान की टेस्ट टीम के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने कहा, शाहीन बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश के टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं। अगर वह तब तक अपनी पत्नी के साथ रहना चाहते हैं, तो हम उन्हें आराम दे सकते हैं। हाल ही में, शाहीन पाकिस्तान के कोचों के साथ अपने दुर्व्यवहार के बारे में सामने आई रिपोर्टों के कारण सुर्खियों में रहे हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के पाकिस्तान के टी20आई दौरे के दौरान शाहीन की बल्लेबाजी कोच मोहम्मद यूसुफ के साथ तीखी बहस भी हुई थी हालांकि बाद में शाइन ने उनसे माफी मांग ली थी। तब टीम प्रबंधन ने कहा था कि ये मामला हल कर लिया गया है। पाकिस्तान की टीम को सीमित ओवरों की अगली सीरीज नवंबर में ऑस्ट्रेलिया से खेलनी है।

पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स स्पर्धा में उतरेगी सिक्योरिटी गार्ड की बेटी

नई दिल्ली । ट्रैक और फील्ड एथलीट ज्योति याराजी को पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय दल में जगह

मिली है। ज्योति के नाम 100 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उसने कठिन हालातों के बीच भी यहां तक का सफर तय किया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की ज्योति के पिता एक सिक्योरिटी गार्ड हैं जबक मां घरेलू सहायक के रूप में काम करती हैं। ज्योति ने सबसे पहले हैदराबाद में भारतीय खेल प्राधिकरण के छात्रावास में कोच एन रमेश से दो साल तक ट्रेनिंग ली थी। उसके बाद में वह उत्कृष्टता केंद्र में शामिल होने के लिए गुंटूर गईं थीं। इसके बाद साल 2019 से ही वह भुवनेश्वर में रिलायंस एथलेटिक्स हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में ब्रिटेन के कोच जेम्स हिलियर से ट्रेनिंग लेती रही हैं। ज्योति ने चीन के हांगझोउ में 2022 के एशियाई खेलों में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। इसके अलावा साल 2023 की शुरुआत में इस एथलीट ने कजाकिस्तान में 2023 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत जीता था।

इंडिया ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को हराया, ऑलराउंडर शिवम मैन ऑफ द मैच, सुंदर प्लेयर ऑफ द सीरीज

हरारे, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने रविवार को हरारे के मैदान में खेले गए 5वें टी-20 में भी जिम्बाब्वे को हरा दिया। साथ ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से जीत लिया।

5वें टी-20 में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीता और भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई और रियान पराग के साथ 65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में चौके-छक्के लगाकर टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया।

168 रन चेज कर रही जिम्बाब्वे को मुकेश कुमार और शिवम दुबे ने परेशानी में डाला। मुकेश ने 4 विकेट लिए। जिम्बाब्वे की टीम 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारतीय टीम के पावरप्ले के 6 ओवर में 40 रन पर 3 विकेट गिर गए थे। इसके बाद संजू और रियान ने पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर 65 रन जोड़े। इस साझेदारी में संजू ने 40 और रियान ने 22 रन का योगदान दिया। दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए किसी भी जिम्बाब्वे के बॉलर को टिकने नहीं दिया। इस साझेदारी के चलते भारत ने जिम्बाब्वे को 168 रन का टारगेट दिया।

शिवम दुबे ने बल्लेबाजी के दौरान डेथ ओवर्स में चौके-छक्के लगाए। 19वें ओवर में लगातार 3 बाउंड्री लगाकर स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया। गेंदबाजी के दौरान मिडिल ओवर्स में रन नहीं बनने दिए। डिओन मेयर्स और जोनाथन कैंपबेल का विकेट लिया। उन्होंने कप्तान सिकंदर रजा को रनआउट भी किया। उन्हें इस परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वाशिंगटन सुंदर को पूरे सीरीज में शानदार परफॉरमेंस के चलते मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्हें 5 मैच की सीरीज में सिर्फ 2 मैच में बैटिंग मिली। जिसमें उन्होंने 28 रन बनाए। पहले टी20 में बनाया गया 27 रन उनका बेस्ट स्कोर था। सुंदर ने महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेकर भारत को सीरीज जिताई। उन्होंने सीरीज में 8 विकेट लिए। जिसमें उनका बेस्ट 15 रन देकर 3 विकेट रहा। आज के मैच में उन्होंने 2 ओवर में 7 रन देकर 1 विकेट लिया।

जिम्बाब्वे 168 का टारगेट चेज कर रही थी, लेकिन ये बहुत बड़ा स्कोर नहीं था। पहला ओवर लेकर आए मुकेश कुमार ने वेसले मधवरे को क्लीन बोल्ड कर दिया। अपने अगले ओवर में उन्होंने ब्रायन बेनेट का विकेट लिया। 19वें ओवर में उन्होंने 2 विकेट लिए। मुकेश ने जिम्बाब्वे की शुरुआत मुश्किल कर दी और टेलेंडर्स को टिकने नहीं दिया।संजू जब क्रीज पर आए तो कप्तान शुभमन, यशस्वी और अभिषेक के विकेट गिर चुके थे। स्कोर था सिर्फ 40 रन। संजू ने 45 गेंदों पर 58 रन की पारी खेली। उन्होंने पारी में 4 सिक्स और एक चौका लगाया। टीम को मुश्किल से निकाला। उन्होंने रियान पराग (22 रन) के साथ 65 रन की साझेदारी की। अच्छे स्कोर के लिए टीम को प्लेटफॉर्म दिया।

जिम्बाब्वे के ओपनर तदिवनाशे मरुमानी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने डायन मायर्स की मदद से पावरप्ले में भारत के स्कोर 44 से ज्यादा 47 रन बनाए। दोनों के बीच 36 बॉल पर 44 रन की पार्टनरशिप हुई। एक समय ऐसा लग रहा था की जिम्बाब्वे मैच में बड़ा उलटफेर कर देगा। लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने तदिवनाशे मरुमानी को 27 रन पर डइथ आउट कर दिया।

ब्लेसिंग मुजरबानी अपने पहले ओवर में शानदार गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा का विकेट लगभग ले लिया था। लेकिन यहां पॉइंट पर खड़े ब्रायन बेनेट ने कैच छोड़ दिया। ऐसा ही कुछ शुभमन गिल के साथ हुआ उनका कैच थर्ड मैन पर जोनाथन कैंपबेल ने छोड़ा। जिम्बाब्वे की ग्राउंड फील्डिंग भी खराब रही कई मौके पर भारत के प्लेयर्स ने सिंगल को डबल में कन्वर्ट किया।

रिकी पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स छोड़ी, अब पंत को मिलेगा नया हेडकोच

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स छोड़ दी है। पोंटिंग पिछले साल साल से इस फ्रेंचाजी से बतौर हेड कोच जुड़े हुए थे। उनके रहते दिल्ली कैपिटल्स कभी आईपीएल चैंपियन नहीं बन पाई। पोंटिंग के कोच पद से हटने की जानकारी फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर दी।

पोंटिंग के जाने के बाद संभावना है कि दिल्ली कैपिटल्स के मौजूदा निदेशक सौरव गांगुली अगले आईपीएल सत्र में मुख्य कोच के रूप में टीम की कमान संभाल सकते हैं। गांगुली फिलहाल दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट डायरेक्टर हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने एक्स पर लिखा- जैसे-जैसे आप हमारे मुख्य कोच के रूप में आगे बढ़ें, हमें इसे शब्दों में कहना कठिन हो रहा था। आपने हमें देखभाल, प्रतिबद्धता, जज्बा और प्रयास के बारे में बताया। यह हमारे सात वर्षों के साथ-साथ काम करने का सार हैं। फ्रैंचाइजी ने पोंटिंग के साथ लंबे जुड़ाव को लेकर भावनात्मक पोस्ट किया लेकिन टीम प्रबंधन सात साल में कोई खिताब नहीं जीत पाने के कारण उनके काम से खुश नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के दो बार विश्व कप विजेता बनाने वाले रिकी पोंटिंग 2019 में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने थे। उनकी देखरेख में टीम 2021 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही लेकिन इसके बाद उसके प्रदर्शन गिरता गया। यह देखना होगा कि क्या दिल्ली कैपिटल्स एक नया मुख्य कोच नियुक्त करता है या टीम निदेशक सौरव गांगुली को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे का पद पर बने रहना तय है। इस मामले में आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए दिल्ली के सह-मालिक जेएसडब्ल्यू और जीएमआर समूह की इस माह आखिरी में या अगले माह के शुरुआत में बैठक होने वाली है।

अगले आईपीएल सत्र में गांगुली को मिल सकती है मुख्य कोच जिम्मेदारी

ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2024 के पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। पोंटिंग के मार्गदर्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 2019, 2020 और 2021 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया जबकि इसके बाद टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स छठे नंबर पर रही थी उसका प्रदर्शन लगातार गिरता रहा।

विम्बलडन में दिखा कार्लोस अल्कारेज का तूफान...

नोवाक जोकोविच का सपना तोड़ा, जीता चौथा ग्रैंड स्लैम

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)।

टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट विम्बलडन 2024 का फाइनल मुकाबला रविवार (14 जुलाई) को खेला गया, जिसमें 21 साल के स्पेनिश कार्लोस अल्कारेज ने तूफानी प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है । उन्होंने फाइनल में सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-2, 6-2, 7-6 से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया है.

36 साल के जोकोविच यदि फाइनल मुकाबला जीतते तो वो इतिहास रचते। मगर उन्होंने यह मौका गंवा दिया। इस जीत के साथ ही जोकोविच के पास टेनिस इतिहास में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब (महिला-पुरुष) जीतने वाले प्लेयर बनने का मौका था, मगर अल्कारेज ने उनका सपना तोड़ दिया है।

अल्कारेज और जोकोविच के बीच यह खिताबी मुकाबला 2 घंटे और 27 मिनट तक चला। अल्कारेज ने मैच में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा था। उन्होंने शुरुआती 2 सेट अपने नाम किए थे। इसके बाद तीसरे सेट में जोकोविच ने अपने तीखे तेवर दिखाए, लेकिन गेम नहीं जीत सके।

तीसरा सेट काफी रोमांचक रहा, जिसमें अल्कारेज ही 5-4 से आगे चल रहे थे, लेकिन जोकोविच ने धांसू अंदाज में वापसी की। उन्होंने यह सेट 6-6 से बराबर करते हुए टाई ब्रेक में पहुंचाया, लेकिन यहां फिर अल्कारेज ही हावी दिखे। टाई ब्रेकर में अल्कारेज ने 7-4 के पॉइंट्स अंतर से सेट अपने नाम किया और तीसरा सेट 7-6 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

वैसे कार्लोस अल्कारेज को हराना जोकोविच के लिए आसान नहीं था। इसका कारण फाइनल में अल्कारेज का शानदार प्रदर्शन है। स्पेनिस स्टार ने अब तक 4 ग्रैंड स्लैम फाइनल खेले और सभी में जीत हासिल की है।

यानी अब तक फाइनल में हारे नहीं हैं। 21 साल के अल्कारेज तीनों तरह के कोर्ट घास, क्ले और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

अल्कारेज ने पहला ग्रैंड स्लैम खिताब 2022 में यूएस ओपन खिताब जीता था। उसके बाद 2023 में विम्बलडन खिताब भी अपने नाम किया था। अल्कारेज ने तीसरा खिताब इसी साल फ्रेंच ओपन जीता है। अब उन्होंने दूसरी बार विम्बलडन और ओवरऑल चौथी बार ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है।

बता दें कि सबसे ज्यादा सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब (महिला और पुरुष) जीतने के मामले में जोकोविच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महिला स्टार मार्गरेट कोर्ट बराबरी पर हैं. दोनों ने सबसे ज्यादा संयुक्त रूप से 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते हैं. हालांकि मार्गरेट ने इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले जीते थे. टेनिस में ओपन ऐरा की शुरुआत साल 1968 में हुई थी।

यदि जोकोविच एक और ग्रैंड स्लैम खिताब जीतते हैं तो इतिहास रच देंगे। जोकोविच के टेनिस करियर का यह 37वां ग्रैंड स्लैम सिंगल्स फाइनल रहा, जो ओपन युग में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है। वह स्विट्ज़रलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और स्पेनिश स्टार राफेल नडाल को काफी पीछे छोड़ चुके हैं।

58 साल का सूखा समाप्त करना चाहेगा इंग्लैंड, स्पेन चौथे खिताब के लिए उतरेगा, किसका पलड़ा भारी

बर्लिन, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड और स्पेन के बीच यूएफा यूरोपियन चैंपियनशिप (यूरो कप) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में जहां स्पेन की नजरें अपना रिकॉर्ड चौथा खिताब जीतने पर लगी होंगी, जबकि इंग्लैंड 58 साल का खिताबी सूखा समाप्त करना चाहेगा। इंग्लैंड की टीम 1966 विश्व कप खिताब के बाद अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने उतरेगा। स्पेन की टीम 1964, 2008 और 2012 में चैंपियन रही है।

टूर्नामेंट में अजेय चल रही है स्पेन की टीम

स्पेन और जर्मनी ने तीन तीन यूरो खिताब जीते हैं और इंग्लैंड के खिलाफ मैच में स्पेन का पलड़ा भारी होगा। स्पेन की टीम टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मैच जीतने में सफल रही है। टीम पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उसने पिछले साल जून में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता था। दूसरी तरफ इंग्लैंड ने यूरो 2024 में नॉकआउट चरण के अपने तीनों मैचों को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीता है। अंतिम 16 में स्लोवाकिया के खिलाफ 25वें मिनट में 0-1 से पिछड़ने के बाद स्टॉपेज टाइम में चार मिनट के अंदर हैरी केन और जूड बेलिंगहैम के गोल से इंग्लैंड जीत दर्ज करने में सफल रहा। क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 80वें मिनट में टीम ने बुकायो साका के गोल से बराबरी की और फिर पेनाल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ स्थानापन्न ओली वाटकिंस ने 90वें मिनट में विजयी गोल किया।

लामाइन यमल पर रहेंगी नजरें

लामाइन यमल स्पेन के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में तीन बार गोल के मौके बनाए और फिर सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ अपना पहला गोल किया। 17 वर्ष के यमल इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। यमल के लिए यह टूर्नामेंट वैसा ही रहा है जैसा कि 2018 विश्व कप में फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे और 1958 विश्व कप में 17 साल के पेले के लिए था।

स्पेन 12 साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में

स्पेन 12 साल के बाद किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। टीम ने अपना पिछला फाइनल यूरो 2012 में इटली के खिलाफ खेला था। टीम ने तब इटली को 4-0 से करारी शिकस्त देकर खिताब जीता था। इंग्लैंड की टीम यूरो 2020 के फाइनल में पहुंची थी। कोरोना वायरस महामारी के कारण 2021 में खेले गए इस टूर्नामेंट के फाइनल में उसे इटली ने पेनाल्टी शूटआउट में हराया था।

नेशंस लीग 2018 के बाद पहली बार आमने-सामने होंगे इंग्लैंड और स्पेन

इंग्लैंड और स्पेन की टीम छह साल के अंतराल पर एक दूसरे का सामना करेगी। दोनों ने 2018 नेशंस लीग में डबल-हेडर खेला था, जिसमें स्पेन ने वेम्बली स्टेडियम में 2-1 से जीत दर्ज की और इंग्लैंड ने एक महीने बाद सेविला में 3-2 से जीत दर्ज की थी। यूरो 2024 में छह खिलाड़ी टूर्नामेंट के सबसे अधिक तीन गोल पर हैं और इनमें दो फाइनल में खेल रहे हैं। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन और स्पेन के डानी ओल्मो शामिल है।

कंपनियों के नतीजे और वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल: विश्लेषक

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां) । इस सप्ताह इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कई बड़ी कंपनियों के नतीजों के अलावा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों के वैश्विक रुख से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए जाएंगे। इन आंकड़ों से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा। मुहर्रम के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि सप्ताह के दौरान एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, बजाज ऑटो, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। इस सप्ताह सभी की निगाह कंपनियों के पहले तिमाही के नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस और रिलायंस सहित कई कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी। इसके अलावा बजट-पूर्व चर्चाओं से बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन पर सभी का ध्यान रहेगा। चीन सप्ताह के दौरान अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा करेगा। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन के संबोधन, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और जापान के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार को दिशा देंगे। इस बीच, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,257 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा हुई। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। इस सप्ताह जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ, एशियन पेंट्स, एलटीआईमाइंडट्री, इन्फोसिस, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, पेटीएम के तिमाही नतीजे आने हैं। साथ ही वैश्विक स्तर पर निवेशक चीन के जीडीपी आंकड़ों, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़ों और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर पर निर्णय से दिशा लेंगे। उन्होंने कहा कि चालू तिमाही नतीजों के सत्र की वजह से सप्ताह के दौरान शेयर विशिष्ट गतिविधियां देखने को मिलेंगी। तिमाही नतीजों के सत्र की अच्छी शुरुआत की वजह से आईटी शेयर आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

बीएसएनएल के सीएमडी पुरवार का कार्यकाल बढ़ाने से इनकार, दूरसंचार विभाग के अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली । बीएसएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पी के पुरवार का सेवा विस्तार देने से सरकार ने इनकार कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक दूरसंचार विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी रॉबर्ट जे रवि को कार्यभार सौंपा गया है। पुरवार ने जुलाई 2019 में पांच साल के लिए बीएसएनएल के सीएमडी के रूप में कार्यभार संभाला था और विस्तार के लिए आवेदन किया था, जिसे दूरसंचार विभाग ने खारिज कर दिया था। रवि ए रॉबर्ट जेरार्ड के पास 14 जनवरी तक रहेगा प्रभार कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने आदेश में कहा कि बीएसएनएल के सीएमडी प्रवीण कुमार पुरवार के कार्यकाल को 14 जुलाई से विस्तार न करने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। एसीसी ने 15 जुलाई से छह महीने की अवधि के लिए रवि ए रॉबर्ट जेरार्ड को सीएमडी एमटीएनएल और सीएमडी बीबीएनएल के साथ सीएमडी बीएसएनएल के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने के दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब वह 14 जनवरी 2025 तकया अगले आदेश तक अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। पुरवार के कार्यकाल के दौरान तीन राहत पैकेज दिए गए पुरवार के कार्यकाल के दौरान, सरकार ने बीएसएनएल को तीन लाख करोड़ के तीन पुनरुद्धार पैकेज दिए। ये पैकेज बीएसएनएल को चालू करने, 4जी और 5जी सेवाओं के रोलआउट के साथ ही रिलायंस जियो, एयरटेल कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बनाने के लिए दिए गए थे। पहला पैकेज जो सरकार ने स्वीकृत किया था, वह 69 हजार करोड़ रुपये का था। जिसमें बीएसएनएल के लिए लगभग 51 से 52 हजार करोड़ रुपये शामिल थे। तीन कंपनियों के रिचार्ज प्लान महंगे होने से बीएसएनएल को फायदा देश की तीन प्रमुख प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हाल ही में अपने रिचार्ज प्लान महंगे किए हैं। इन तीनों कंपनियों के प्लान में करीब 25 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

कॉरपोरेट अग्रिम कर में वृद्धि से प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी बढ़ा, कुल 5.74 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

नई दिल्ली । कॉरपोरेट कंपनियों के अग्रिम कर भुगतान में जबरदस्त वृद्धि की वजह से चालू वित्त वर्ष (2024-25) में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.54 फीसदी बढ़कर 5.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की तरफ से किए गए आंकड़ों के मुताबिक 11 जुलाई, 2024 तक का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5,74,357 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 2,10,274 करोड़ रुपये का सीआईटी और 3,46,036 करोड़ रुपये का पीआईटी शामिल है। इसके अलावा प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) ने प्रत्यक्ष कर संग्रह में 16,634 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। पिछले वर्ष इसी अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4,80,458 करोड़ रुपये था।

नई दिल्ली में 9 अगस्त को लांच होगी लेम्बोर्गिनी एसई

नई दिल्ली । लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई 9 अगस्त को नई दिल्ली में लांच की जाएगी। लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया गया है, जिसे प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जो 800एचपी अधिकतम पावर और 950एनएम मैक्स टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 25.9केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी पैक भी है। लेम्बोर्गिनी का कहना है कि इसे केवल इलेक्ट्रिक पावर का उपयोग करके 60 किमी तक चलाया जा सकता है। इसमें ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम है। यह एसयूवी महज 3.4 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इसकी टॉप स्पीड 312 किमी प्रति घंटा है।

भारत 2031 तक बन सकता है दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई , 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी पूरी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है। अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के दम पर भारत 2048 में नहीं, बल्कि 2031 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में अपने संबोधन में पात्रा ने कहा कि ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो भारत में निवेश घरेलू बचत से होता है। 2021-23 की अवधि के दौरान सकल घरेलू बचत दर सकल राष्ट्रीय खर्च योग्य आय का औसत 30.7 प्रतिशत रही है। अन्य देशों की तरह भारत में निवेश या वृद्धि के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं है।

पात्रा ने आगे कहा कि बैलेंस ऑफ पेमेंट के तहत आने वाले करंट अकाउंट गैप में 2023-24 में जीडीपी का 1 प्रतिशत रह सकता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी खतरों का सामना करने में मदद करता है। भारत का सकल विदेशी कर्ज जीडीपी का 20 प्रतिशत बना हुआ है, जिसके लिए भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है।

आगे उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरता और महंगाई 4 प्रतिशत के आसपास आने के कारण भारत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। महंगाई का कम होना दिखाता है कि मौद्रिक नीतियों में लिए गए फैसलों का असर हुआ है।

पात्रा ने आगे का कि राजकोषीय समेकन के कारण जनरल सरकारी कर्ज मार्च 2024 में जीडीपी का 81.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुसार यह इस दशक के अंत तक गिरकर 78.2 प्रतिशत रह सकता है। हमारा अनुमान है कि अगर मैन्युफैक्चरिंग के अधिक उत्पादन वाले सेक्टर जैसे लेबर फोर्स की स्किल बढ़ाने में अधिक खर्च किया जाए तो जनरल सरकारी कर्ज 2030-31 तक गिरकर 73.4 प्रतिशत पर रह सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण डेमोग्राफिक डिविडेंड का होना है। आज के समय में दुनिया में हर छठा वर्किंग आयु का व्यक्ति भारतीय है। आने वाले तीन दशकों तक यह स्थिति रहेगी। हमें इस अवसर को जरूर भुनाना चाहिए।

शेयर मार्केट के नाम पर 1.70 करोड़ रूपए की हुई ठगी

पैसा लगाने से पहले हो जाए सावधान

मुंबई , 14 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप भी शेयर मार्केट में पैसा लगाते है तो सावधान हो जाएं, क्योंकि शेयर मार्किट में पैसा डबल करने को लेकर ठगी जोरो पर चल रही है। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच प्रॉपर्टी सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने शेयर मार्केट के नाम पर 1.70 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, आरोपी लोगों को इन्वेस्टमेंट के नाम पर 84 प्रतिशत रिटर्न देने के नाम पर लोगों के साथ फ्रॉड कर रहा था। मुंबई के वर्सोवा पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। मुंबई पुलिस कई दिनों से आरोपी की तलाश कर रही थी। उसे मध्य प्रदेश के छतरपुर से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के घर से 1.9 किलो गोल्ड और 25 लाख रुपए बरामद किया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने 400 से 500 लोगों के साथ फ्रॉड करने को स्वीकार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने 1.70 करोड़ रुपये की ठगी की है। मुंबई प्रॉपर्टी सेल मामले में जांच कर रही है। आरोपी फर्जी ट्रेडिंग सेबी कंपनी के नाम पर ज्यादा रिटर्न का लालच देकर लोगों के साथ ठगी कर रहा था।

राजधानी दिल्ली में टमाटर की कीमतों में जल्द कमी आने के आसार, दक्षिणी राज्य बने खेवनहार

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां) । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, लेकिन अब जल्द ही बढ़ी कीमतों से राहत मिलने की उम्मीद है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी राज्यों से टमाटर की आपूर्ति में सुधार होने की वजह से आने वाले हफ्तों में दिल्ली में टमाटर की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि आपूर्ति में व्यवधान के कारण आलू और प्याज की कीमतों में तेजी आई है। अधिकारी ने बताया किन वजहों से बढ़ीं कीमतें उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी ने बताया, दिल्ली और कुछ अन्य शहरों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। अत्यधिक गर्मी और उसके बाद काफी बारिश की वजह से आपूर्ति बाधित हुई, जिससे सब्जियों की कीमतें बढ़ गईं। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में टमाटर की कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, लेकिन अगर भारी बारिश के कारण आपूर्ति श्रृंखला में और रुकावट नहीं आती है, तो इसमें कमी आने की संभावना है। फिलहाल दिल्ली में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से हो रही टमाटर की आपूर्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 12 जुलाई को दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो एक साल पहले इस समय के दौरान 150 रुपये प्रति किलोग्राम थी। मुंबई में कीमत 83 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि कोलकाता में यह 80 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 12 जुलाई को टमाटर का औसत खुदरा मूल्य 65.21 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि पिछले साल यह 53.36 रुपये प्रति किलोग्राम था। फिलहाल, दिल्ली को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से टमाटर की आपूर्ति हो रही है। जल्द ही आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से हाइब्रिड टमाटर के राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचने के साथ ही कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल सरकार की सब्सिडी पर टमाटर बेचने की कोई योजना नहीं है। पिछले साल सरकार ने यह उपाय किया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डोनाल्ड ट्रंप पर...

इससे पहले 31 मार्च 1981 को वाशिंगटन हिल्टन में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे रोनाल्ड रीगन की भी गोली मारकर हत्या करने की कोशिश की गई थी। लेकिन गंभीर रूप से जख्मी होने के बावजूद उनकी जान बच गई थी। गोलीबारी की उस घटना में कई लोग जख्मी हुए थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने फायरिंग के तुरंत बाद त्वरित कार्रवाई करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को धन्यवाद दिया है। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा, ट्रंप ठीक हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ट्रंप जूनियर ने कहा कि उन्होंने अपने पिता पर फोन पर बात की और वह सही हैं।

थामस मैथ्यु क्रुक्स...

जुड़ी एक इमारत की छत से रैली पर गोलीबारी की। छत मंच से 150 मीटर से भी कम दूरी पर थी। जैसे ही ये घटना हुई तुरंत ही रैली स्थल पर दहशत फैल गई और अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने मोर्चा संभाल लिया और जवाबी कार्रवाई की। कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के एक एजेंट ने संदिग्ध के सिर में गोली मार दी। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक ही गोली से हमलावर वहीं ढेर हो गया।

पेंसिल्वेनिया में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डेव मैककॉर्मिक ने भी इस हमले के बारे में जानकारी दी। घटना के समय वे मंच पर ट्रंप के दाईं ओर बैठे थे। उन्होंने कहा कि जब हमला हो रहा था उस समय हर कोई अपने घुटनों पर बैठ गया था। इसी दौरान मैंने देखा कि मंच के पीछे किसी को गोली लगी है। जोसेफ नाम के एक शख्स ने बताया कि उसके बगल वाले एक शख्स के सिर पर गोली लगी थी। उन्होंने कहा, मैंने कई गोलियों की आवाज सुनी। मेरे बगल वाले व्यक्ति के सिर में गोली लगी, वह तुरंत मारा गया (और) ब्लीचर्स के नीचे गिर गया। वहीं एक अन्य महिला की भी बांह में गोली लगी थी।

ट्रंप की रैली में हमले के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रैली के लिए बनाए गए मंच के पास एक इमारत की छत पर तैनात दो स्नाइपर्स में से एक को अपना सिर उठाते हुए देखा गया है, वीडियो में ऐसा लगता है जैसे उसने शूटर को देख लिया है। इसके बाद स्नाइपर्स उस पर फायरिंग शुरू कर देते हैं और उसका सिर उड़ा देते हैं।

निर्यात क्षेत्र...

जुड़ी एक इमारत की छत से रैली पर गोलीबारी की। छत मंच से 150 मीटर से भी कम दूरी पर थी। जैसे ही ये घटना हुई तुरंत ही रैली स्थल पर दहशत फैल गई और अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने मोर्चा संभाल लिया और जवाबी कार्रवाई की। कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के एक एजेंट ने संदिग्ध के सिर में गोली मार दी। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक ही गोली से हमलावर वहीं ढेर हो गया।

पेंसिल्वेनिया में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डेव मैककॉर्मिक ने भी इस हमले के बारे में जानकारी दी। घटना के समय वे मंच पर ट्रंप के दाईं ओर बैठे थे। उन्होंने कहा कि जब हमला हो रहा था उस समय हर कोई अपने घुटनों पर बैठ गया था। इसी दौरान मैंने देखा कि मंच के पीछे किसी को गोली लगी है। जोसेफ नाम के एक शख्स ने बताया कि उसके बगल वाले एक शख्स के सिर पर गोली लगी थी। उन्होंने कहा, मैंने कई गोलियों की आवाज सुनी। मेरे बगल वाले व्यक्ति के सिर में गोली लगी, वह तुरंत मारा गया (और) ब्लीचर्स के नीचे गिर गया। वहीं एक अन्य महिला की भी बांह में गोली लगी थी।ट्रंप की रैली में हमले के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रैली के लिए बनाए गए मंच के पास एक इमारत की छत पर तैनात दो स्नाइपर्स में से एक को अपना सिर उठाते हुए देखा गया है, वीडियो में ऐसा लगता है जैसे उसने शूटर को देख लिया है। इसके बाद स्नाइपर्स उस पर फायरिंग शुरू कर देते हैं और उसका सिर उड़ा देते हैं।

छात्र संघ...

विद्यार्थी परिषद, इस पूरे मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय कुलपति तथा दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मिलेगी। अभाविप मांग करती है कि इस मामले में शामिल डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया व अन्य गुंडों को पुलिस तुरंत गिरफ्तार करे तथा विश्वविद्यालय प्रशासन डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया को तुरंत डूसू उपाध्यक्ष पद से हटाए।

सरकार का...

खजाना खोलने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रतिनिधि अधिकारी को भी इसमें शामिल किया गया है। अगर मंदिर प्रबंधन को खजाना कक्ष की चाबी नहीं मिलती है तो मजिस्ट्रेट की निगरानी में ताला तोड़ा जाएगा। इस काम के लिए अनुभवी संपेरों को भी तैनात किया गया था। अगर मेडिकल सप्लाई की ज़रूरत पड़ती है तो इसके लिए डॉक्टरों की एक टीम भी तैनात की गई है। 2018 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद इसकी संरचना का परीक्षण किया गया था। कुछ विद्वानों का कहना है कि रत्न भंडार के भीतर सांप होने की बातें किवदंती भी हो सकती हैं या यथार्थ भी हो सकती हैं। मंदिर का भीतरा-भंडार 25 गुणा 40 फीट का है।चार धामों में से एक जगन्नाथ मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में हुआ था। इस मंदिर में एक रत्न भंडार है। कहा जाता है कि इसी रत्न भंडार में जगन्नाथ मंदिर के तीनों देवताओं जगन्नाथ, बालभद्र और सुभद्रा के गहने रखे गए हैं। कई राजाओं और भक्तों ने भगवान को जेवरात चढ़ाए थे। उन सभी को रत्न भंडार में रखा जाता है। इस रत्न भंडार में मौजूद जेवरात की कीमत बेशकीमती बताई जाती है। आज तक इसका मूल्यांकन नहीं किया गया है। यह ऐतिहासिक भंडार जगन्नाथ मंदिर के जगमोहन के उत्तरी किनारे पर है।

पुरी श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम 1952 के तहत तैयार किए गए अधिकारों के रिकॉर्ड में भगवान जगन्नाथ के आभूषणों की एक सूची शामिल है। जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार दो भागों भीतरी भंडार और बाहरी भंडार में बंटा हुआ है। बाहरी भंडार में भगवान को अक्सर पहनाए जाने वाले जेवरात रखे जाते हैं। वहीं जो जेवरात उपयोग में नहीं लाए जाते हैं, उन्हें भीतरी भंडार में रखा जाता है। रत्न भंडार का बाहरी हिस्सा अभी भी खुला है, लेकिन भीतरी भंडार की चाबी पिछले छह साल से गायब है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की ओर से हाईकोर्ट में दिए हलफनामे के अनुसार, रत्न भंडार में तीन कक्ष हैं। 25 गुणा 40 वर्ग फुट के आंतरिक कक्ष में 50 किलो 600 ग्राम सोना और 134 किलो 50 ग्राम चांदी है। इनका कभी इस्तेमाल नहीं हुआ। बाहरी कक्ष में 95 किलो 320 ग्राम सोना और 19 किलो 480 ग्राम चांदी है। इन्हें त्यौहार पर निकाला जाता है। वहीं, वर्तमान कक्ष में तीन किलो 480 ग्राम सोना और 30 किलो 350 ग्राम चांदी है। दैनिक अनुष्ठान के लिए इन्हीं का उपयोग होता है।मंदिर प्रबंधन समिति के प्रमुख अरविंद पाढी ने बताया कि इससे पहले रत्न भंडार 1905, 1926 और 1978 में खोला गया था और बेशकीमती चीजों की लिस्ट बनाई गई थी। रत्न भंडार को अंतिम बार 14 जुलाई 1985 में खोला गया था। उस समय इसकी मरम्मत करके इसे बंद कर दिया गया था। इसके बाद रत्न भंडार कभी नहीं खुला और उसकी चाबी भी गायब है।

भंडार की चाबी खोने की बात तब पता चली, जब सरकार ने मंदिर की संरचना की भौतिक जांच की कोशिश की। चार अप्रैल 2018 को बताया गया कि रत्न भंडार की चाबियां खो गईं हैं। हो-हल्ला होने के बाद, नवीन पटनायक ने मामले की न्यायिक जांच का आदेश दिया और नवंबर 2018 में आयोग ने 324 पेज की रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के कुछ दिनों बाद, पुरी के तत्कालीन जिला कलेक्टर को रहस्यमय तरीके से एक लिफाफा मिला, जिसमें लिखा था कि आंतरिक रत्न भंडार की नकली चाबियां, जिसने लंबे समय से चल रहे विवाद को और हवा दे दी थी।इस मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले को उठाया था। 20 मई 2024 को पीएम मोदी ओड़ीशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का प्रचार करने गए थे। पुरी में जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने रत्न भंडार का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि जगन्नाथ मंदिर सुरक्षित नहीं है। मंदिर के रत्न भंडार की चाबी पिछले छह साल से गायब है।1978 के बाद से मंदिर के पास कितनी संपत्ति आई, इसका कोई अंदाजा नहीं है। 12वीं शताब्दी में बना जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है। हाल ही में हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव में रत्न भंडार खोला जाना बड़ा मुद्दा था। भाजपा ने वादा किया था कि ओड़ीशा में सरकार बनती है तो खजाना खोला जाएगा। मालूम हो, इससे पहले 2011 में तिरुवनंतपुरम के पद्मनाभ स्वामी के मंदिर के खजाने को खोला गया था। तब 1.32 लाख करोड़ का खजाना मिला था।

ओड़ीशा सरकार ने पुरी में जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को दोबारा खोलने की प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक नई उच्च स्तरीय समिति गठित की है, ताकि उसमें रखी कीमती वस्तुओं की सूची तैयार की जा सके। ओड़ीशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि इस संबंध में उड़ीसा उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार समिति का गठन किया गया है। इस साल मार्च में पूर्ववर्ती बीजू जनता दल सरकार ने रत्न भंडार में रखे आभूषणों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की सूची की निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरिजीत पसायत की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति का गठन किया था। भाजपा सरकार ने न्यायमूर्ति पसायत के नेतृत्व वाली समिति को भंग कर दिया है और नई समिति गठित कर दी है। पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि रत्न भंडार का आंतरिक कक्ष खोलने की प्रक्रिया रविवार से शुरू होगी। श्रीमंदिर ने एक कमेटी गठित की है। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए मंदिर परिचालन कमेटी के सदस्यों के साथ रिजर्व बैंक और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। रत्न भंडार की सभी चीजों का डिजिटल डॉक्यूमेंट बनाया जाएगा। उच्च स्तरीय समिति के चेयरमैन विश्वनाथ रथ के मुताबिक, रत्न भंडार शुभ समय में दोपहर एक बजे से डेढ़ बजे के बीच खोला जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर के बाहरी दीवार पर पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी चार द्वार हैं। पहले द्वार का नाम सिंह द्वार (शेर का द्वार), दूसरे द्वार का नाम व्याघ्र द्वार (बाघ का द्वार), तीसरे द्वार का नाम हस्ति द्वार (हाथी का द्वार) और चौथे द्वारा का नाम अश्व द्वार (घोड़े का द्वार) है।

इन सभी को धर्म, ज्ञान, वैराग्य और ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। सिंह द्वार जगन्नाथ मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार है। इस द्वार पर झुकी हुई मुद्रा में दो शेरों की प्रतिमाएं हैं। माना जाता है कि इस द्वार से मंदिर में प्रवेश करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्याघ्र द्वार पर बाघ की प्रतिमा मौजूद है। यह हर पल धर्म के पालन करने की शिक्षा देता है। बाघ को इच्छा का प्रतीक भी माना जाता है। विशेष भक्त और संत इसी द्वार से मंदिर में प्रवेश करते हैं। हस्ति द्वार के दोनों तरफ हाथियों की प्रतिमाएं लगी हैं। हाथी को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। कहा जाता है कि मुगलों ने आक्रमण कर हाथी की इन मूर्तियों को क्षति-विकृत कर दिया था। बाद में इनकी मरम्मत कर मूर्तियों को मंदिर उत्तरी द्वार पर रख दिया गया। कहा जाता है कि ये द्वार ऋषियों के प्रवेश के लिए है। अश्व द्वार के दोनों तरफ घोड़ों की मूर्तियां लगी हुई हैं। खास बात यह है कि घोड़ों की पीठ पर भगवान जगन्नाथ और बालभद्र युद्ध की महिमा में सवार हैं। इस द्वार को विजय के रूप में जाना जाता है।

हरियाली तीज का व्रत 7 अगस्त को

पति की लंबी उम्र और शादीशुदा जिंदगी में सुख-शांति के लिए महिलाएं कई तरह के व्रतों का पालन करती हैं। इसमें से एक हरियाली व्रत भी माना जाता है। हरियाली व्रत बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है।

भगवान शिव और माता पार्वती के आशीर्वाद से दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहता है। साथ ही जीवन में मधुरता आती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में हरियाली तीज का बहुत महत्व है। यह पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे सावन तीज भी कहते हैं।

हरियाली तीज 2024 तिथि

सावन महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 6 अगस्त 2024 को रात 7:52 से शुरू होगी। यह 7 अगस्त 2024 को रात 10:05 पर समाप्त होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल हरियाली तीज का व्रत 7 अगस्त 2024 बुधवार को रखा जाएगा।

हरियाली तीज व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार शिव जी मां पार्वती को उनके पिछले जन्म की याद दिलाते हैं और कहते हैं कि तुमने मुझे पति के रूप में पाने के लिए वर्षों तक कठोर तपस्या की है। आपने अन्न-जल तक त्याग दिया और सर्दी, गर्मी, बरसात आदि ऋतुओं की परवाह नहीं की। उसके बाद तुमने मुझे पति रूप में प्राप्त किया।

भगवान शिव मां पार्वती को कथा सुनाते हुए कहते हैं कि हे पार्वती! एक बार नारद मुनि आपके घर आए और आपके पिता से कहा कि मैं विष्णु जी की आज्ञा से यहां आया हूं। स्वयं भगवान विष्णु आपकी तेजस्वी पुत्री पार्वती से विवाह करना चाहते हैं।

नारद मुनि की बात सुनकर पर्वतराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने तुरंत इस विवाह प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। परन्तु जब तुम्हारे पिता पर्वतराज ने तुम्हें यह बात बताई, तो तुम बहुत दुखी हुईं।

देवी पार्वती ने की कठिन तपस्या

जब तुमने अपनी सहेली को बताया, तो उसने तुम्हें जंगल की गहराई में जाकर तपस्या करने की सलाह दी। अपनी सहेली की बात मानकर तुमने जंगल की एक गुफा में रेत का शिवलिंग बनाया और मुझे पति रूप में पाने के लिए तपस्या करने लगी।

शिवजी माता पार्वती से आगे कहते हैं कि तुम्हारे पिता पर्वतराज ने तुम्हें पृथ्वी और पाताल में खोजा, लेकिन तुम नहीं मिली। तुम गुफा में सच्चे मन से तपस्या करती रही।

प्रसन्न होकर मैं सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को तुम्हारे सामने उपस्थित हुआ और तुम्हारी इच्छा पूरी कर तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। उसके बाद तुम्हारे पिता भी तुम्हें ढूंढते हुए गुफा तक आए। तुमने अपने पिता से कहा कि मैं आपके साथ तभी आऊंगी, जब आप मेरा विवाह शिव से कर देंगे।

श्रावणी तीज के व्रत का महत्व

आगे भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि तुम्हारे पिता तुम्हारी जिद के आगे कुछ नहीं कर सके और इस विवाह की अनुमति दे दी।

श्रावण तीज के दिन तुम्हारी मनोकामना पूरी हुई और तुम्हारी कठिन तपस्या के कारण ही हमारा विवाह संभव हो सका।

शिव जी ने कहा कि जो भी स्त्री श्रावणी तीज को विधि-विधान से पूजन करेगी, इस कथा को सुनेगी या पढ़ेगी, उसके वैवाहिक जीवन की सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी और मैं उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करूंगा।

9 अगस्त को मनाई जाएगी नाग पंचमी

इस दिन नागों की पूजा कैसे करें

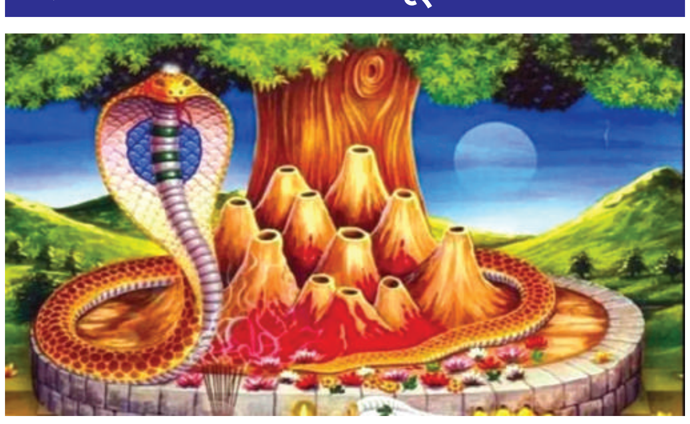

नाग पंचमी को हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को आता है। नाग पंचमी के दिन नाग देवता की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही कालसर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भी यह दिन खास होता है। आइए, जानते हैं कि इस बार सावन में नागपंचमी किस दिन मनाई जाने वाली है। साथ ही इस दिन किस तरह से पूजा की जानी चाहिए।

नाग पंचमी 2024 तिथि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त को पड़ रही है। इस दिन नाग देवता की विधि-विधान से पूजा की जाती है। पंचमी तिथि 9 अगस्त को सुबह 8.15 बजे शुरू होगी और अगले दिन सुबह 6.09 बजे समाप्त होगी।

नाग पंचमी शुभ मुहूर्त

नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा का शुभ मुहूर्त पूरे दिन रहेगा। 9 अगस्त को आप कभी भी पूजा कर सकते हैं।

यदि आप विशेष पूजा करना चाहते हैं, तो 9 अगस्त को दोपहर 12.13 बजे से दोपहर 1 बजे तक का समय शुभ रहेगा। इस दिन प्रदोष काल में भी नाग देवता की पूजा करना शुभ माना गया है।

इसके लिए आप 9 अगस्त को प्रदोष काल में शाम 6 बजकर 33 मिनट से रात 8 बजकर 20 मिनट तक नाग देवता की पूजा कर सकते हैं।

नाग पंचमी पूजा विधि

नाग पंचमी के दिन सुबह स्नान करने के बाद शिव मंदिर में पूजा करें और फिर व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद घर के मुख्य द्वार, घर के मंदिर और रसोई के दरवाजे के दोनों किनारों पर खड़िया से पुताई करें और कोयले से नाग देवता का प्रतीक बनाएं।

आप नाग देवता की तस्वीरों का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके बाद उनकी पूजा करें और दूध अर्पित करें।

घर में नाग देवता की पूजा करने के बाद दूध का एक कटोरा खेत या किसी ऐसे स्थान पर रखें, जहां सांप आने की संभावना हो।

नाग देवता की पूजा में भोग के लिए सेवई और चावल बनाएं। इसके बाद देवताओं को दूध और जल से स्नान कराएं। फिर धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें।

नाग देवता का ध्यान करें और फिर आरती करें। आरती करने के बाद नाग पंचमी की कथा पढ़ें।

चातुर्मास से पहले पड़ रहा है सबसे शुभ दिन, कर लें मांगलिक कार्य

इस समय गुप्त नवरात्र का पर्व चल रहा है। गुप्त नवरात्र की शुरुआत 6 जुलाई से हुई थी, जिसका समापन 16 जुलाई को होने वाला है। गुप्त नवरात्र में देवी भगवती की 10 महाविद्याओं की आराधना की जाती है। इसके बाद देवशयनी एकादशी पड़ती है।

इस बार देवशयनी एकादशी 17 जुलाई को मनाई जाएगी। इस दिन से भगवान विष्णु 4 महीने के लिए योग निद्रा में चले जाएंगे और सभी तरह के मांगलिक कार्यों में विराम लग जाएगा।

बेहद महत्वपूर्ण होगी नवमी तिथि

चातुर्मास के शुरू होने से पहले गुप्त नवरात्र की एक तिथि ऐसी होती है, जिस दिन किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

इस दिन को अबूझ मुहूर्त कहा गया है। अबूझ मुहूर्त में तिथि और नक्षत्र को देखे बिना किसी भी तरह के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

इस साल गुप्त नवरात्र की नवमी तिथि का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि इसके अगले दिन से ही चातुर्मास शुरू हो जाएगा और 4 महीने तक कोई शुभ मुहूर्त नहीं मिलेगा। इसलिए नवमी तिथि पर ही शुभ कार्य कर लें।

नवमी तिथि पर अबूझ मुहूर्त

गुप्त नवरात्र की नवमी तिथि को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है। आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्र की नवमी तिथि के बाद देवशयनी एकादशी पड़ रही है। इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाएंगे और सृष्टि का भार भगवान शिव संभालेंगे।

गुप्त नवरात्र की नवमी तिथि के अबूझ मुहूर्त को भड़ला नवमी भी कहा जाता है। इस साल भड़ला नवमी या नवमी तिथि 15 जुलाई को मनाई जाएगी।

भड़ला नवमी 2024 तिथि

गुप्त नवरात्र की नवमी तिथि या भड़ला नवमी 15 जुलाई को सुबह 4:51 से शुरू होगी। यह तिथि अगले दिन 16 जुलाई की सुबह 5:12 पर समाप्त होगी। इस तरह नवमी तिथि 15 जुलाई को मनाई जाएगी। 15 जुलाई के दिन ही कोई भी मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

कर्क संक्रांति कल

सूर्य देव करेंगे राशि परिवर्तन, चार राशि वालों का चमकेगा भाग्य

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का स्वामी माना गया है। सूर्य अधिकार और शासन के प्रतिनिधि हैं। किसी जातक की कुंडली में सूर्य यदि मजबूत हैं, तो जातकों के रिश्ते अच्छे बने रहते हैं। साथ ही सभी कार्य भी सफल होते हैं।

ज्योतिष गणना के अनुसार सूर्य फिलहाल मिथुन राशि में विराजमान हैं, वे 16 जुलाई यानी कर्क संक्रांति को राशि परिवर्तन करेंगे। इसका कई जातकों की कुंडली पर अलग-अलग असर देखने को मिलेगा। साथ ही चार राशियों के जातकों को लाभ भी पहुंचेगा।

मिथुन राशि–सूर्य के राशि परिवर्तन से बुध राशि के जातकों को खासा लाभ होगा। इस राशि के जातकों के आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। साथ ही आय के नए स्रोत भी खुल सकते हैं।

कन्या राशि –सूर्य कन्या राशि के जातकों की कुंडली में एकादश भाव में गोचर करेंगे। इससे इस राशि के जातकों को करियर में सफलता मिलेगी। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं, तो आपको जल्द

सफलता मिलने से योग भी बन रहे हैं। व्यापार से जुड़े जातकों को कारोबार में लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

तुला राशि–सूर्य के राशि परिवर्तन से तुला राशि के जातकों के करियर में सकारात्मक बदलाव होंगे। बड़ी कंपनी से जॉब ऑफर हो सकता है। साथ ही प्रमोशन के भी योग बन रहे हैं। कारोबार से जुड़े जातकों को भी लाभ होगा।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि के जातकों के व्यापार में बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही बिगड़े काम भी बनेंगे। सूर्य के मित्र ग्रह मंगल देव का भी जातकों को लाभ होगा।

रुद्राभिषेक से पूरी होती है 18 तरह की मनोकामनाएं

भगवान शिव का इन वस्तुओं से करें अभिषेक

पवित्र सावन मास 22 जुलाई से शुरू होने जा रहे हैं। इसी के साथ भगवान शिव के विशेष अनुष्ठान भी शुरू हो जाएगा। कावड़ यात्रा निकाली जाएगी और भोलेनाथ का रुद्राभिषेक और जलाभिषेक किया जाएगा। इस माह सावन सोमवार के व्रत रखने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही दान पुण्य का भी विशेष महत्व है।

हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान शिव को रुद्राभिषेक अति प्रिय है। इससे भक्तों को तमाम कष्टों से मुक्ति मिलती है। मंदिरों के साथ घर भी भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर सकते हैं। माना जाता है कि रुद्राभिषेक से भक्तों की 18 प्रकार की मनोकामना पूरी होती है। सावन में सोमवार के साथ ही अन्य दिनों पर भी मंदिर अथवा घर में भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

इन वस्तुओं से करे रुद्राभिषेक

घी– भगवान शिव का घी से रुद्राभिषेक करना शुभ माना गया है। इससे वंशवृद्धि होती है।

गाय का दूध– गाय का दूध काफी पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इससे रुद्राभिषेक करने वाला व्यक्ति आरोग्य रहता है।

शहद– यदि आप बीमार रहते हैं, तो आपको सावन माह में शिवलिंग का शहद से अभिषेक करना चाहिए। इससे तमाम रोग नष्ट होते हैं।

मिलने लगे ये संकेत, तो समझिए अधूरी रह गई है आपकी पूजा

हर व्यक्ति अपने-अपने आराध्य देव की अपने-अपने ढंग से आराधना करता है। माना जाता है कि इससे जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में यदि आपने सच्चे मन से आराधना की है, तो पूजा के दौरान आपको कुछ शुभ संकेत मिल सकते हैं। लेकिन पूजा में कुछ कमी होने पर अशुभ संकेतों की भी प्राप्ति हो सकती है। तो चलिए जानते हैं कि वह संकेत कौन से हैं।

जब ऐसा निकले नारियल

पूजा पाठ में नारियल का इस्तेमाल मुख्य रूप से किया जाता है, जिसे श्रीफल भी कहा जाता है। ऐसे में यदि आपका चढ़ाया हुआ नारियल खराब निकलता है, तो यह एक शुभ संकेत नहीं माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपकी पूजा में कोई कमी रह गई है।

जब मिलते हैं ये संकेत

पूजा के दौरान दीपक का गिरना एक अशुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति को जीवन में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इसी प्रकार पूजा के दौरान सिंदूर की डिब्बी का गिरना भी अशुभ माना जाता है। यह भी जीवन में आने वाली समस्याओं की ओर इशारा करता है।

ये होते हैं शुभ संकेत

पूजा के दौरान देवी-देवता की प्रतिमा से फूल का गिरना एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसी प्रकार पूजा में चढ़ाए गए नारियल का सूखा नारियल निकलने का अर्थ है कि भगवान ने आपकी प्रार्थना स्वीकार कर ली है। कभी-कभी पूजा-पाठ के दौरान भक्तों के आंसू भी निकल आते हैं, इसका अर्थ है कि आपकी कोई मनोकामना जल्द पूर्ण होने वाली है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा का पहले ही दिन हाल-बेहाल

इंडियन 2 ने किया कमाल

अभिनेता अक्षय कुमार पिछले काफी समय से फिल्म सरफिरा को लेकर चर्चा में थे। उनकी इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, वहीं अक्षय के अभिनय की भी चारों ओर तारीफ हो रही है।बावजूद इसके सिनेमाघरों में पहले दिन उनकी इस फिल्म को दर्शक नसीब नहीं हुए। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो उम्मीद के मुताबिक काफी कम हैं।सैकनिल्क के मुताबिक सरफिरा ने रिलीज के पहले दिन महज 2.40 करोड़ की कमाई की है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं। आधिकारिक आकड़ों में थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है।यह कमाई काफी निराशाजनक इसलिए है, क्योंकि फिल्म का बजट करीब 85 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।इस लिहाज से फिल्म का पहले दिन का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन काफी खराब है। 5-7 करोड़ रुपये अगर यह फिल्म कमाती तो इसका कलेक्शन ठीक माना जाता।अक्षय पिछले काफी समय से एक अदद हिट को तरस रहे हैं।

इस साल आई उनकी 350 करोड़ी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।ऐसे में सरफिरा से हर किसी को बड़ी उम्मीदें थीं। अक्षय ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, लेकिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद सरफिरा पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर फुस्स नजर आई।हालांकि, उम्मीद है कि वीकेंड में फिल्म की कमाई बढ़ेगी।सरफिरा महाराष्ट्र के अंदरूनी गांव में रहने वाला स्कूल मास्टर का बेटा वीर जनार्दन म्हात्रे (अक्षय कुमार) की कहानी है, जो कम लागत वाली एयरलाइंस शुरू करने के इरादे से एयरफोर्स की नौकरी से इस्तीफा दे चुका है। उसे 24 बैंक ऋण देने से इनकार कर चुके हैं। वीर अपने दो दोस्तों के साथ एयरलाइंस खोलने को लेकर प्रयासरत है।परेश रावल और राधिका मदान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।फिलम में परेश भी काफी तारीफ हो रही है।सिनेमाघरों में 12 जुलाई को कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इंडियन 2 भी रिलीज हुई है। यह कमल हासन की ही 1996 में आई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। रकुल प्रीत सिंह भी इसका हिस्सा हैं।इंडियन 2 ने रिलीज के पहले जिन 25.6 करोड़ रुपये कमाए हैं। मतलब यह कि कमल, बॉक्स ऑफिस पर अक्षय से आगे निकल गए हैं और उनकी इंडियन 2 ने कमाई के मामले में सरफिरा को कोसों दूर छोड़ दिया है।

आनंद एल राय ने किया नई फिल्म नखरेवाली का ऐलान

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर आनंद एल राय को हिंदी सिनेमा में रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आनंद ने राझणा, तनु वेड्स मनु, रक्षाबंधन, अतरंगी रे और जीरो जैसी फिल्मों का निर्मा-निर्देशन किया है। अब एक बार फिर आनंद एल राय एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस मूवी का नाम है नखरेवाली, जिसका एलान बीते साल हुआ था और अब फिल्म को रिलीज करने की तैयारी शुरू हो गई है। फिल्म की निर्माता कम्पनी जियो स्टूडियोज और श्नकलर येलो प्रोडक्शन ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर नखरेवाली का नया पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया। ये फिल्म अगले साल फरवरी में रिलीज होगी।

तारीख चुनी गई है 14 यानी वैलेंटाइन डे। फिल्म नखरेवाली के पोस्टर पर न्यूकमर अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव किस करते नजर आ रहे हैं। अंश का अतरंगी अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने पिंक कलर का लहंगा पहना हुआ है और शर्टलेस नजर आ रहे हैं। वहीं, प्रगति ब्लू कलर के सूट में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में कुछ लोग भी नजर आ रहे हैं। बता दें, ये दोनों नए चेहरे है, जो पहली बार आनंद एल राय की मूवी में नजर आने वाले हैं। दोनों ही स्टार्स अपनी एक्टिंग को लेकर काफी एक्साइटेड दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म की कहानी भी आनंद की पिछली फिल्मों की तरह हिंदी पट्टी में स्थापित की गई है। बता दें कि मराठी फ्रेंचाइजी झिम्मा 2 की घोषणा के बाद फिल्म नखरेवाली आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज के बीच दूसरा कॉलोबोरेशन होगा। यह फिल्म मनोरंजन और हंसी से भरपूर होने वाली है। फिल्म का निर्देशन राहुल शांकल्य ने किया है। इसकी कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है।

मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा सेल्फ-वैलिडेशन : ट्विंकल अरोड़ा

उड़ारियां में नेहमत का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि वह पहले दूसरों से वैलिडेशन चाहती थीं, लेकिन अब उन्होंने सेल्फ-वैलिडेशन की पावर को जान लिया है। ट्विंकल ने कहा, वैलिडेशन (अपने बारे में किसी की राय लेना) मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा रहा है। मैं एक ऐसी इंसान थी जिसे कई जगहों पर दूसरों की राय की जरूरत थी, लेकिन समय के साथ मैंने सीखा है कि खुद को मान्यता देना ही सबसे बड़ी सीख है। अगर किसी को कोई दूसरा वैलिडेट नहीं करता, तो इस पर निराश नहीं होना चाहिए। यह कहना आसान है, लेकिन इसमें महारत हासिल करने के लिए काफी कोशिश की जरूरत है, जो मैं कर रही हूं।उन्होंने आगे कहा, मैं एक ऐसी शख्स हूं जो मौज-मस्ती करना पसंद करती है और उसे बस सही कंपनी की जरूरत होती है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अलग-अलग लोगों के सामने अपना अलग-अलग साइड दिखाती हैं और जब वह अकेली होती हैं तो वह बिल्कुल अलग होती हैं। उन्होंने कहा,जब मैं सेट पर होती हूं, तो मैं बिल्कुल शांत और प्रोफेशनल होती हूं। और जब मैं अपने दोस्तों के साथ होती हूं, तो मैं बस एक टाइम बम या लाफ्टर बॉक्स बन जाती हूं। एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई नहीं देख रहा होता है, तो हम बस अपने आप में होते हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कोई भी लोगों के सामने कभी नहीं करता, लेकिन अकेले में करता है।उदाहरण के लिए, मैं घर पर अकेले बैठकर कभी भी चम्मच से नहीं खाती, लेकिन जब मैं किसी ग्रुप में होती हूं, तो मुझे इससे खाना पड़ता है। ट्विंकल ने कंफर्ट जोन के बारे में भी बात की और कहा कि आगे बढ़ने के लिए इससे बाहर निकलना जरूरी है। उन्होंने कहा, एक कहावत है, आगे बढ़ा तभी जा सकता है जब आप अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हैं।

स्टाइलिश आउटफिट पहन हुमा ने लगाया ग्लैमर का तड़का

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना किया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट इंडो-वेस्टर्न आउटफिट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। अपनी एक्टिंग से ज्यादा खूबसूरती को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।उनका स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस फिदा हो गए हैं।फोटोशूट के दौरान हुमा कुरैशी ने बेहद ही स्टाइलिश लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड गॉर्जियस लग रही हैं।

हुमा कुरैशी ने कानों में इयररिंग्स और साथ ही ग्लोइंग मेकअप कर के अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है।बता दें कि हुमा कुरैशी महारानी वेब सीरीज के साथ, मोनिका ओ माई डार्लिंग में भी नजर आ चुकी हैं, जिसमें वो गजब की सुंदर लग रही हैं।हुमा कुरैशी सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग भी इंस्टा पर बेहद जबरदस्त है।

फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आएंगे संजय दत्त

संजय दत्त का नाम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनकी दीवानगी प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलती है। आज भी ऐसे कई प्रशंसक हैं, जो संजू बाबा का दीदार करने के लिए कुछ भी कर गुजरते हैं।उनकी फिल्मों को लेकर भी दर्शक बराबर उत्साहित रहते हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक संजय के प्रशंसकों का दिल बाग-बाग हो जाएगा।दरअसल, वह हाउसफुल फ्रेंचाइजी के 5वें भाग हाउसफुल 5 से जुड़ गए हैं।फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने एक्स पर यह जानकारी दी है। उन्होंने संजू के साथ अपनी एक तस्वीर साझा कर लिखा, हम यह घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं कि संजय हाउसफुल के परिवार में शामिल हो गए हैं। पागलपन से भरी एक रोमांचक यात्रा के लिए तैयार हो जाएं।संजय का नाम फिल्म से जुड़ते ही हाउसफुल 5 को लेकर लोगों का उत्साह दोगुना हो गया है। सोशल मीडिया पर इसकी झलक साफ दिख रही है।अभी तक फिल्म में संजय के होने और ना होने की अटकलें की लगाई जा रही थीं और अब आखिरकार उनकी मौजूदगी पर निर्माता की पक्की मोहर लग गई है। कोई शक नहीं कि संजय अपनी शानदार कॉमेडी से फिल्म को एक अलग ही स्तर पर ले जाएंगे।हाउसफुल की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। शायद इसलिए तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही हाउसफुल 5 का प्रस्ताव जब उन्हें मिला तो उन्होंने मौके पर चौका मारने में देर नहीं लगाई।हाउसफुल फ्रैंचाइजी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर जलवा रहा है। हाउसफुल और हाउसफुल 2 का निर्देशन साजिद खान ने किया था। हाउसफुल 3 का निर्देशन फरहाद सामजी और साजिद ने मिलकर किया, वहीं हाउसफुल 4 के निर्देशक फरहाद थे।हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 2010, दूसरी 2012, तीसरी 2016 और इसकी चौथी किस्त 2019 में आई थी।पिछली फिल्म हाउसफुल 4 75 करोड़ रुपये में बनी थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 296 करोड़ रुपये की कमाई की थी।संजय को मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ और सनी देओल के साथ फिल्म बाप में देखा जाएगा। इस फिल्म के जरिए 90 के दशक के 4 सुपरस्टार एक साथ आ रहे हैं।उनकी तेलुगु फिल्म डबल इस्मार्ट भी चर्चा में हैं, जिसे पुरी जगन्नाथ ने निर्देशित किया है।कन्नड़ फिल्म केडी: द डेविल के क्लाइमैस में भी संजय अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। नोरा फतेही और शिल्पा शेट्टी भी इसका हिस्सा हैं।इसके अलावा शेरां दी कौम उनकी पहली पंजाबी फिल्म है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी ख़ुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालांकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी-छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी ख़ुशी होगी। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद-विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 15 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:21 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 12:30 तक
योग : सिद्ध प्रात: 06:59 तक
करण : बालव प्रात: 06:29 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– दुर्गा नवमी , गुप्त नवरात्रि पूर्ण , भडलीया नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

3 से ज्यादा बच्चे तो नहीं मिलेंगी सरकारी सुविधाएं सरकार जल्द लाएगी कानून : मंत्री खर्रा

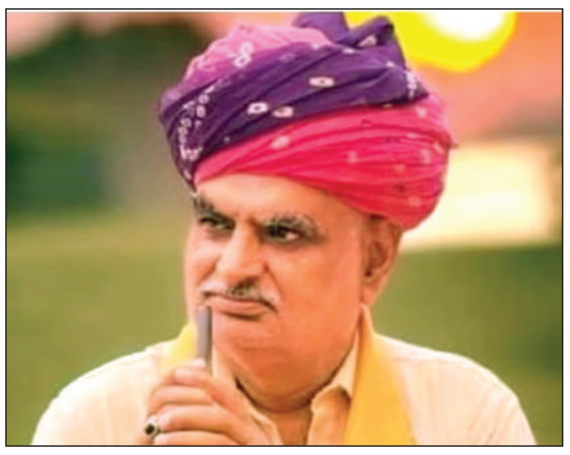

जयपुर,14 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार जल्द ही बच्चों को लेकर कानून बना सकती है। अगर, ऐसा हुआ तो दो-तीन बच्चे वाले लोगों को सरकारी योजन-ाओं को लाभ नहीं मिलेगा। इसके संकेत यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दिए हैं।

दरअसल, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा रविवार को पाली जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों के दो-तीन से ज्यादा बच्चे हैं, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जाएगा। सरकार इस पर काम कर रही है, जल्द ही इसे लेकर कानून लाएगी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या बढ़ेगी तो संसाधन घटेंगे यह कटु सत्य है। इसलिए केंद्र सरकार के स्तर पर कानून लाने का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान में होने वाले उपचुनाव को लेकर मंत्री खर्रा ने कहा पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। भाजपा सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भ्रम फैलाया और हम उसे समय पर दूर नहीं कर पाए। हमारे कार्यकर्ता अति आत्मविश्वास में थे, जिस कारण हमें चुनाव में नुकसान हुआ। लेकिन, उपचुनाव में हम वापसी करेंगे।

करंट लगने से व्यक्ति की मौत

सिरोही,14 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही जिले के चनार गांव में शनिवार देर शाम करंट लगने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार को डिस्कॉम रूरल के एईएन कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। 6 घंटे से भी ज्यादा समय तक चले इस धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने डिस्कॉम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान वे पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग करते रहे। सूचना मिलने पर डिस्कॉम के स्थानीय अधिकारियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शंत कराया। दोनों पक्षों में काफी देर चली बातचीत के बाद मुआवजे पर सहमति बनी, जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि यह हादसा डिस्कॉम प्रशासन की लापरवाही के कारण हुआ है। जिसमें कालूराम (35) पुत्र देवाराम प्रजापत की जान चली गई। वह परिवार का एकमात्र सहारा था। उसके परिवार में 4 छोटे बच्चे, पत्नी और बूढी मां हैं।

इनामी हिस्ट्रीशीटर फिरोज कोल्हापुर से गिरफ्तार

नाम बदलकर होटल में बर्तन धोने का काम कर रहा था

अलवर,14 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस पर हमला कर फरार होने वाले अलवर शहर के मन्नाका गांव के निवासी हिस्ट्रीशीटर फिरोज खान को पुलिस ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार किया है। बदमाश की तलाश में एसपी समेत उच्चाधिकारियों के निर्देशन में तीन टीम लगा रखी थी। अलवर एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि फिरोज को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पुलिस पर हमला करने वाले और व्यापारी को धमकी देने वाला इनामी आरोपी को दस्तयाब करने के लिए गहनता से सूचना संकलन की गई। आरोपी ने फरारी के दौरान अपना नाम बदलकर महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में रहकर अपना नाम राहुल रख लिया था। वह एक ढाबे पर बर्तन धोने का काम करने लगा था। पुलिस को आरोपी के फेरारी वाले स्थान के बारे में सूचना मिली। चाय पीने के बहाने उसकी रेकी की गई, जहां आरोपी बर्तन धोते हुए मिला। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फिरोज खान पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

सीबीएसई की पूरक परीक्षाएं आज से

केंद्रों पर पहुंचाई परीक्षा सामग्री, अगस्त में आएगा परिणाम

अजमेर,14 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरक परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। जिसमें सीबीएसई अजमेर रीजन में 12वीं में 8133 और 10वीं में 3749 विद्यार्थियों भाग लेंगे। 12वीं के सभी विषयों की पूरक परीक्षा सोमवार को एक ही दिन में आयोजित की जाएगी, जबकि 10वीं की पूरक परीक्षाएं 22 जुलाई तक चलेंगी। प्रवेश पत्र अपलोड करने के अलावा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री पहुंचाई जा चुकी है। रीडिंग के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर कम्युनिकेशन डिवाइस नहीं ले जा सकेंगे। परिणाम जुलाई अंत या अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक घोषित किए जाएंगे।

देश में 10वीं कक्षा में 1 लाख 32 हजार 337 और 12वीं में 1 लाख 22 हजार 170 विद्यार्थियों को कम्पार्टमेंट योग्य घोषित किए गए थे। 10वीं की कम्पार्टमेंट परीक्षा सभी विषयों के लिए निर्धारित तिथि पर सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित होगी।

कंप्यूटर एप्लिकेशन और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की परीक्षा सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 तक चलेगी। वहीं, 12वीं की सभी विषयों की कम्पार्टमेंट परीक्षाएं एक ही दिन 15 को सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक होगी। चंडीगढ़, नोएडा, प्रयागराज, दिल्ली ईस्ट, दिल्ली वेस्ट आदि रीजन में भी परीक्षाएं होंगी।

ट्रेन के आगे कूद कर जान देने आए युवक के कटे दोनों पैर

रोहतक,14 जुलाई (एजेंसियां)। रोहतक में एक युवक ने रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि युवक की जान तो बच गई लेकिन वह हमेशा के लिए दिव्यांग हो गया। युवक के दोनों पैर ट्रेन से कट गए। रेलवे स्टेशन काठमंडी रोड पर रविवार सुबह 11:50 पर युवक ने दिल्ली जाने वाली ट्रेन के आगे कुदकर आत्महत्या की कोशिश की। रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों ने बताया ट्रेन जैसे ही 10 मीटर की दूरी पर थी, तभी युवक ट्रेन के आगे कूद गया। इस दुर्घटना में इसने अपने दोनों पैर गवां दिए। युवक ने बताया वह पारिवारिक समस्याओं से परेशान था, इस वजह से उसने आत्महत्या का प्रयास किया। युवक बहादुरगढ़ का रहने वाला है। इसके बाद रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को पीजीआई भर्ती करवाया है।

ट्रक और स्कॉर्पियो गाड़ी आपस में टकराने से तीन लोगों की मौत, एक घायल

महेंद्रगढ़,14 जुलाई (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़ में बीती रात नेशनल हाईवे 152 डी पर गांव सुरजनवास के नजदीक एक भीषण सडक हादसा हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना सुबह करीब तीन बजे हुई जब एक ट्रक और स्कॉर्पियो गाड़ी आपस में टकरा गई। ट्रक चालक सुखदेव ने बताया की वह लॉजिस्टिक्स कंपनी का ट्रक लेकर अंबाला की तरफ जा रहा था। स्कॉर्पियो का चालक भी अंबाला की तरफ ही जा रहा था। स्कॉर्पियो चालक ने अचानक गाडी को ट्रक के पीछे मार दिया, जिससे यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और उन्हें सामान्य अस्पताल महेंद्रगढ़ ले जाया गया।

अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सनी उर्फ तजेंद्र निवासी जालंधर को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, दुर्घटना में स्कॉर्पियो में सवार तीन अन्य लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। जिनमें एक की पहचान नायाब सलमानी पुत्र नफीस सलमानी जालंधर के तौर पर हुई बाकी अन्य दो के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है हैं। तीनों मृतकों के शव सामान्य अस्पताल महेंद्रगढ़ में रखे गए हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की जांच की जा रही है और संबंधित परिजनों को सूचना दे दी गई है।

शादी में खाना परोसने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

करौली,14 जुलाई (एजेंसियां)। सपोटरा उपखंड के चीर की नरौली गांव में आयोजित शादी समारोह में करंट लगने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे शादी समारोह में चल रहा मंडप का कार्यक्रम मातम में बदल गया। चीर की नरौली निवासी जीतराम पुत्र रामफूल माली उम्र 16 साल शादी समारोह के मंडप में खाना परोसने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक टीन शेड में करंट आने से युवक भी चपेट में आ गया। करंट से युवक वहीं बेहोश होकर गिर गया, अचानक हुई घटना से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए।

बेहोश युवक को परिवारजन एवं रिश्तेदार कैलादेवी स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार की ओर से कैलादेवी थाना अधिकारी को कानूनी कार्रवाई के लिए प्राथमिकी दी गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही कैलादेवी थाना पुलिस स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है मृतक चार बहनों के बीच में अकेला भाई था, जो चाचा के लड़के की शादी के मंडप कार्यक्रम में खाना परोसने का काम कर रहा था। इसी बीच टीन शेड में अचानक करंट आने से जीतराम बेहोश हो गया। बेहोश होते ही परिजन उसे कैलादेवी स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए लेकिन तब तक उसकी सांस थम चुकी थीं।

नागपुर के मैरिज पैलेस में लगी आग, शादी समारोह के दौरान मची भगदड़

फतेहाबाद,14 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रतिया क्षेत्र के गांव नागपुर में सरदूलगढ़ रोड स्थित एक मैरिज पैलेस में विवाह कार्यक्रम के दौरान दोपहर के समय आग लग गई। आग लगने से पैलेस में भगदड़ मच गई। कहा जा रहा है कि आग से पैलेस का लाखों रुपये का सामान जल गया। गनीमत रही की आग और भगदड़ से कोई जान का नुकसान नहीं हुआ है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार नागपुर निवासी पवन व प्रदीप का सरदूलगढ़ रोड पर मैरिज पैलेस है। रविवार को यहां गांव मूसा ढाणी के गुलाब सिंह की बारात आई हुई थी। लड़की पक्ष के लोग भी मानसा से यहीं आए हुए थे।

विवाह समारोह बड़ी धूमधाम से चल रहा था कि दोपहर को अचानक पंखे में हुए शार्ट सर्किट से वहां लगे टैंट में आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे पंडाल में फैल गई और उसकी लपटें नीचे गिरने लगी। जिससे पैलेस में भगदड़ मच गई। आगजनी से लाखों रुपये के नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। जब तक आग बुझाने के प्रयास शुरू किया गए, तब तक पूरा टैंट जलकर राख हो चुका था। आग साथ लगते एक कमरे में पड़े बेड तक पहुंच गई। कपड़े जलने के कारण ऊपर से आग की लपटें नीचे गिर रही थी, जिस कारण कोई अंदर आग बुझाने के लिए जा तक नहीं सका। बाद में मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्त से आग पर काबू पाया।

पैलेस में आग की सूचना मिलने पर आसपास के लोग काफी संख्या में एकत्रित हो गए और बचाव कार्य में लग गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आग लगने के बाद हॉल में मौजूद लोगों को बाहर लॉन में भेज दिया गया तथा बाद में बाहर ही टेंट लगवा कर विवाह कार्यक्रम संपन्न करवाया गया।

मौके पर नागपुर पुलिस भी पहुंची और आग लगने से संबंधी जानकारी ली। नागपुर चौकी इंचार्ज हंसराज ने बताया कि प्रदीप पैलेस में आग लगने की सूचना मिलने पर वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। शॉर्ट सर्किट के चलते पैलेस में आग लगी थी लेकिन किसी तरह का कोई जान का नुकसान नहीं हुआ है फिलहाल मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के पहुंचने के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

जिंदगी की जंग हारी छाती से जुड़ी बच्चियां

परिजनों ने लक्ष्मी रखा था नाम, दिन-रात कर रहे थे देखभाल

अंबाला,14 जुलाई (एजेंसियां)। एक दिल के साथ जन्मी छाती से जुड़ी जुड़वा बच्चियां आखिरकार 48 घंटे बाद जिंदगी की जंग हार गई। दोनों बच्चियों ने शनिवार देररात 2 बजे आ-खिरी सांस ली थी। मां की गोद में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने बच्चियों का नाम लक्ष्मी रखा था। शुक्रवार को वह दोनों बच्चियों को चंडीगढ़ पीजीआई ले जाने की जगह अपने संग घर ले आए थे। परिजन दिन-रात बच्चियों की देखभाल कर रहे थे। महज उन्हें ड्रापर के जरिए ही दूध पिलाकर लंबी उम्र की कामना कर रहे थे।

रविवार सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर पिता चुनचुन ने हुड्डा सेक्टर-34 के पास टांगरी नदी के पास बने श्मशान घाट में दोनों बच्चियों को दफनाया। दरअसल, वीरवार देररात को प्रसव पीड़ा उठाने पर शकुंतला को सेक्टर-34 हुड्डा से छावनी नागरिक अस्पताल लाया गया था। नार्मल डिलिवरी हुई तो दो जुड़वा जन्मी थी। दोनों की छाती व पेट के नीचे का हिस्सा आपस में जुड़ा हुआ था। अल्ट्रासाउंड से पता चला था कि दोनों में एक ही दिल धड़क रहा है। कुछ ही देर बाद दोनों बच्चियों को रात में चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया था, लेकिन वहां से उपचार न होने की बात बोलकर वापस अंबाला के छावनी नागरिक अस्पताल भेज दिया गया था। शुक्रवार को जब डॉक्टरों ने दोबारा बच्चियों का चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया तो परिजन हारकर बच्चियों को अपने घर ले आए थे।

महिला ने प्रेमी और बेटे के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

जींद,14 जुलाई (एजेंसियां)। जींद के रामकली गांव में पत्नी ने प्रेमी और बेटे संग मिलकर पति की हत्या करने पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 11 जुलाई को रामकली गांव के तालाब के पास अधेड़ व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत पर महिला सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रामकली गांव निवासी अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 जुलाई को उसके 52 वर्षीय चाचा अशोक का शव गांव में ही मिला था। अनिल ने आरोप लगाए हैं कि उसकी चाची के गांव के ही बिजेंद्र के साथ अवैध संबंध थे। बिजेंद्र का उसके चाचा के घर अकसर आना जाना रहता था जोकि उसके चाचा अशोक को पसंद नही था।

अशोक के नाम करीब 1 कनाल जमीन नाम है। उसकी चाची, मृतक का बेटा अर्जुन और बिजेंद्र मिलकर बेचना चाहते थे। उसका चाचा जमीन को बेचना नहीं चाहता था।

उन्नाव हादसे के बाद बिहार में एक्शन

24 घंटे में 252 बसें जब्त, लापरवाह अधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई

पटना (एजेंसियां)।

उन्नाव हादसे के बाद बिहार की कई बसें बिना परमिट और बीमा के ही चल रही हैं। खबर के बाद बिहार सरकार एक्शन में आई है। अब बिहार सरकार अवैध रूप से चल रहे बसों पर कार्रवाई कर रही है। पिछले 24 घंटे में परिवहन विभाग ने राज्य में 252 बसों पर कार्रवाई की है। इनके मालिकों से 47.87 लाख रुपयो जुर्माना वसूला गया।

इतना ही नहीं अवैध पाए गए 26 बसों को जब्त भी गया है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने सभी डीटीओ, एमवीआई को लगातार वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश

दिया है। साथ ही यह अभी कहा कि अगर कोई बस बिना फिटनेस, परमिट, स्पीट लिमिट डिवाइस के चलती पाई गई तो इसके लिए दोषी जिला परिवहन पदाधिकारी और मोटरयान निरीक्षक जिम्मेदार होंगे।

सीतामढ़ी, शिवहर गोपालगंज से दर्जनों की संख्या से अधिक स्लीपर डबल डेकर बसें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों के बड़े शहरों तक जाती हैं। हालांकि, इसके मानक का ख्याल बिलकुल नहीं रखा जाता है। लंबी दूरी की इन बसों में से ज्यादातर में पुरानी बसों में ही मनमाना बदलाव कर डबल डेकर बनाकर चलाई जाती हैं। बस में बदलाव के लिए एमवीआई से मंजूरी भी नहीं ली जाती। बिना मंजूरी मनमाने बदलाव के बाद भी अवैध बसों का फिटनेस एमवीआई कार्यालय से पास हो जाता है और इस आधार पर इन्हें टूरिस्ट परमिट मिल जाता है। टूरिस्ट परमिट पर ही ये लोग परिचालन करते है। इन बसों में क्षमता से अधिक सवारियों को ठूंसकर बैठाया जाता है। एक बस में 70 से 80 यात्रियों को ढोया जाता है। मनमाना बदलाव कर डबल डेकर बनाई गई बसों को लोहे के चादर और प्लाइवुड से पैक कर दिया जाता है। इनमें न इमरजेंसी गेट बनाया जाता और न स्पीड गवर्नर लगा होता है।

भागलपुर में नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म

प्रेमी ने दोस्तों के साथ मिलकर की दरिंदगी

पटना (एजेंसियां)।

भागलपुर में नाबालिग लड़की के साथ दरिंदगी हुई है। इस घिनौनी हरकत को अंजाम किसी और ने नहीं बल्कि उसके प्रेमी ने दी है। वह भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर। प्रेमी ने उसे मिलने के हवाई अड्डा मैदान बुलाया। कुछ देर बातचीत के बाद उसके साथ गंदी हरकत करने लगा। लड़की ने विरोध किया तो उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। अब लड़की और उसके परिजनों ने न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

घटना तिलकामांझी थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि छात्रा 11 जुलाई गुरुवार की शाम अपने प्रेमी से मिलने मिलने गई थी, जहां पहले से ही उसके तीन अन्य दोस्त मौजुद थे। लड़की को

पहले ही कुछ अनहोनी होने की भनक थी। हालांकि, प्रेम प्रसंग के कारण उसने अपने प्रेमी से कुछ भी नहीं कहा। इसके बाद वे दोनों आपस में बातचीत करने पहले प्रेमी ने उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर अन्य साथियों ने मिलकर नाबालिग के साथ बलात्कार किया। इस दौरान लड़की चीखती-चिल्लाती रही लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। घटना के बाद पीड़िता ने आपबीती मां से सुनाई तो वह भी हैरान रह गई। इसके बाद 12 जुलाई शनिवार को तिलकामांझी थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने पीड़िता को महिला थाने भेज दिया। महिला थाना प्रभारी किरण सोनी ने शनिवार को पीड़ित छात्रा का सदर अस्पताल में मेडिकल कराकर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। दोनों के मोबाइल की भी जांच की जा रही है। मामले की जांच चल रही है।

मां के सिर पर हथौड़े से हमला, मौत, बेटा-बहू फरार

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में बेटे कृष्ण जायसवाल ने पत्नी पूजा देवी के साथ मिलकर मां ललिता देवी (70) की हत्या कर दी। बेटे ने हथौड़े से मां के सिर पर हमला किया। इससे मां की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मां को बचाने गए छोटे बेटे आलोक भगत और उसकी पत्नी मधु देवी पर भी हथौड़े से हमला किया, जिसके कारण दोनों घायल हो गए। नाजुक हालत में दोनों का इलाज पूर्णिया के निजी अस्पताल में चल रहा है। दोनों वेंटिलेटर पर हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद बेटा और बहू घर छोड़कर फरार हैं। घटना धमदाहा थाना क्षेत्र के इटहरी गांव की है। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है।

मृतका के पति परमानंद भगत ने बताया कि गांव में ही उन्होंने दो बेटों के लिए दो मंजिला मकान बना रखा है। इसे उन्होंने दोनों बेटों में बराबर बांट दिया है। वहीं गांव की ढाई एकड़ जमीन उन्होंने अपने पास रखा है। इसका बंटवारा नहीं किया। इसी जमीन को लेकर अक्सर घर का बड़ा बेटा कृष्ण जायसवाल और उसकी पत्नी उनसे झगड़ते हैं। एक महीने पहले भी इसी को लेकर घर में झगड़ा हुआ था। इसके बाद बड़ा बेटा और

बहू कुछ दिनों के लिए ससुराल चले गए थे। कुछ दिन रहकर दोनों वापस लौट आए। वहीं आज सुबह मैं चाय पीने घर से गांव में निकला था। घर लौटने पर लोगों की भीड़ देखी। अंदर जाने पर पत्नी की खून से लथपथ लाश दिखी। सिर पर हथौड़े से हमले के निशान थे। कुछ ही दूरी पर छोटा बेटा और बहू दोनों जमीन पर खून से सने पड़े थे। दोनों ने धीमी आवाज में बताया कि बड़े भाई कृष्ण जायसवाल और उसकी पत्नी ने मां को हथौड़े से मार डाला। दोनों बचाने गए, तो उनपर भी हथौड़े से हमला कर दिया।

पशुपति पारस का दफ्तर छिनने के पीछे किसकी साजिश?

पार्टी के नेता ने बताई अंदर की बात, सियासत हुई तेज

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के राज्य कार्यालय भवन का आवंटन रद्द करने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने बड़ा बयान दिया है।

श्रवण कुमार अग्रवाल ने कहा कि आदेश नियम के विपरीत है। सरकार के कुछ खास लोगों की मिली भगत से कार्यालय भवन का आवंटन रद्द करने का आदेश दिया गया है, लेकिन अब तक पार्टी को भवन खाली करने का कोई

लिखित निर्देश नहीं मिला है। पशुपति पारस ने इस मामले में नाराजगी भी जताई है।

वहीं, इस मामले में अब हाईकोर्ट ने नीतीश सरकार से जवाब भी मांगा है। अब न्यायालय का फैसला ही मान्य होगा। शनिवार को पार्टी के प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह व अम्बिका प्रसाद बिनु ने संयुक्त रूप से आयोजित पत्रकार सम्मेलन में यही बात कही।

श्रवण अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि रालोजपा कार्यालय का भवन, जो लोक जनशक्ति पार्टी के नाम से था, का आवंटन को भवन निर्माण विभाग द्वारा रद्द किए जाने का फैसला पूरी तरह से नियम के विपरीत है।

निर्वाचन आयोग ने रालोजपा को बिहार में राज्यस्तरीय पार्टी का मान्यता दे रखी है। बिहार सरकार के गाइडलाइन के अनुसार राल-ोजपा कार्यालय के लिए भवन आवंटन का अधिकार रखती है। 2010 के बाद से रालोजपा को यह भवन आवंटित है।

उन्होंने बताया कि रालोजपा के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व में 28 जुलाई को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना में बुलायी गयी है जिसमें पार्टी के आगे के कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

कीटनाशक पीकर महिला ने की खुदकुशी

पति-पत्नी के बीच बीती शाम हुई थी कहासुनी

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में एक महिला ने शनिवार की शाम कीटनाशक पीकर खुदकुशी कर ली। मामला बेन थाना क्षेत्र के कोलुआ गांव का है। मृतका की पहचान धर्मवीर कुमार की पत्नी आशा कुमारी (24) के रूप में की गई है। रविवार की सुबह परिजन पुलिस की मदद से शव के पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्प-ताल पहुंचे।

मृतका के परिजन ने बताया कि शनिवार की शाम पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। फिर धर्मवीर कुमार घर से बाहर चला गया। इसके बाद आशा कुमारी ने घर में रखी कीटनाशक पी ली। घर के अन्य सदस्य जब कमरे में गए तो देखा कि आशा कुमारी अचेत होकर

जमीन पर पड़ी हुई और मुंह से झाग निकल रहा है। उसके बाद आनन-फानन में बेहोशी की हालत में आशा कुमारी को इलाज के लिए सिलाव के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई।

गांव में चर्चा है कि धर्मवीर कुमार का किसी युवती से अवैध संबंध चल रहा है। इसके कारण महिला की अक्सर उसके पति से कहासुनी होती रहती थी। इसी बात को लेकर महिला आहत हो गई और कीटनाशक पीकर खुदकुशी कर ली।

वहीं, इस मामले में बेन थानाध्यक्ष विकेश कुमार ने बताया कि कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या जांच में यह बात सामने आई है कि पति का किसी से अवैध संबंध चल रहा था, जिससे आहत होकर महिला ने खुदकुशी की है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेल में विचाराधीन कैदी की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया, जेल प्रशासन पर लगाया हत्या का आरोप

छपरा (एजेंसियां)।

जेल प्रशासन द्वारा आए दिन कैदियों से मारपीट और उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगता रहा है। लेकिन इस बार छपरा मंडल कारा में जेल प्रशासन पर शराबी युवक की मारपीट कर हत्या किए जाने का आरोप मृतक के परिजनों द्वारा लगाया गया है। आरोप है कि जेल में विचाराधीन कैदी की मौत अत्यधिक पिटाई के कारण हुई है। न्यायिक हिरासत में रह रहे विचाराधीन कैदी युवक की मौत होने के बाद उसके परिजनों ने सदर अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। हंगामा की सूचना मिलने पर स्थानीय भगवान बाजार और नगर थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंच कर परिजनों को समझाने-बुझाने में जुट गई। जानकारी के मुताबिक,

भगवान बाजार क्षेत्र के ब्रह्मपुर मोहल्ले के नजदीक चार दिन पहले यानी 10 जुलाई की देर शाम सुनील राय नामक एक युवक को पुलिस ने नशे की हालत में गिरफ्तार किया था। उसके बाद नियमानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा मेडिकल जांच कराने के बाद उसे मंडल कारा छपरा भेज दिया गया था। लेकिन शनिवार की देर रात को अचानक सुनील की तबीयत बिगड़ गई। उसके बाद जेल प्रशासन द्वारा इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। जहां आते ही आक्रोशित हो गए और सदर अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि जेल और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से युवक की बेरहमी से पिटाई की गई है, जिस कारण उसकी मौत हो गई है। हालांकि पुलिस के उच्च अधिकारी अब तक इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। इधर, परिजन जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि अस्पताल में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

जयनगर, रक्सौल से समस्तीपुर के रास्ते चलेगी सावन मेला स्पेशल

सरायगढ़ से देवघर के लिए भी होगा परिचालन

समस्तीपुर (एजेंसियां)।

सावन में देवघर जाने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। रेलवे प्रशासन ने सावन के मौके पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ के नियंत्रण के लिए समस्तीपुर के रास्ते रक्सौल और जयनगर से देवघर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। इसके अलावा मंडल के सरायगढ़ से देवघर के बीच भी स्पेशल ट्रेन का परिचालन पहली बार होगा।

रेलवे के अनुसार सावन में सुल्तानगंज और देवघर जाने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे तीन स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने जा रही है।

रक्सौल-देवघर एक्सप्रेस ट्रेन रविवार, मंगलवार और गुरुवार को रवाना होगी। रक्सौल से 5.15 सुबह को खुलेगी। विभिन्न स्टेशनों पर रुकती हुई समस्तीपुर 9.50 पहुंचेगी। समस्तीपुर से खुलकर यह ट्रेन बरौनी, किउल, लखीसराय, जमुई, झाझा, और जसीडीह होते हुए देवघर 16:45 में ट्रेन पहुंचेगी। जबकि देवघर से यह ट्रेन 17:45 में यह रवाना होगी। यह ट्रेन रात में 2:40 बजे समस्तीपुर जंक्शन आएगी।

इसी तरह जयनगर आसनसोल एक्सप्रेस 05597/98 संख्या के साथ रवाना होगी। गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को यह ट्रेन चलेगी। जयनगर से 22:00 बजे खुलेगी और आसनसोल 11:30 में पहुंचेगी। समस्तीपुर यह ट्रेन रात में 12:45 बजे आएगी।

वहीं, रेलवे मंडल के सरायगढ़ देवघर एक्सप्रेस 055 73/74 संख्या के साथ रवाना होगी। सरायगढ़ से यह ट्रेन 3.05 में खु-लेगी।

देवघर 11:30 में पहुंचेगी। 11:45 में देवघर से खुलकर 22.15 में सरायगढ़ पहुंचेगी। 21 जुलाई से यह ट्रेन रवाना होगी, जिसमें सामान्य डब्बे रहेंगे।

समस्तीपुर-दुर्ग के बीच भी चलेगी वन-वे स्पेशल-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर- छपरा-वाराणसी-प्रयागराज-कटनी-रायपुर के रास्ते गाड़ी सं. 05599 समस्तीपुर-दुर्ग वन-वे स्पेशल 15 जुलाई से समस्तीपुर से चलेगी। समस्तीपुर से यह ट्रेन शाम 17.00 बजे खुलकर 17.50 बजे मुजफ्फरपुर, 18.50 बजे हाजीपुर, 20.45 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 21.30 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का एक, शयनयान श्रेणी के 14 और साधारण श्रेणी के तीन कोच होंगे।

मऊ-हटिया के बीच भी चलेगी स्पेशल ट्रेन- हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-बरौनी-जसीडीह-चितरंजन-धनबाद के रास्ते गाड़ी सं. 05182 मऊ-हटिया वन-वे स्पेशल 15 जुलाई से चलेगी। मऊ जंक्शन से यह ट्रेन शाम 17.15 बजे खुलकर 21.10 बजे हाजीपुर 22.15 बजे मुजफ्फरपुर, 23.30 बजे समस्तीपुर, 00.35 बजे बरौनी सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 14.30 बजे हटिया पहुंचेगी। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 15 कोच होंगे।

नालंदा में करंट लगने से दो लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में शनिवार की रात करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। मामला खुदागंज थाना क्षेत्र के केवाली गांव का है। मृतकों की पहचान सुरेश यादव के बेटे हरेंद्र यादव (25) और लालजी यादव के बेटे ब्रह्मदेव यादव (59) के रूप में की गई है। रविवार की सुबह परिजन शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। दोनों रिश्ते में पत्नी के भाई और बहनोई लगते थे।

मृतक के परिजन ने बताया कि शनिवार की रात हरेंद्र यादव गांव के ही ब्रह्मदेव यादव के बोरिंग स्थित कुंए में मोटर ठीक करने गया था। जहां हरेंद्र यादव करंट के संपर्क में आ गया, जिसे बचाने के दौरान ब्रह्मदेव यादव भी करंट से झुलस गए। उसके बाद वहां मौजूद अन्य लोगों ने दोनों को करंट से मुक्त कराते हुए इलाज के लिए निजी क्लिनिक ले गए। जहां डॉक्टर द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com